राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार
- 12

वैश्वीकरण का अंत करीब स्वदेशी को टाल नहीं सकते
- 12

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमरा
- 13

रणजी में जुरेल शतक से चूके, उत्तर प्रदेश ने बनाए 237 रन
- 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.02

सूर्यास्त 05.48

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

हल्द्वानी

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष द्वादशी 11:09 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 340, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

भारत उच्च वृद्धि की राह पर, 2026-27 में जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान

वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में पेश किया आर्थिक रिपोर्ट कार्ड

- कहा- व्यापक आर्थिक आधार मजबूत, वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक किया सामना

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में अर्थिक सर्वेक्षण पेश करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद के बजट सत्र में गुरुवार को देश का 'आर्थिक रिपोर्ट कार्ड' पेश किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का व्यापक आर्थिक आधार पहले से कहीं अधिक मजबूत है। देश ने वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, जिससे हमारी संभावित जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2026-2027 में 7.2% रहने का अनुमान है।

सीतारमण ने कहा, भू-राजनीतिक विखंडन व आर्थिक उथल-पुथल से भरी इस दुनिया में भारत एक वैश्विक चमकते सितारे के रूप में खड़ा है जो मजबूत, स्थिर और आगे बढ़ने वाला है। हमने वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करते हुए भारत को उच्च वृद्धि पथ पर पहुंचाया है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत गति बनाए रखी है। एनएसओ (एनएसओ) के अनुमानों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। भारत लगातार चौथे वर्ष सबसे तेजी से बढ़ने वाली दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। समीक्षा ने देश के वृद्धि पूर्वानुमान को तीन साल पहले के 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर अब सात प्रतिशत कर दिया है। समीक्षा के अनुसार, जीएसटी में बदलाव और अन्य सुधारों ने वैश्विक अनिश्चितता को एक अवसर में बदल दिया है और अगला वित्त वर्ष समायोजन का वर्ष होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था इन बदलावों के अनुकूल होगी। भारत के विभिन्न देशों के साथ किए गए कई मुक्त व्यापार समझौतों को देखते हुए, समीक्षा में कहा गया है कि व्यापार समझौतों की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए भारत को प्रतिस्पर्धी रूप से उत्पादन करना होगा।

इसमें कहा गया है कि यूरोप के साथ एफटीए भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धी क्षमता, निर्यात क्षमता और रणनीतिक क्षमता को मजबूत करेगा। समीक्षा के अनुसार, ज्यादातर वर्षों में, बाहर से भेजा जाने वाला मनी ऑर्डर (रेमिटेंस) एफडीआई से अधिक रहा है। यह बाह्य वित्त पोषण के एक प्रमुख स्रोत के रूप में इसके महत्व को बताता है। परिणामस्वरूप, 2025-26 की पहली छमाही में चालू खाते का घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 0.8 प्रतिशत पर बना हुआ है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत मार्च 2025 तक 55 करोड़ दो लाख बैंक खाते खोले गए हैं। वर्ष 2005 से 2024 के दौरान देश का वैश्विक व्यापार निर्यात एक प्रतिशत से लगभग दोगुना होकर 1.8 प्रतिशत हो गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू उड़ान बाजार बना, हवाई अड्डों की संख्या 2014 से 74 से बढ़कर 2025 में 164 हुई। देश में इस समय 23 आईआईटी, 21 आईआईएम और 20 एम्स, जंजीबार और अबूधाबी में दो अंतर्राष्ट्रीय आईआईटी कैम्पस स्थापित हैं।

लगातार नौ बार बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री होंगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश करना भारत के संसदीय इतिहास में गौरव का विषय होगा। सीतारमण रविवार को संसद में 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। ऐसा करने वाली वह देश की पहली महिला वित्त मंत्री होंगी। पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई ने 10 बार केंद्रीय बजट पेश किया था, जबकि पी. चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किया, लेकिन वह लगातार नहीं कर सके।

पिछले एक साल में 18,000 रोजगार मेलों के जरिए 2.22 करोड़ को मिला रोजगार : मांडविया

नई दिल्ली। सरकार ने कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान देशभर में आयोजित 18,000 से अधिक रोजगार मेलों के माध्यम से कुल 2.22 करोड़ लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा को प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी दी। पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने बताया कि देश में रोजगार सृजन बढ़ रहा है और बेरोजगारी दर घटकर 3.2 प्रतिशत रह गई है। बीते एक दशक में एनसीएस पोर्टल को मजबूत किया गया है और वर्तमान में इससे 55 लाख कंपनियां जुड़ी हुई हैं। वहीं 2024 के आंकड़ों के अनुसार देश में 64.33 करोड़ रोजगार अवसर उपलब्ध कराए गए।

भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर, दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभर रहा है। साथ ही उन्होंने ईयू के साथ हुए एफटीए का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और देश के विनिर्माताओं को इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ानी चाहिए। संसद के बजट सत्र के दूसरे दिन, मोदी ने कहा कि भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोदी ने कहा कि उनके आलोचक भी सरकार की अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हैं और सुधारों की यह परंपरा अगली पीढ़ी के सुधारों के साथ भी जारी रहेगी।

ब्रीफ न्यूज

नौसेना ने सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। इस वर्ष की गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय नौसेना ने सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं में सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग दल का पुरस्कार जीता है। नौसेना ने इस उपलब्धि को अथक प्रयास, समर्पण और अनुशासन का परिणाम बताया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकी श्रेणी में महाराष्ट्र ने गणेशोत्सव की थीम पर आधारित अपनी झांकी के लिए पहला पुरस्कार जीता। वहीं, 'वंदे मातरम्' की 150 वर्ष की विरासत को दर्शाने वाली संस्कृति मंत्रालय की झांकी मंत्रालयों और विभागों की श्रेणी में विजेता रही। नौसेना अधिकारियों के अनुसार, नौसेना के मार्चिंग दल में 144 युवा कर्मी शामिल थे, जिन्होंने ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर कंधे से कंधा मिलाकर मार्च किया।

कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डूंगरपुर जिले में दोवडा थाने के पुलिस कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र पटेल और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार पाटीदार को डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने गुरुवार को बताया कि एसीबी डूंगरपुर को परिवादी ने शिकायत की कि कांस्टेबल प्रकाश चन्द्र ने उसका मोबाइल फोन लेकर कहा कि वह लोकेन्टो खेलकर लोगो के साथ ठगी करता हैं और अब उसके खिलाफ मुकदमा चलेगा। अगर वह इससे बचना हैं तो दोवडा थाने में सीआई साहब से बात करके मुकदमा नहीं होने देंगे और इसकी एवज में उससे दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है।

यूजीसी बिल पर सुप्रीम रोक

शीर्ष कोर्ट ने कहा- हस्तक्षेप नहीं किया तो समाज में विभाजन पैदा होने के साथ खतरनाक प्रभाव पड़ेगा

- पीठ का सुझाव, प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में जाति आधारित भेदभाव को रोकने से संबंधित हालिया यूजीसी समानता विनियमन पर रोक लगा दी और कहा कि ये विनियम प्रथम दृष्टया अस्पष्ट प्रतीत होते हैं और इनका दुरुपयोग किए जाने की आशंका है। शीर्ष अदालत ने मौखिक रूप से टिप्पणी की कि अगर इस मामले में हस्तक्षेप नहीं किया गया तो इसका खतरनाक प्रभाव पड़ेगा और समाज में विभाजन पैदा होगा।

उच्चतम न्यायालय का यह आदेश उन विभिन्न याचिकाओं के बाद आया है जिनमें यह दलील दी गई थी कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। इन नियमों के खिलाफ देश में विभिन्न स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए जिसमें छात्र समूहों और संगठनों ने इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की। केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे बागची की पीठ ने सुझाव दिया कि प्रख्यात न्यायविदों की एक समिति द्वारा विनियमों पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, (केंद्र, यूजीसी को) नोटिस जारी करें और 19 मार्च तक जवाब दाखिल किए जाए।

सॉलिसिटर जनरल नोटिस स्वीकार करें, तब तक यूजीसी विनियम 2026 स्थगित रहेंगे और 2012 के विनियम लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की, प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि विनियमन की भाषा अस्पष्ट है। विशेषज्ञों को भाषा में संशोधन करने की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके। उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव संबंधी शिकायतों की जांच करने और समानता को बढ़ावा देने के लिए सभी संस्थानों द्वारा समानता समितियां गठित करने को अनिवार्य बनाने संबंधी नए नियम 13 जनवरी को अधिसूचित किए गए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 में यह अनिवार्य किया गया है कि इन समितियों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदाय से तथा दिव्यांग एवं महिला सदस्य शामिल होने चाहिए। नया विनियम यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देना) विनियम, 2012 का स्थान लेने के लिए अधिसूचित किया गया था। 2012 के नियम मुख्य रूप से परामर्श वाली प्रकृति के थे। इन याचिकाओं में इस विनियम को इस आधार पर चुनौती दी गई कि जाति-आधारित भेदभाव को सिर्फ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के सदस्यों के खिलाफ भेदभाव के रूप में ही परिभाषित किया गया है।

याचिकाओं में कहा गया है कि जाति-आधारित भेदभाव के दायरे को केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित करके यूजीसी ने प्रभावी रूप से सामान्य या गैर-आरक्षित श्रेणियों से संबंधित व्यक्तियों को संस्थागत संरक्षण और शिकायत निवारण से वंचित कर दिया है जिन्हें उनकी जातिगत पहचान के आधार पर उत्पीड़न या पूर्वाग्रह का सामना करना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय मृत्युंजय तिवारी, अधिवक्ता विनीत जिंदल और राहुल दीवान की ओर से दायर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्द्धन हेतु) विनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।

आवारा कुत्तों से संबंधी पूर्व के आदेश में संशोधन संबंधी याचिका पर फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों के मामले में पहले दिए गए आदेशों में संशोधन का अनुरोध करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने न्यायमित्र गौरव अग्रवाल की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अग्रवाल ने पीठ के समक्ष पंजाब, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों द्वारा उठाए गए कदमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। पीठ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से पेश हुए अधिवक्ता की दलीलें भी सुनी, जिसमें 7 नवंबर, 2025 के उस निर्देश के अनुपालन का जिक्र था। अदालत ने प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा पशुओं को हटाने और सड़कों के किनारे बाड़ लगाने के निर्देश दिये थे। न्यायालय ने भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को पशु आश्रय स्थलों या पशु जन्म नियंत्रण सुविधाओं के लिए अनुमति मांगने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के आवेदनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। पीठ ने एडब्ल्यूबीआई का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, या तो आप आवेदन स्वीकार करें या अस्वीकार करें, लेकिन इसे शीघ्रता से करें। शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी अधिवक्ता की इस दलीप पर की कि सात नवंबर के आदेश के बाद, विभिन्न संगठनों से ऐसे आवेदनों में अचानक वृद्धि हुई है।

जेल की दीवार फांद दो बंदी फरार, जेल अधीक्षक समेत सात निलंबित

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

- अयोध्या में विशेष बैरक में निरुद्ध थे दोनों रोशनदान की ईंट निकालकर पहुंचे जेल की दीवार तक
- कंबल व मफलर की रस्सी बना इमली के पेड़ के सहारे कूदे, सुबह 6 बजे गिनती के समय हुई जानकारी

अमृत विचार : जिला कारागार की सुरक्षा में सेंध लगाकर विशेष बैरक में निरुद्ध दो बंदी दीवार फांदकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही जनपद में हड़कंप मच गया। फरार बंदियों की तलाश में पुलिस की तीन टीमों का गठन किया गया है। मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्रा, जेलर जेके यादव और डिप्टी जेलर मयंक त्रिपाठी समेत एक हेड वार्डर और तीन वार्डर को निलंबित कर दिया है।

घटना की जानकारी गुरुवार सुबह छह बजे तब हुई, जब बंदियों व कैदियों की गिनती की जा रही थी। इस दौरान विशेष बैरक नंबर एक की कोठरी नंबर चार में एक साथ बंद शेर अली निवासी अमेरमऊ थाना करौंदी कला जिला सुल्तानपुर व गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज निवासी मुसाफिरखाना थाना मुसाफिरखाना जिला अमेठी लापता मिले। जब उनके बैरक की जांच की गई तो उसका रोशनदान टूटा मिला। उसमें से 15-20 ईंटे निकली हुई थीं। पता चला कि दोनों बंदी इसमें से निकलकर जेल की दीवार तक गए व बाहर लगा इमली का एक सूखा पेड़, जिसकी डाल जेल के अंदर तक आई थी, उस पर कंबल व मफलर की रस्सी बनाकर उसके सहारे बाहर निकल गए। मौके पर पहुंचे वरिष्ठ जेल अधीक्षक यूपी मिश्र, जेलर, डिप्टी जेलर ने जेल की तलाशी ली व कैदियों व बंदियों से पूछताछ की। भागने वाले स्थान पर हरियाली व अंधेरा होने के कारण सीसीटीवी फुटेज से भी कुछ हासिल नहीं हुआ।

लापरवाही स्वीकारी संबल, सरिया बरामद

डीआईजी जेल ने जेल प्रशासन की भारी लापरवाही को स्वीकार किया। बताया कि दोनों बंदी रोशनदान की ईंट निकालकर कंबल व मफलर की रस्सी के सहारे जेल की दीवार कूदकर फरार हुए हैं। मौके से एक संबल, सरिया, बांस बरामद हुआ है। निलंबित किए गए सातों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। बंदी शेर अली हत्या के एक मामले में दो साल व गोलू पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे में जिला कारागार में निरुद्ध थे। कोतवाली नगर में केस भी दर्ज कराया गया है।

12वीं की छात्रा की नृशंसता से हत्या

संवाददाता, देहरादून

- दरांती से अंगुलियां व नाक काटी गला रेता, तहेरा भाई नामजद
- बाइक व घटना में प्रयुक्त दरांती बरामद की गई

अमृत विचार : विकासनगर इलाके में 12वीं कक्षा की एक छात्रा की नृशंसता से हत्या कर दी गई। दरांती से छात्रा की हाथ की अंगुलियों के साथ नाक काट दी गई। गला रेतने के अलावा सिर पर किसी भारी पत्थर से प्रहार किया गया। छात्रा के साथ की गई इस क्रूरता को देख पुलिसकर्मियों की भी रूह कांप गई। इस मामले में पुलिस ने छात्रा के पिता की तहरीर पर छात्रा के तहेरे भाई के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एसएसपी अजय सिंह के अनुसार, बुधवार देर रात ढालीपुर हरबर्टपुर में सड़क किनारे झाड़ियों में एक बालिका का शव बरामद हुआ था जिसकी शिनाख्त मनीषा पुत्री आनंद सिंह निवासी बोक्सा बस्ती ढालीपुर के रूप मे की गई। परिजनों ने बताया कि, बुधवार शाम मनीषा अपने ताऊ के लड़के सुरेंद्र पुत्र छोटा के साथ बाइक से अस्पताल गई थी लेकिन लौटी नहीं। आनन्द की तहरीर पर सुरेन्द्र के खिलाफ हत्या की धारा में अभियोग दर्ज किया गया है। एसएसपी के अनुसार, मौके से सुरेन्द्र की बाइक व घटना में प्रयुक्त दरांती बरामद की गई।

पता चला कि सुरेंद्र ने यह दरांती दो दिन पहले खरीदी थी। जिस जगह से छात्रा का शव मिला, वहां पास ही शक्ति नहर है। सुरेंद्र के पकड़े जाने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर यह घटना क्यों की गई।

चांदी चार लाख के पार, सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में गुरुवार को चांदी की कीमतें चार लाख रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गईं, जबकि सोना 1.83 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजारों में तेज उछाल और सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन परिसंपत्तियों के लिए निवेशकों की मजबूत मांग के कारण हुई।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी में लगातार चौथे सत्र में तेजी जारी रही और यह 19,500 रुपये, या 5.06 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 4,04,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। चांदी बुधवार को 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। 99.9% शुद्धता वाला सोना भी 12,000 रुपये, या 7.02 प्रतिशत बढ़कर 1,83,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री धामी ने रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की ली जानकारी

युवाओं को रोजगार के अधिकतम अवसर उपलब्ध कराएं : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने तथा उन्हें स्वरोजगार के लिए अधिकतम अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए हैं। कहा कि पात्र लोगों को योजनाओं का समय पर एवं पूरा लाभ मिले, इस पर सभी विभाग विशेष ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि आवंटित बजट का पूर्ण आउटकम प्राप्त हो।

गुरुवार को सचिवालय में कृषि, पशुपालन, पर्यटन एवं उद्योग क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में विशेष ध्यान दें। जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के माध्यम से लोगों को इन योजनाओं की संपूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। उच्चस्तरीय बैठकों के कार्यवृत्त उन्नति पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें।

विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक में संबोधित करते मुख्यमंत्री धामी।

सीएम ने सेब की अतिसघन बागवानी योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रभावी ढंग से संचालित कर निर्धारित लक्ष्यों को समय से प्राप्त करें तथा किसानों को अधिकाधिक प्रोत्साहन प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि किसानों से संबंधित देयकों का भुगतान समय पर हो। किसानों को उनके उत्पादन का बेहतर मूल्य मिले, इसके लिए राज्य में कीवी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में तेजी से कार्य किया जाए। शहद उत्पादन के क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं को देखते हुए 'हनी मिशन' में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास करें।

29 उत्पादों को मिला जीआई टैग, 780 होम स्टे स्थापित

बैठक में बताया गया कि, प्रदेश के 29 उत्पादों को जीआई टैग मिला है, इनमें 18 कृषि एवं कृषि कल्याण से संबंधित हैं। इस वर्ष 25 अन्य उत्पादों को जीआई टैग के लिए चिन्हित किया जाएगा। सीएम स्वरोजगार योजना 1.0 व 2.0 में चार वर्षों में 32 हजार के लक्ष्य के सापेक्ष 33,620 लाभार्थियों को 202.72 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई गई है। दीनदयाल उपाध्याय होम स्टे योजना में चार वर्षों में 780 होम स्टे स्थापित किए गए हैं। वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना में चार वर्षों में एक हजार से अधिक लोगों को लाभान्वित किया गया है। राज्य में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत मत्स्य पालन क्षेत्र में 17,450 लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हुआ है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार,30 जनवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

31 को समीक्षा अधिकारी की परीक्षा

हरिद्वार : महाधिवक्ता कार्यालय नैनीताल की समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी मुख्य परीक्षा-2024 का आयोजन उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के परीक्षा भवन में 31 जनवरी को दो सत्रों में होगा। नगर मजिस्ट्रेट कुसुम चौहान ने बताया कि शनिवार को प्रथम सत्र पूर्वाह्न नौ बजे से 12 :00 बजे तक तथा द्वितीय सत्र अपराह्न दो बजे से सायं पांच बजे तक आयोजित होगा। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि इस दौरान परीक्षा केंद्र के 200 मीटर क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

ग्रामीण पर्यटन बढ़ाने की उठी मांग

देहरादून : भाजपा से सदस्य नरेश बंसल ने राज्यसभा में गुरुवार को उत्तराखंड में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने की सरकार से मांग की। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन प्रकृति आधारित पर्यटन है जो प्रकृति प्रेमियों के लिए लोकप्रिय गंतव्य स्थान होता है। राज्य के पौराणिक व धार्मिक महत्व का जिक्र करते कहा कि राज्य प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सुंदर क्षेत्र है जो प्राकृतिक सुंदरता के साथ जीवन की हलचल से दूर शांतिपूर्ण विश्राम की तलाश करने वाले पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है।

लैब ऑन व्हील्स से बढ़ेगा युवाओं का कौशल: धामी

सीएम ने किया फ्लैग ऑफ, टेक क्षेत्र में होगा कौशल संवर्धन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

देहरादून में लैब ऑन व्हील्स का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से छात्र कौशल संवर्धन हेतु लैब ऑन व्हील्स (इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड) का फ्लैग ऑफ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, यह लैब ऑन व्हील्स छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) कोडिंग, आईओटी एवं अन्य इमर्जिंग टेक क्षेत्रों में कौशल संवर्धन के लिए हैंडस ऑन सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके साथ ही, विज्ञान विषय के विभिन्न प्रयोगों को वर्चुअल मोड से सीखने में सहायता प्रदान करेगा।

लैब ऑन व्हील्स छात्रों को लर्निंग बाई डूइंग के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड लैब ऑन व्हील्स आगामी पांच वर्ष तक पूरे राज्य संस्थाओं में जाकर छात्रों को जागरूक करते हुए उनको हैंड

- **5 वर्षों तक पूरे राज्य में जाकर छात्रों को करेगा जागरूक**

ऑन प्रशिक्षण प्रदान करेगा और उनको वैश्विक संभावनाओं से जोड़ेगा।

लैब ऑन व्हील्स राज्य में छात्रों के लिए हैंड्स ऑन प्रशिक्षण की अनुपलब्धता को न्यून करेगा। लैब ऑन व्हील्स में उपलब्ध हैंड्स ऑन एवं प्रैक्टिकल्स उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों हेतु उपयोगी है।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, प्रमोद नैनवाल, उच्च शिक्षा उन्नयन समिति के उपाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र भसीन, डॉ. जयपाल सिंह चौहान, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, उच्च शिक्षा, तकनीकि शिक्षा के अधिकारी एवं इंफोसिस प्रतिनिधि मौजूद रहे।

निष्पक्षता के उच्च मानकों पर खरा उतरे यूपीएससी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा अपनाई जा रही नवाचारी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि आयोग को अपने कार्यों में अधिक से अधिक नवीन तकनीक का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि आयोग पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जवाबदेही के उच्चतम मानकों पर सदैव खरा उतरे।

यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. रवि दत्त गोदियाल और आयोग के सदस्यों ने गुरुवार को राज्यपाल से लोकभवन में शिष्टाचार भेंट कर आयोग का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं गतिविधियों की विस्तृत जानकारी राज्यपाल को दी गई। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि आयोग के 25 वर्षों के अनुभवों, चुनौतियों एवं उपलब्धियों को संकलित करते हुए एक पुस्तक का प्रकाशन किया जाना चाहिए, जिससे भविष्य में बेहतर कार्यप्रणाली विकसित करने में सहायता मिल सके। साथ ही, उन्होंने अन्य राज्यों में अपनाई

राज्यपाल गुरमीत सिंह से भेंट करते यूपीएससी के अध्यक्ष डॉ. रवि दत्त गोदियाल एवं सदस्य।

- **लोक सेवा आयोग के सदस्यों ने राज्यपाल गुरमीत सिंह को प्रस्तुत किया वार्षिक प्रतिवेदन**

जा रही श्रेष्ठ प्रक्रियाओं (बेस्ट प्रैक्टिसेज) का अध्ययन कर उन्हें आवश्यकतानुसार लागू करने की भी बात कही। इस अवसर पर लोक सेवा आयोग के सदस्य अनिल कुमार राणा, नंदी राजू श्रीवास्तव, डॉ. रिचा गौर, सचिव अशोक कुमार पांडे, परीक्षा नियंत्रक जयवर्धन शर्मा एवं व्यवस्थाधिकारी सुनील भट्ट मौजूद रहे।

आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि, अभ्यर्थियों की सुविधा को

3,149 अभ्यर्थियों की चयन संस्तुति शासन को भेजी

इस अवसर पर यूपीएससी के अध्यक्ष ने राज्यपाल को अवगत कराया कि वित्तीय वर्ष 2025 में आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के माध्यम से 3,149 अभ्यर्थियों की चयन संस्तुति शासन को प्रेषित की गई है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन की प्रक्रिया पर भी कार्य प्रगति पर है, जिससे मूल्यांकन प्रणाली को अधिक त्रुटिरहित, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जा सके।

ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड लोक सेवा आयोग द्वारा एक मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों को आयोग द्वारा जारी परीक्षाओं से संबंधित समस्त सूचनाएं सीधे प्राप्त हो सकेंगी।

अभ्यर्थियों को उनके प्राप्तांक देखने की सुविधा प्रदान करने हेतु आयोग द्वारा एक नई व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिसके अंतर्गत अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर लॉग-इन कर अपने प्राप्तांक आसानी से देख सकेंगे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह को निमंत्रण देतीं फाउंडेशन की ट्रस्टी संस्थापक गीता धामी।

राज्यपाल को उत्तरायणी कौथिक का निमंत्रण

संवाददाता, देहरादून

- **राज्यपाल गुरमीत सिंह से सेवा संकल्प फाउंडेशन की ट्रस्टी संस्थापक गीता धामी ने की भेंट**

अमृत विचार: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) से गुरुवार को लोक भवन, देहरादून में सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की ट्रस्टी संस्थापक गीता धामी ने शिष्टाचार भेंट की।

इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 5 से 8 फरवरी तक आयोजित होने वाले 'देहरादून उत्तरायणी कौथिक महोत्सव-2026' के लिए आमंत्रित किया। फाउंडेशन की ट्रस्टी संस्थापक गीता धामी ने इस अवसर पर कहा कि, देवभूमि उत्तराखंड की लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने एवं आगे बढ़ाने की दिशा में यह महोत्सव एक सार्थक प्रयास है। उनका प्रेरणादायी व्यक्तित्व,अनुशासन और राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण हम सभी के लिए सदैव मार्गदर्शक रहा है।

लाखों लोगों को मिला सीधा लाभ

देहरादून: प्रदेशभर में 'जन-जन की सरकार जन की द्वार' के तहत विशेष कैम्पों का सफल आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को राज्य में लगे 20 कैम्पों में 18,673 लोगों ने विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त किया। अब तक राज्यभर में 504 कैम्पों का आयोजन कर इनके माध्यम से 4,08,541 से अधिक नागरिकों को सरकार की योजनाओं से जोड़ा गया है। इन कैम्पों के माध्यम से आम जनता को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे लोगों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन को जनता के द्वार तक पहुंचाया जाए और प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का समयबद्ध लाभ मिले। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कैम्पों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। प्रदेश में आयोजित हो रहे ये कैम्प उत्तराखंड सरकार की सुशासन, सेवा और समर्पण की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से प्रदर्शित करते हैं।

बधाई: एविएशन इकोसिस्टम में उत्तराखंड बना सर्वश्रेष्ठ राज्य

संवाददाता, देहरादून

- **हैदराबाद में प्रतिष्ठित एविएशन इवेंट में मिला राष्ट्रीय पुरस्कार**

अमृत विचार: हैदराबाद स्थित बेगमपेट एयरपोर्ट में देश के प्रतिष्ठित एविएशन इवेंट विंग्स इंडिया 2026 में उत्तराखंड राज्य को 'बेस्ट स्टेट ऑफ प्रोमोशन ऑफ एविएशन एंड इकोसिस्टम' के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान से केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री द्वारा नवाजा गया।

अधिकारियों ने बताया कि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ-साथ चारधाम यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने में एविएशन सेक्टर का प्रभावी उपयोग किया है। वहीं, केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के लिए हेली सेवाओं का विस्तार, हेलीपोर्ट और हेलीपैड का विकास, यात्रियों की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन तथा आपातकालीन सेवाओं में हवाई संसाधनों का बेहतर उपयोग उत्तराखंड की विशिष्ट पहचान बना है।

चारधाम यात्रा के दौरान हेली सेवाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग यात्रियों और समय की कमी से जूझ रहे श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसकी देश-भर में सराहना हुई।

साथ ही सीमांत और दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों को हवाई नेटवर्क से जोड़ने, उड़ान योजना, एयर स्ट्रिप्स के उन्नयन और हेली-टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी राष्ट्रीय मंच पर विशेष रूप से सराहा गया। कार्यक्रम के दौरान इस दौरान सचिव सचिन कुर्वे, अपर सचिव आशीष चौहान एवं संजय टोलिया मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उत्तराखंड की जनता, राज्य सरकार की टीम और एविएशन सेक्टर से जुड़े सभी

हितधारकों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है। राज्य सरकार भविष्य में चारधाम यात्रा को और अधिक सुरक्षित, पर्यावरण-अनुकूल एवं तकनीक-समर्थ बनाने के साथ-साथ उत्तराखंड को देश का अग्रणी एविएशन और हेली-टूरिज्म हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने कहा, यह राष्ट्रीय सम्मान उत्तराखंड के लिए पर्यटन, निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

हाईकोर्ट ने लगायी वित्त विभाग के फैसले पर रोक

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने लोक निर्माण विभाग व सिंचाई विभाग के नियमित और वर्कचार्ज कर्मचारियों को पेंशन से बाहर किए जाने वाले वित्त विभाग के 16 जनवरी के आदेश पर रोक लगा दी है।

इस आदेश में वर्ष 2016 के बाद नियमित हुए कार्मिकों की पेंशन पर रोक लगा दी गई थी। साथ ही, जिन कर्मचारियों को पेंशन मिल रही थी उनकी पेंशन भी बन्द कर दी गई थी। हाईकोर्ट ने सरकार से इस मामले में 4 हफ्ते के भीतर जबाव दाखिल करने को कहा है। याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि, वर्ष 1980 से 2025 तक कार्यरत रहे सेवानिवृत्त कर्मियों व उनके मृतक आश्रितों को पेंशन व अन्य देयकों का भुगतान किया जा रहा था, जिसे बंद कर दिया गया। गुरुवार को अवकाशकालीन जज न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की पीठ में सेवानिवृत्त कर्मचारी राम सिंह सैनी व अन्य की याचिका पर सुनवाई हुई।

शिक्षक अभ्यर्थियों को मिली बड़ी राहत

नैनीताल : हाईकोर्ट ने प्राइमरी सहायक शिक्षक अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट में सहायक अध्यापक (प्राइमरी) भर्ती प्रक्रिया के लिए हुई काउंसिलिंग में कई अभ्यर्थियों के कम समय के कारण शामिल न हो पाने और उनके स्थान पर कम मेरिट वाले अभ्यर्थियों का चयन होने के सम्बन्ध में दायर याचिकाओं की सुनवाई हुई। अवकाश कालीन जज न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की पीठ ने स्पष्ट किया है कि चयन का मुख्य आधार 'मेरिट' होना चाहिए और काउंसिलिंग में छूट गए अभ्यर्थियों के लिये सीट रिक्त रखी जाए। इस आदेश के बाद अब उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जो अधिक अंक होने के बावजूद केवल प्रशासनिक अव्यवस्था और समय की कमी के कारण काउंसलिंग में शामिल नहीं हो पाए थे। कोर्ट ने सरकार को सख्त निर्देश दिए कि प्रभावित अभ्यर्थियों के हक की रक्षा की जाए।

8 व्यावसायिक विषयों में दक्ष होंगे छात्र

संवाददाता, देहरादून

- **544 विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा संचालित होगी राज्य के**

अमृत विचार: सूबे में समग्र शिक्षा के तहत 544 और विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा का संचालन किया जाएगा, जिसकी स्वीकृति भारत सरकार ने दे दी है।

इन विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पारम्परिक विषयों के साथ ही व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी, जिससे वह व्यावहारिक व तकनीकी कौशल में दक्ष होंगे। साथ ही, भविष्य में रोजगार व स्वरोजगार के लिये भी सक्षम हो सकेंगे। योजना के तहत वर्तमान शैक्षणिक सत्र से छात्र-छात्राओं को आठ विभिन्न क्षेत्रों में व्यावसायिक शिक्षा दी जाएगी। नवीन स्वीकृत विद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के शीघ्र संचालन को विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

विद्यालयी शिक्षा विभाग के अधिकारियों के मुताबिक प्रदेश में एनईपी-2020 के अनुरूप विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक शिक्षा भी दी जा रही है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा एवं पीएम-श्री योजना के तहत प्रदेश के इन 544 और नए विद्यालयों का चयन व्यावसायिक शिक्षा के संचालन को किया गया है। इन विद्यालयों में एग्रीकल्चर, ऑटोमोटिव, ब्यूटी एंड वेलनेस, इलेक्ट्रोनिक्स एंड हार्डवेयर, आईटी, प्लम्बिंग, रिटेल तथा टूरिज्म व हॉस्पिटैलिटी सहित 8 विषय शामिल हैं। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इन सभी सेक्टर को उत्तराखंड बोर्ड व सीबीएसई के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

कश्मीरी युवकों से मारपीट, एक गिरफ्तार

देहरादून : विकासनगर क्षेत्र में कश्मीर निवासी दो युवकों का सामान खरीदने को लेकर स्थानीय दुकानदार से विवाद हो गया। आरोप है कि, दुकानदार द्वारा युवकों के साथ मारपीट में एक युवक के सिर पर चोट लग गई। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक छुट्टियों में कश्मीर से अपने पिता, जो आसपास के क्षेत्र में फेरी लगाते हैं, के पास आये थे तथा फेरी के काम मे उनकी सहायता कर रहे थे। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि, इस मामले में पीडित व्यक्ति की शिकायत पर घटना में शामिल व्यक्ति संजय यादव व एक अन्य के विरूद्ध कोतवाली विकासनगर में अभियोग दर्ज कर मुख्य आरोपी संजय यादव को हिरासत में लिया गया है। घटना की संवेदनशीलता के दृष्टिगत पुलिस द्वारा घटना के सभी पहलुओं पर गहनता से विवेचना की जा रही है।

श्रीनगर में रोड रेज, सात गिरफ्तार

श्रीनगर : पौड़ी गढवाल जिले में गुरुवार को कोतवाली श्रीनगर क्षेत्र में रोडरेज के मामले में पुलिस ने दिल्ली के छह युवकों समेत सात आरोपी गिरफ्तार किए हैं। पुलिस के अनुसार, इन युवकों का स्थानीय युवकों से वाहन ओवरटेक करने के चलते विवाद हो गया था जिससे मारपीट हो गई थी। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। जांच में सामने आया कि विवाद में बाहरी युवकों ने स्थानीय युवकों के साथ हाथापाई की। पुलिस ने अजय उबास, अभिषेक कौशिक, विशाल वत्स, आकाश डबास सागर और मनीष निवासी दिल्ली व विपिन मंद्रवाल निवासी देहरादून को गिरफ्तार किया है।

प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश मुख्यालय में मौजूद उत्तराखंड कांग्रेस के प्रमुख नेता।

अध्ययन से निष्कर्ष | आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) व भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान(आईआईए) बेंगलुरु ने किया शोध

जलवायु परिवर्तन बढ़ाने में एरोसोल व जल वाष्प जिम्मेदार

संवाददाता, नैनीताल

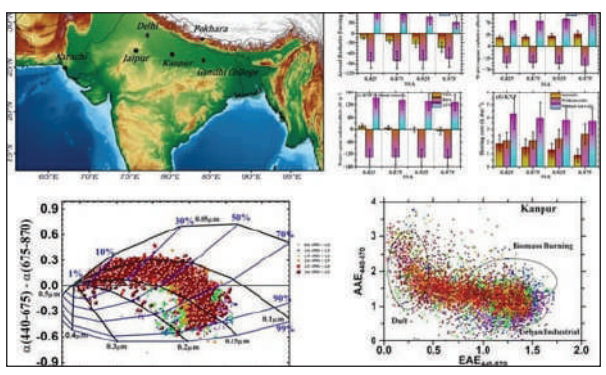

जलवाष्प और एरोसोल क्षेत्र के डाटा का मानचित्र।

अमृत विचार: पानी की भाप वातावरण को गर्म करने में एरोसोल यानी प्रदूषित कणों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली होती है। जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा देने में एरोसोल और जल वाष्प संयुक्त भूमिका निभाते हैं। इन दोनों की परस्पर क्रिया क्षेत्रीय वायुमंडलीय गतिशीलता के साथ भारत में ग्रीष्म मानसून को काफी हद तक प्रभावित कर सकती है।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) एवं भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) बेंगलुरु द्वारा किए गए शोध में ग्रीस कोज़ानी स्थित पश्चिमी मैसेडोनिया विश्वविद्यालय और जापान के टोक्यो स्थित सोका विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक इस शोध में शामिल हुए। यह शोध इंडो-गंगा मैदान (आईजीपी) यानी दिल्ली यूपी, बिहार व पंजाब को केंद्रित कर किया गया।

एरीज के मुख्य शोधकर्ता डॉ. उमेश दुम्का ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती समस्या को लेकर शोध का दायरा भी बढ़ चला है। अब जरूरत पृथ्वी के तमाम हिस्सों के वातावरण को प्रभावित करने वाले कारणों को समझना और जानना है।

इस उद्देश्य को लेकर यह शोध किया गया और इस अध्ययन से भविष्य की जलवायु और बढ़ते तापमान को समझा जा सकता है। वातावरण को दूषित करने वाले कारकों पर अंकुश लगाने के लिए उपाय किए जा सकते हैं।

इंडो-गंगा मैदान क्षेत्र वैश्विक केंद्र

डॉ. दुम्का के अनुसार, इंडो-गंगा मैदान क्षेत्र एरोसोल पैदा करने वाला वैश्विक केंद्र माना जाता है, जहां एरोसोल और जल वाष्प की मात्रा में उच्च स्थानिक-कालिक परिवर्तनशीलता पाई जाती है। यहां जलवायु पर प्रतिक्रिया का सटीक मात्रा में आकलन करना चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित माना जाता है जिस कारण जलवायु पूर्वानुमानों का अंदाजा लगाने के लिए आईजीपी और उसके आसपास के क्षेत्रों के वायुमंडलीय संरचना का अध्ययन और क्षेत्रीय जलवायु परिवर्तन गतिशीलता पर प्रभावों का आकलन किया गया जिसमें एरोसोल के प्रदूषित कणों और जलवाष्प विश्लेषण किया गया और नतीजा चौंकाने वाला सामने आया।

किसी प्रक्रिया को नजरअंदाज नहीं कर सकते

डॉ. दुम्का ने बताया कि वायुमंडल को प्रभावित करने वाली किसी भी प्रक्रिया को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं जिसे लेकर एरोसोल इंपैक्ट ऑन क्लाइमेट चेंज एज ग्रांड चैलेंज टू संसटेनैबिलिटी नाम से शोध किए जा रहे हैं। यह सामूहिक शोध न होकर वैज्ञानिकों द्वारा अलग स्थानों में किए जाएंगे। इस अध्ययन में दो दर्जन से अधिक रिसर्च पेपर सामने आ सकेंगे। पर्यावरण को समझने के लिए यह अनूठी पहल है। वाटर वेपर हीट विषय पर किया शोध महत्वपूर्ण है, जो इसी माह एटमॉस्फेरिक रिसर्च जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

उत्तराखंड कांग्रेस चलाएगी अब राज्यव्यापी जनजागरण अभियान

संवाददाता, देहरादून

- **पार्टी के प्रमुख नेताओं ने की प्रेस वार्ता, 16 फरवरी को करेंगे राजभवन का घेराव**

अमृत विचार: उत्तराखंड कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में गुरुवार को पार्टी के प्रमुख नेताओं ने बैठक की और उसके बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

वार्ता में पार्टी नेताओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि, राज्य वर्तमान में भ्रष्टाचार, महिला अपराध, बेरोज़गारी और प्रशासनिक अराजकता के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, मुख्य विपक्षी दल होने के नाते, इन जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी तीन महीनों तक राज्यव्यापी जन-जागरण अभियान चलाएगी, जिसमें समाज के हर वर्ग को जोड़ा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि सरकार की नाकामी अब हर घर तक पहुंच चुकी है। कांग्रेस सड़कों से लेकर सदन तक जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाएगी और सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने आरोप लगाया कि, भाजपा सरकार ने उत्तराखंड की अस्मिता, संसाधनों और नौजवानों के भविष्य के साथ विश्वासघात किया है। कांग्रेस अब चुप नहीं बैठेगी।

अगले तीन महीनों तक राज्यव्यापी जन-जागरण अभियान चलाकर भाजपा सरकार की एक-एक नाकामी को जनता के सामने उजागर किया जाएगा। कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जो पीड़ितों के साथ खड़ी रहती है और न्याय की लड़ाई अंत तक लड़ती है। चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि, जन-जागरण अभियान की कड़ी में 16 फरवरी को प्रदेशभर के मुद्दों को लेकर राजभवन का घेराव किया जाएगा। चुनाव प्रबंध समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत, सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा एवं मनोज यादव ने भी विचार रखे।

सिटी ब्रीफ

कांग्रेस का प्रदर्शन आज

हल्द्वानी : कांग्रेस का मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के तहत आज ऊंचापुल स्थित ब्लॉक मुख्यालय में सुबह 11:30 बजे जिला कमेटी की ओर से शांतिपूर्ण धरना किया जाएगा है।

महिला एच्छिक ब्यूरो में पहुंचे पांच मामले, केस

हल्द्वानी : पुलिस बहुदेशीय भवन में गुरुवार को महिला ऐच्छिक ब्यूरो के मासिक काउंसलिंग सत्र के दौरान सात प्रकरण पहुंचें। सभी प्रकरणों को सुनने के बाद पांच में केस दर्ज करने के आदेश दिए गए। वहीं, एक में अगली तिथि व एक को कोर्ट के लिए भेजा गया। इस दौरान एसएसपी मंजूनाथ टीसी, काउंसलर डॉ. रश्मि पंत, शिक्षाविद डॉ. प्रभा पंत, अधिवक्ता राम सिंह बसेड़ा और महिला समाधान केंद्र प्रभारी एसआई सुनीता कुंवर थे।

खाता किसी का और लोन किसी को दे दिया

हल्द्वानी : भोटिया पड़ाव क्षेत्र निवासी एक युवक ने पुलिस को बताया कि उसके पिता का एक निजी बैंक में खाता है। जब उसके पिता विगत दिनों किसी काम से बैंक गए तो उन्हें पता चला कि उनके बैंक खाते पर पिथौरागढ़ निवासी किसी व्यक्ति को 15 लाख रुपये का लोन दिया गया है। यह लोन पहले पांच और दूसरी बार में 10 लाख की किश्त में दिया गया है। जिस व्यक्ति ने लोन लिया है वह समय से हर माह लोन की किस्त भी दे रहा है। आशंका जताई जा रही है कि बैंक की तरफ से खाते से लापरवाही के कारण ऐसा हुआ होगा। पीड़ित ने बैंक व पुलिस से इसकी शिकायत की है। एसएचओ विजय मेहता ने बताया प्रकरण संज्ञान में नहीं है, शिकायत मिलने पर जांच की जाएगी।

आज नथुवाखान में लगेगा बहुद्देश्यीय शिविर

हल्द्वानी : जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकासखंड रामगढ़ के न्याय पंचायत नथुवाखान के रीठापोखरा मैदान में आज बहुउद्देशीय शिविर लगाया जाएगा। एक ही स्थान पर सरकारी सेवाएं दी जाएंगी।

गुस्सा : विभिन्न संगठनों ने यूजीसी एक्ट की प्रतियां जलाईं

जिले भर में एक्ट को लेकर हुए अलग-अलग विरोध प्रदर्शन, हल्द्वानी में हुआ पैदल मार्च व धरना, हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने भी दिया समर्थन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : विभिन्न सामाजिक संगठनों ने यूजीसी एक्ट-2026 की प्रतियां जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। बाद में इस एक्ट को वापस लेने की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

गुरुवार को तिकोनिया स्थित बुद्ध पार्क में विभिन्न सामाजिक संगठनों व सवर्ण समाज के लोग इकट्ठा हुए। यहां उन्होंने यूजीसी के प्रमोशन ऑफ ईक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस-2026 के विरोध में विशाल जनसभा की। इस विरोध प्रदर्शन को समर्थन देते हुए हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि यह कानून समाज को जोड़ने के बजाय तोड़ रहा है। सरकार को बिना सभी वर्गों को विश्वास में लिए ऐसे संवेदनशील कानून लागू नहीं करने चाहिए। यदि यह कानून वापस नहीं हुआ तो वह इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाएंगे। सुराज सेवा दल के कुमाऊं मंडल अध्यक्ष विशाल शर्मा ने कहा कि यह एक्ट शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाने के बजाय समाज को जातिगत आधार पर बांटने का काम कर रहा है। यह कानून छात्रों और शिक्षकों के बीच अविश्वास का माहौल पैदा कर रहा है, जिससे देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर होगी। इसके बाद लोगों ने बुद्ध पार्क से एसडीएम कोर्ट तक पैदल मार्च निकाला और हाथों में यूजीसी काला कानून वापस लेने के स्लोगन लिखी तख्तियां हाथ में लेकर प्रदर्शन किया। बाद में यह जुलूस एसडीएम कोर्ट पहुंचा, जहां उन्होंने एक्ट की प्रतियां जलाईं और अंत में एसडीएम राहुल शाह को इस बाबत ज्ञापन सौंपा। इस दौरान हरीश रावत, हिमांशु मेहता, निखिल बिष्ट, देव सिंह, मोहित बिष्ट, पारस जोशी, सूरज बिष्ट, रोहित बिष्ट, मोहित जोशी रहे।

एसडीएम कोर्ट में यूजीसी एक्ट की प्रतियां जलाते लोग।

एसडीएम राहुल शाह को ज्ञापन सुनाते विभिन्न संगठनों के लोग।

यूजीसी एक्ट का चरणबद्ध ढंग से विरोध करना होगा

हल्द्वानी : यूजीसी एक्ट के विरोध में विभिन्न संगठनों ने भी मोर्चा खोल दिया। उन्होंने बैठक कर इस एक्ट का पुरजोर विरोध करने की मांग की। गुरुवार को नवाबी रोड स्थित हुई एक बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व दर्जा मंत्री प्रकाश हर्बोला ने कहा कि सवर्ण समाज अभी तक सोया ही रहा, जब-जब कानून बनते रहे उसका कोई प्रतिकार नहीं किया। अब यूजीसी एक्ट जैसा काला कानून आ गया है, इस पर भी कोई बोलने को तैयार नहीं है। अगर हम संगठित होकर अभी भी इसका विरोध नहीं करेंगे तो भावी पीढ़ी को क्या गुलामी, अनपढ़ या गंवार ही बना पाएंगे। अभी समय है सभी सवर्ण समाज एक होकर इस कानून का विरोध करें, इसका चरणबद्ध ढंग से विरोध करना होगा। जेएस बिष्ट ने कहा कि इस आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाना है, बेशक ही इसके लिए कितनी कुर्बानी क्यों न देनी पड़े। भाजपा के पूर्व जिला प्रवक्ता भुवन भट्ट ने कहा कि यूजीसी कानून मे सभी विद्यार्थियों को समान रूप से शिकायत करने का अधिकार होना चाहिए शिकायत करने वाला शपथ पत्र दे अगर शिकायत झूठी निकले तो उसके लिए दोगुना दंड का प्रावधान हो। राजपूत परिषद की शांति जीना ने कहा ठाकुर पंडित, बनिया, कायस्थ भूमिहार के रूप में नहीं सोचना है, सभी को संगठित होकर सोचना है तभी इस काले कानून का प्रतिकार हो सकता है इस अवसर पर भविष्य के कार्यक्रम के लिए नौ सदस्यीय संचालन कमेटी गठित की गई, अब अगली बैठक 4 फरवरी को होगी। बैठक में पलक अग्रवाल, प्रदीप सबरवाल, इंदर भुटियानी, हर्षवर्धन पांडे, देवीदयाल उपाध्याय, राहुल झिंगरन, त्रिलोक बिष्ट, मनोज अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, नितिन बोरा आदि रहे।

जातिगत नहीं, आर्थिक आधार पर आरक्षण हो चर्चा

हल्द्वानी : उत्तराखंड युवा एकता मंच के संयोजक पीयूष जोशी ने कहा कि यदि केंद्र सरकार ने एक सप्ताह में इस एक्ट को वापस नहीं लिया तो एक महापंचायत के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा। अब समय आ गया है कि देश में जातिगत आरक्षण की जगह आर्थिक आधार पर आरक्षण पर गंभीर चर्चा हो। उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि इस एक्ट को तुरंत वापस लिया जाए। यदि सरकार ने जनभावनाओं की अनदेखी की और एक सप्ताह के भीतर इस कानून को निरस्त नहीं किया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

कालाढूंगी में किया गया हनुमान चालीसा का पाठ

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: यूजीसी कानून को लेकर सवर्ण समाज में सरकार के खिलाफ विरोध तेज़ होता जा रहा है। सनातन जागृति ट्रस्ट के अध्यक्ष विपिन पांडे के नेतृत्व में सवर्ण समाज के दर्जनों युवाओं ने तहसील परिसर पहुंचकर इस कानून को समाज को आपस में बांटने वाला काला कानून बताया। युवाओं ने सरकार की सद्बुद्धि के लिए हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। इसके बाद सवर्ण समाज के युवाओं ने एसडीएम के माध्यम से यूजीसी कानून को वापस लेने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा।

गुरुवार को सनातन जागृति ट्रस्ट के अध्यक्ष विपिन पांडे के नेतृत्व में कालाढूंगी, कोटाबाग एवं चकलुवा क्षेत्र के दर्जनों युवाओं ने तहसील परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने एसडीएम बिपिन चंद्र पंत के माध्यम से प्रधानमंत्री को नौ बिंदुओं का ज्ञापन सौंपा। विपिन पांडे ने कहा कि यूजीसी कानून में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक परिभाषा दी गई है, जिससे सवर्ण छात्रों के अधिकारों का हनन होता है और इसके दुरुपयोग की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि यह कानून किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। इस अवसर पर पूर्व कनिष्ठ प्रमुख हरीश बिष्ट, कुलदीप तड़ियाल, हरीश कनवाल, विनय पाठक, मोहित बुढलाकोटी, महावीर मेहरा, अरविन्द मनराल, भास्कर पडलिया, यतिन पांडे, ललित जोशी, हरीश पडलिया, मिथुन बिष्ट, कमल भट्ट, दीपक रौतेला, हरीश पांडे, नितिन, कुक्की बुधलाकोटी, राहुल बिष्ट, धीरज, नवीन जोशी, विकास क्ववीरा, अमित नैनवाल, कमल बिष्ट, योगेश जोशी, विक्की मंगोलिया व मोहित गर्जोला सहित दर्जनों युवा मौजूद रहे।

कालाढूंगी में यूजीसी कानून के विरोध में एसडीएम विपिन चंद्र पंत को ज्ञापन सौंपते युवा।

नगर निगम के कूड़ा वाहन से ट्रैफिक नियमों के प्रति किया जाएगा जागरूक।

कूड़ा वाहनों के लाउडस्पीकर करेंगे सड़क हादसों से सजग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: नगर निगम की कूड़ा गाड़ी लोगों के घरों से कूड़ा तो ले जाएगी और साथ ही आमजन को यातायात नियमों के लिए प्रति जागरुक भी करेगी। इसके लिए कूड़ा वाहनों पर लगे लाउडस्पीकर का प्रयोग किया जाएगा।

नगर में बढ़ रही यातायात दुर्घटनाओं को कम करने के लिए पुलिस यातायात सुरक्षा पर काम कर रही है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने सभी थाना और यातायात प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। एसपी यातायात डॉ. जगदीश चन्द्र ने बताया कि नगर निगम की कूड़ा गाड़ियों में स्पीकर लगे होते हैं। इन स्पीकरों में से यातायात नियमों को लेकर मुनादी की जाएगी। लोगों को बताया जाएगा कि सड़क पर चलते समय किस तरह से यात्रा करनी चाहिए। एसपी मनोज कत्याल ने शहर के ऑटो, ई-रिक्शा, प्राइवेट बस संचालकों तथा स्थानीय लोगों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। सभी को यातायात नियमों के प्रति जागरुक किया गया। इस दौरान सीओ अमित कुमार टीआई महेश चंद्रा, सीपीयू एसआई विक्रम सिंह, शेर सिंह बिष्ट, राजा आहूजा आदि रहे।

धारी में फिर पिंजरे में फंस गया गुलदार

धानाचूली: धारी क्षेत्र में गुलदार के बढ़ते आतंक के बीच वन विभाग को एक और सफलता हाथ लगी है। खुटियाखाल और गुनियालेख की सीमा से सटे जंगल में लगाए गए पिंजरे में एक वयस्क गुलदार पकड़ा गया है। इसके साथ ही अब तक क्षेत्र में कुल छह गुलदार पकड़े जा चुके हैं।

रेंजर विजय भट्ट ने बताया कि यह गुलदार कुछ दिन पूर्व लगाए गए पिंजरे में फंसा। सूचना मिलते ही वन टीम मौके पर पहुंची और सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए गुलदार को रानीबाग रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया गुलदार वयस्क है। गुलदार के पकड़े जाने की खबर मिलते ही क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि जंगलात ने साफ किया है कि खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। लोगों से अपील की गई है कि वे सतर्क रहें और अनावश्यक रूप से जंगल अथवा सुनसान क्षेत्रों में न जाएं। धारी क्षेत्र में अब तक दो महिलाओं तथा ओखलकांडा क्षेत्र में एक महिला को गुलदार अपना शिकार बना चुका है, जिससे ग्रामीण लंबे समय से भय और दहशत के माहौल में जी रहे हैं। फिलहाल अभी भी गश्त जारी है।

मल्ली बमौरी में पांच कुत्तों का वैक्सीनेशन, एक पकड़ा

फॉलोअप

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मल्ली बमौरी में कुत्ते आतंक का पर्याय बन चुके हैं। वैक्सीन लगाने के साथ ही कई लोगों को अस्पताल में भर्ती भी होना पड़ा। नगर निगम की टीम अब हरकत में आई है और कुत्तों में वैक्सीनेशन किया गया है और साथ ही एक कुत्ते को पकड़ा भी गया।

मल्ली बमौरी में करीब दो दर्जन लोगों को कुत्तों ने अपना शिकार बनाया। एक घायल को उपचार के लिए आईसीयू तक में भर्ती होना पड़ा है।

स्थानीय पार्षद मुकुल बल्यूटिया का कहना था कि नगर निगम को सूचित किए जाने के बाद भी टीम ने ठीक तरह से काम नहीं किया। अब मामला प्रकाश में आने के बाद गुरुवार को नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। लक्ष्मी विहार, बल्यूटिया फार्म, दोनहरिया, दमुवाढूंगा आदि स्थानों में टीम ने दौरा किया और एक कुत्ते को पकड़ने में भी सफलता पायी है।

मल्ली बमौरी में कुत्तों को पकड़ती टीम।

- **मल्ली बमौरी में पांच कुत्तों का वैक्सीनेशन, एक को पकड़ा**
- **बमौरी के बाद नगर निगम की टीम मुखानी भी पहुंची**

यही नहीं पांच कुत्तों को रेबीज वैक्सीन भी लगाई गई है। इसके बाद टीम मुखानी क्षेत्र में चली गई। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने कहा कि कुत्तों को लेकर लोगों में सतर्कता और फैलायी जा रही है। कहा जा रहा है कि अपने पालतू कुत्तों का वैक्सीनेशन जरूर कराएं और साथ ही कुत्तों के वैक्सीनेशन का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अमेरिकन डॉ. ब्रूस स्मिथ ने बताई क्लबफुट विकृति की बारीकियां

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: फ्लोरिडा के क्लबफुट विशेषज्ञ डॉ. ब्रूस स्मिथ ने एसटीएच के अस्थि रोग विभाग के क्लबफुट क्लीनिक का दौरा किया।

क्लीनिक के इंचार्ज प्रो. डॉ. गणेश सिंह धर्मशक्तू और डॉ. पंकज सिंह ने डॉ. ब्रूस स्मिथ को क्लबफुट उपचार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। डॉ. स्मिथ ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में क्लबफुट का उपचार अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। उन्होंने क्लबफुट के मूल सिद्धांतों, कारणों, पहचान एवं उपचार पद्धतियों के बारे में बताया। उपचाराधीन बच्चों में प्लास्टर की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया और एक बच्चे को स्वयं प्लास्टर लगाया। डॉ. धर्मशक्तू ने बताया कि क्लबफुट पैरों की एक जन्मजात विकृति है, जिसमें बच्चे के पैर अंदर की ओर मुड़े होते हैं। समय पर उपचार न होने पर यह विकृति विकलांगता बन सकती है, जबकि सही उपचार से इसे पूर्णतः ठीक किया जा सकता है। इस दौरान प्राचार्य डॉ. जीएस तितियाल, एमएस डॉ. अरुण जोशी, डॉ. गौरव जिंदल, डॉ. हर्ष चौहान, डॉ. परमिंदर, डॉ. विभोर, डॉ. पवन रहे।

एसटीएच में क्लब फुट के उपचार का प्रशिक्षण देते डॉ. ब्रूस स्मिथ।

हड्डी रोग विशेषज्ञ के समय पर नहीं पहुंचने से मरीज परेशान

नैनीताल : बीडी पांडे अस्पताल में तैनात हड्डी रोग विशेषज्ञ की छुट्टी के चलते अल्मोड़ा से विशेषज्ञ की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। बुधवार को वैकल्पिक व्यवस्था पर आने वाले विशेषज्ञ नहीं पहुंचे। वहीं गुरुवार को भी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अस्पताल पहुंचने वाले विशेषज्ञ 12 बजे तक अस्पताल नहीं पहुंचे। जिसके चलते कई मरीजों को बिना उपचार ही लौटना पड़ा। पीएमएस डॉ. टीके टम्टा ने बताया कि किसी कारण से विशेषज्ञ बुधवार को अस्पताल नहीं पहुंच सके थे। लेकिन गुरुवार को उन्होंने मरीजों का उपचार किया।

उम्मीद लोनिवि एनएच डिवीजन ने दी जानकारी, पुलिस-प्रशासन को पुल पर ट्रैफिक प्रबंधन के लिए लिखा पत्र

कलसिया नाले पर जून तक बन जाएगा डबल लेन ब्रिज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राष्ट्रीय राजमार्ग-109 स्थित कलसिया नाले पर डबल लेन का ब्रिज जून तक पूरा हो जाएगा। तब तक सिंगल लेन पर ही ट्रैफिक संचालन होगा हालांकि इस अवधि में भारी मालवाहक वाहनों को कालाढूंगी-नैनीताल मार्ग या रूसी बाईपास से भेजा जाएगा।

कुमाऊं की मेन लाइफ लाइन काठगोदाम रोड स्थित कलसिया पुल पर डबल लेन के पक्के पुल की कवायद तेज हो गई है। लोनिवि एनएच डिवीजन अधिकारियों के अनुसार, 5.07 करोड़ से काठगोदाम स्थित कलसिया नाले पर 100 टन की क्षमता का डबल लेन का पक्का पुल बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 12 मीटर और चौड़ाई 24 मीटर होगा। इस पक्के पुल के लिए निविदाएं आमंत्रित कर दी गई हैं। निविदा प्रक्रिया पूरी होते ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। इस पुल को बनने में छह माह का समय लगेगा। संभावना है कि जून माह के अंत तक काम पूरा हो जाएगा। इस दौरान ट्रैफिक संचालन खासकर एक अप्रैल से शुरू होने वाले पर्यटन सीजन में कोई व्यवधान नहीं हो इसलिए सिंगल लेन पर ट्रैफिक संचालन होगा। हालांकि भारी मालवाहक वाहनों का इस रूट पर प्रतिबंध रहेगा। इन वाहनों को कालाढूंगी-नैनीताल रोड एवं रूसी बाईपास से भेजा जाएगा। इस ट्रैफिक प्रबंधन के लिए लोनिवि अधिकारियों ने पुलिस-प्रशासन को पत्र लिखकर जरूरी व्यवस्थाएं करने की मांग की है।

डबल लेन फैब्रिकेटेड मॉड्यूलर वैली ब्रिज पर हो सकेगी वाहनों की आवाजाही

हल्द्वानी : प्रभारी ईई अशोक कुमार ने बताया कि अभी कलसिया पुल पर फिक्स वैली ब्रिज को शिफ्ट किया जाएगा। इसके स्थान पर नया डबल लेन फैब्रिकेटेड मॉड्यूलर वैली ब्रिज लगाया जाएगा। इसकी चौड़ाई 7.5 मीटर होगी। इस ब्रिज में वाहनों की आवाजाही हो सकेगी। अभी वर्तमान में जो ब्रिज है, उस पर सिर्फ वन वे ही है। अधिकारियों की अनुसार, पुराने वैली ब्रिज की शिफ्टिंग में 50 लाख रुपये का खर्च आ रहा है। वहीं, इसकी जद में पांच मकान और दो पक्के घर आ रहे हैं, इन भवनों के स्वामियों से नोटिस जारी कर दस्तावेज मांगे गए हैं। मालिकाना हक की पुष्टि होने के बाद भवन स्वामियों को मुआवजा दिया जाएगा और यदि अतिक्रमण निकलता है तो नियमानुसार कार्रवाई होगी।

रोजाना गुजरते हैं 50 हजार से अधिक वाहन : कुमाऊं के पर्वतीय जिलों को जाने का प्रमुख मार्ग है। नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, भीमताल, कैंचीधाम जाने वाले हजारों वाहन रोजाना यहां से गुजरते हैं। रोजाना 50 हजार वाहन निकलते हैं।

कलसिया पुल टू लेन पक्के पुल के निर्माण के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई है। इस पुल के निर्माण में 6 माह तक का समय लग सकता है इस दौरान यातायात बाधित नहीं हो इसलिए सिंगल लेन पर ट्रैफिक संचालित होगा। वहीं मालवाहक वाहनों के लिए कालाढूंगी-नैनीताल रूट को प्रस्तावित किया गया है। -**आशुतोष**, ईई लोनिवि एनएच डिवीजन

सीवर लाइन बिछाने पर वार्ड-35 में हंगामा

हल्द्वानी : जवाहर ज्योति वार्ड-35 के सामाजिक कार्यकर्ता महेशानंद ने पुलिस को बताया कि एडीबी की ओर से क्षेत्र में सीवर व पेयजल लाइन बिछाई जा रही है। इसके लिए लोगों ने अनापत्ति भी ली थी। आरोप है कि बुधवार को जब काम जारी था तो वहां एक युवक काम रोके जाने को लेकर हंगामा करने लगा। लोगों ने उसे बहुत समझाया लेकिन वह नहीं माना और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने लगा। युवक के परिवार वालों की जमीन से होकर सीवर लाइन डाली जा रही है और अनापत्ति प्रमाण पत्र लिए गए थे। पुलिस को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद युवक को पुलिस को थाने ले गई। एसओ काठगोदाम विमल मिश्रा ने बताया कि महेशानंद की ओर तहरीर मिली है। दोनों पक्षों में माफीनामे को लेकर भी बातें चल रही हैं।

आज से 12 फरवरी तक छह घंटे बिजली गुल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अगर आप गौलापार या रानीबाग क्षेत्र के निवासी हैं, तो आने वाली 12 फरवरी तक आपको बिजली की कटौती का सामना करना पड़ेगा। ऊर्जा निगम केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत बिजली लाइनों को आधुनिक बनाने का काम शुरू करने जा रहा है, जिसके चलते शहर के विभिन्न हिस्सों में बिजली कटौती की जाएगी।

ऊर्जा निगम के अनुसार मरम्मत और नई केबल बिछाने का काम रोजाना सुबह 9:30 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस दौरान बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार का कहना है कि इन दिनों उपभोक्ता अपने जरूरी काम सुबह 9:30 बजे से पहले ही निपटा लें।

बिजली कटौती का सबसे ज्यादा प्रभाव नलकूप फीडर, दानीबाग फीडर, कालाढूंगी रोड फीडर और गायत्री नगर फीडर से जुड़े क्षेत्रों में देखने को मिलेगा। 30 और 31 जनवरी को गौलापार क्षेत्र में आपूर्ति ठप रहेगी। वहीं 1, 3, 7 और 9 फरवरी तक रानीबाग उपसंस्थान से जुड़े क्षेत्रों में काम चलेगा।

वहीं, 2, 5, 6, 8, 11 और 12 फरवरी को गौलापार क्षेत्र में बिजली बंद रहेगी। ऊर्जा निगम के अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में बिना किसी ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या के बिजली देने के लिए 11 केवी लाइनों और सब-स्टेशनों को अपग्रेड किया जा रहा है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

बाइकों की भिड़ंत में छात्र गंभीर घायल

नैनीताल : भवाली ग्राफिक ऐरा में अध्ययनरत छात्र की मेहरागांव क्षेत्र में अनियंत्रित होकर बाइक रपट गई। जानकारी के मुताबिक भवाली निवासी भरत जलाल गुरुवार सुबह बाइक से कॉलेज जा रहा था। वह मेहरागांव क्षेत्र में पहुंचा ही था कि सामने से तेज रफ्तार बाइक से उसकी टक्कर हो गई। जिससे वह बाइक समेत छिटक कर दूर जा गिरा और चोटिल हो गया। हादसे के बाद सूचना पर पहुंचे उसके दोस्तों व स्वजनों ने उसे बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया। जहां एक्सरे जांच में पैर में फ्रैक्चर होने के कारण उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

पांच किलो गांजे के साथ एक दबोचा

रामनगर : पुलिस ने एक व्यक्ति को पांच किलो से अधिक गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दीपक प्रकाश उर्फ अधौरी पुत्र आनन्द प्रकाश, निवासी जोगीपुरा, को गौरे सरदार की बगल वाली गली के पास बगीचे से कुल 5 .320 किग्रा अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई सोमेन्द्र सिंह, एसआई तालिब हुसैन, कांस्टेबल महबूब आलम, कांस्टेबल भूपेन्द्र सिंह और कांस्टेबल संजय कुमार शामिल रहे।

देवीधूरा में रात में गुर्राता रहा तेंदुआ, खौफ में लोग

नैनीताल : नैनीताल के आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों तेंदुए की आवाज सुनाई दे रही है। दो दिनों से रात देवीधूरा गांव में तेंदुए के गुर्राने से लोगो में भय है। लोग पटाखे जलाकर तेंदुए को आबादी क्षेत्र से भगा रहे हैं। देवीधूरा गांव में तेंदुए की दस्तक से लोगों की रातों की नीद उड़ी हुई है। बीते दो दिनों से लगातार तेंदुआ गांव के बीच घरों के आसपास गुर्रा रहा है। बीते दिनों क्षेत्र के संजय कुमार के कुत्ते को तेंदुआ घर के समीप से ले गया। वहीं बुधवार की रात व गुरुवार की सुबह पांच बजे भुवन, रोहित, कमला देवी, सुशीला देवी व अन्य लोगों ने भी तेंदुए की गुर्राने की आवाज सुनी। सुबह देर तक लोगों ने घरों के दरवाजे नहीं खोले। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त की मांग की है। वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में गश्त की जा रही है।

ब्रिटिशकालीन इतिहास और प्रकृति प्रेम की जीवंत स्मृति है यह सीट, जहां बैठकर डोरोथी कैलेट करती थीं प्रकृति की चित्रकारी

28 करोड़ से फिर संवरेंगी डोरोथी सीट और टिफिन टॉप की पहाड़ी

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी नैनीताल के इतिहास में दर्ज एक महत्वपूर्ण स्मृति डोरोथी सीट अब फिर से अपने पुराने स्वरूप में लौटने की तैयारी में है। टिफिन टॉप पर स्थित यह ऐतिहासिक स्थल वर्ष 2024 में हुए भीषण भूस्खलन में पूरी तरह ध्वस्त हो गया था। अब सिंचाई विभाग ने इसकी पुनर्स्थापना और पहाड़ी की स्थिरता के लिए करीब 28 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर मुख्य अभियंता कार्यालय को भेज दिया है।

डोरोथी सीट केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि नैनीताल के ब्रिटिशकालीन इतिहास और प्रकृति प्रेम की जीवंत स्मृति है। यह वही स्थान है, जहां बैठकर अंग्रेज महिला डोरोथी कैलेट प्रकृति की चित्रकारी किया करती थीं। डोरोथी, कर्नल जेपी कैलेट की पत्नी थीं। एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु के बाद कर्नल कैलेट ने उनकी स्मृति में इस सीट का निर्माण कराया था। समय के साथ यह स्थल नैनीताल का प्रमुख पर्यटन आकर्षण बन गया, जहां से शहर, आसपास की पहाड़ियां और हिमालय की श्रृंखलाओं का मनोरम दृश्य दिखाई देता है।

केबल एंकरिंग से होगा पुनर्निर्माण

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता डीके सिंह के अनुसार भूस्खलन के बाद पहाड़ी में गहरी दरारें आ गई हैं। इन दरारों की वास्तविक स्थिति और गहराई जानने के लिए जियोफिजिकल सर्वे कराया जाएगा। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर पहाड़ी की रोकथाम के कार्य होंगे। योजना के तहत भूस्खलन प्रभावित हिस्से में आरसीसी रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। साथ ही पहाड़ी में केबल एंकरिंग तकनीक अपनाकर ऊपर स्लैब डालते हुए डोरोथी सीट का पुनर्निर्माण किया जाएगा, ताकि भविष्य में इस तरह की क्षति से बचा जा सके।

शासन से स्वीकृति के बाद शुरू होगा काम

28 करोड़ रुपये का यह प्रस्ताव मुख्य अभियंता कार्यालय के माध्यम से शासन को भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यदि योजना साकार होती है, तो न केवल डोरोथी सीट फिर से पर्यटकों के लिए खुलेगी, बल्कि टिफिन टॉप की पहाड़ी को भी स्थायी सुरक्षा मिलेगी। डोरोथी सीट का पुनर्जीवन नैनीताल के इतिहास, पर्यटन और भावनात्मक विरासत को एक बार फिर जीवित करेगा। जहां बैठकर कभी डोरोथी ने प्रकृति को कैनवास पर उतारा था, वहां अब आने वाली पीढ़ियां उसी सौंदर्य का अनुभव कर सकेंगी।

2020 से शुरू हुई थी पहाड़ी की परेशानी

टिफिन टॉप की यह पहाड़ी वर्ष 2020 से ही भूस्खलन की जद में आने लगी थी। पहाड़ी में दरारें उभरने लगीं, जिन्हें लेकर स्थानीय लोगों और पर्यावरणविदों ने कई बार चिंता जताई। अगस्त 2024 में भारी भूस्खलन हुआ, जिससे डोरोथी सीट पूरी तरह ढह गई। इसके बाद सुरक्षा कारणों से वन विभाग ने लंबे समय तक टिफिन टॉप क्षेत्र में पर्यटकों की आवाजाही और घुड़सवारी पर रोक लगा दी थी। कुछ महीनों बाद घुड़सवारी तो बहाल हो गई, लेकिन डोरोथी सीट क्षेत्र अब भी बंद है।

सीडीओ ने ली ग्रामोत्थान परियोजना की बैठक

भीमताल: विकास भवन सभागार में सीडीओ अरविंद पाण्डे की अध्यक्षता में ग्रामोत्थान परियोजना की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में महिला स्वयं सहायता समूहों के एक्सपोजर विजिट, योगा प्रशिक्षण, ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण और नेटल ग्रास फैब्रिक उत्पादन जैसे कार्यक्रमों पर जोर दिया गया। इसके अलावा, झील और अमृत सरोवरों का सौंदर्यीकरण समूहों के माध्यम से कराने, वाहन पार्किंग की समस्या हल करने तथा फुटबॉल और क्रिकेट के खेल सुविधाओं का संचालन भी समूहों को सौंपने के निर्देश दिए। सीडीओ ने खंड विकास अधिकारियों को मॉडल विलेज सुनकिया में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीडीओ गोपाल गिरी, सहायक परियोजना निदेशक चन्दा फर्त्याल रहीं।

उत्तराखंड में वियतनाम की तर्ज पर बढ़ाएंगे लकड़ी कारोबार: वन मंत्री

कहा, हर्बल मिशन योजना के तहत वन पंचायतों को मिले स्वरोजगार के अवसर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: वन मंत्री सुबोध उनियाल ने गुरुवार को रामनगर में उत्तराखंड वन विकास निगम के व्यापार कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वियतनाम की तर्ज पर राज्य में लकड़ी उद्योग को तेजी से बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब वियतनाम जैसा देश लकड़ी के उद्योग में मिलियनों डॉलर कमा रहा है। उत्तराखंड में 71 प्रतिशत वन हैं जिनके माध्यम से अच्छा राजस्व मिल सकता है। उन्होंने कहा कि वन निगम इस समय तेजी से आगे बढ़ रहा है। बताया कि 628 करोड़ की हर्बल मिशन योजना के तहत वन पंचायतों को भी काम दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि निगम और लकड़ी व्यापारियों के बीच उचित सामंजस्य होना जरूरी है। कार्यक्रम में लगभग बीस राज्यों से व्यापारी और उद्योगपतियों ने लकड़ी खरीदने में आ रही दिक्कतों के बारे में बताया।

प्लाइवुड स्वामी संदीप गुप्ता ने कहा कि सॉफ्ट वुड के मामले में निगम को जल्द निस्तारण करने, लकड़ी की गुणवत्ता बढ़ाने, डिपो को सही करने आदि सुझाव दिए। इस दौरान स्थानीय विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार निगम के माध्यम से लोगों को स्वरोजगार के अवसर दे रही है। इस दौरान सीसीएफ धीरज पांडे, अरविंद पाटिल, डीएफओ प्रकाश आर्या, मनीष जोशी, डिप्टी डायरेक्टर राहुल मिश्रा, प्रबन्ध निदेशक वन निगम नीना ग्रेवाल, डॉ. धीरज पांडे, तेजस्विनी पाटिल, मयंक शेखर झा, महेश आर्य, हरीश पाल, शेर सिंह, मुदित आर्य डीएसएम, ललित आर्य डीलएम खनन, अशोक कुमार, राकेश कुमार, ऊषा पुरी, रोहित श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते वन मंत्री सुबोध उनियाल और विधायक दीवान सिंह बिष्ट।

अंकिता मामले में सरकार पहले से ही संवेदनशील

अंकिता भंडारी के मामले में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए वन मंत्री ने कहा कि अंकिता भंडारी के केस में सरकार पहले दिन से ही संवेदनशील रही है। सरकार शुरू से ही त्वरित कार्रवाई कर रही है। अपराधियों को सजा दिलाई जा चुकी है। जनता की मांग के मद्देनजर अब सीबीआई जांच कराने की भी संस्तुति की गई है। उन्होंने कहा कि केवल नारे लगाकर विरोध करना लोकतंत्र के लिए घातक है।

डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल को डी. लिट् की मानद उपाधि

सम्मानित डॉ. मूल चंद्र शुक्ल।

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर के संस्कृत विभाग प्रभारी डॉ. मूलचन्द्र शुक्ल को डी. लिट् (विद्या वाचस्पति) की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 25 जनवरी 2026 को वाराणसी में आयोजित समारोह में उन्हें प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ. हरेन्द्र हर्ष, अध्यक्षता डॉ. ओमप्रकाश द्विवेदी, तथा विशिष्ट अतिथियों में डॉ. चन्द्रभाल सुकुमार, कर्नल डॉ. आदि शंकर मिश्र, डॉ. राम अवतार पांडेय सहित अनेक शिक्षाविद और अधिकारी उपस्थित थे। डॉ. शुक्ल को यह मानद उपाधि संस्कृत में उत्कृष्ट सेवा एवं योगदान के लिए दी गई है। इससे पहले वे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दो पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं। उनकी उपलब्धि पर प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे समेत सभी प्राध्यापकों ने शुभकामनाएं दी हैं।

चशेड़ी रेस्टोरेंट सीज करने के आदेश पर लगाई रोक

- रेस्टोरेंट संचालक उमा देवी को कोर्ट से मिली बड़ी राहत
- जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रशांत जोशी की कोर्ट ने लगाई रोक

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जिला एवं सत्र न्यायाधीश नैनीताल प्रशांत जोशी की अदालत ने मंगोली स्थित चर्चित चशेड़ी रेस्टोरेंट को सील करने के परगनाधिकारी नैनीताल के 20 जनवरी के आदेश पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने प्रशासन को नोटिस जारी कर जबाव दाखिल करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 23 फरवरी को होगी।

बताते चलें कि मंगोली में सरकारी भूमि पर बना चशेड़ी रेस्टोरेंट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसका संचालन वर्तमान में उमा देवी कर रही थीं। जो कई कारणों से विवाद में था जिसे बन्द करने की मांग को लेकर मंगोली सहित आसपास के ग्रामीणों ने दिसम्बर माह में मंगोली में प्रदर्शन भी किया था।

जिसके बाद रेस्टोरेंट संचालक उमा देवी की तहरीर पर ग्रामीणों पर मुकदमा दर्ज होने के बाद यह विरोध प्रदर्शन और उग्र हुआ था। मामले की जांच की मांग के बाद तहसीलदार नैनीताल अक्षय भट्ट ने जांच की तो रेस्टोरेंट सरकारी भूमि पर होने की पुष्टि हुई। मामला एसडीएम कोर्ट में चलने के बाद परगनाधिकारी की कोर्ट ने संपत्ति को सील करने के आदेश जारी किये थे। जिसे उमा देवी ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में चुनौती दी थी। उनके अधिवक्ता द्वारा तर्क किया गया कि परगना अधिकारी का यह आदेश विधि सम्मत नहीं है और उक्त आदेश को पारित किये जाने से पूर्व विधि सम्मत प्रकिया का अनुपालन भी नहीं किया गया। उन्होंने उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश मुन्ना सिंह उर्फ शिव सिंह व अन्य बनाम राज्य उत्तर प्रदेश, जो 11 अक्टूबर 2011 को भी कोर्ट के समक्ष पेश किया है। जिसके बाद जिला जज की अदालत ने परगनाधिकारी के आदेश पर रोक लगा दी।

विधायक ने किया 4.96 करोड़ से बने ओवरहेड टैंक का लोकार्पण

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कालाढूंगी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामसभा बैडापोखरा के हरिपुर फुटकुआं एवं आसपास के गांवों को अब पेयजल संकट से राहत मिलेगी। जल जीवन मिशन के तहत 4.9643 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ओवरहेड टैंक एवं नलकूप आधारित पेयजल योजना का गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक बंशीधर भगत ने विधिवत लोकार्पण किया।

इस मौके पर विधायक भगत ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी पेयजल परियोजना वर्षों से जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रवासियों के लिए वरदान साबित होगी। योजना के पूर्ण होने से हरिपुर लालमणि, हरिपुर रतन सिंह, हरिपुर फुटकुआं सहित आसपास के क्षेत्रों के 500 से अधिक परिवारों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं नियमित पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ललित नेगी एवं ग्रामीणों ने विधायक भगत तथा प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर जल संस्थान के एई प्रमोद पांडे, जेई अशोक नौटियाल, ग्राम प्रधान भावना नेगी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सोनी दुर्गापाल, ललित नेगी, नवीन उपाध्याय, नवीन दुर्गापाल, भुप्पी मोनी, तेजेंद्र बोरा, गिरीश धपोला, चंद्रप्रकाश, राधा बोरा, प्रतिमा नगरकोटी, दीपिका त्रिपाठी, उमा नेगी, दलीप मेहरा, देवेंद्र धपोला, भगवत जोशी, गिरीश चंद्र आदि ग्रामीण रहे।

ओवरहेड टैंक व नलकूप का लोकार्पण करते विधायक बंशीधर भगत।

बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों के काटे गए चालान

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: जरा सी लापरवाही अगर जिंदगी पर भारी पड़ जाए, तो उसका असर पूरे परिवार को झेलना पड़ता है। इसलिए हेलमेट कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन का सुरक्षा कवच है। यह बात एआरटीओ सुरेंद्र सिंह कपकोटी ने सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत आम लोगों से कही।

उन्होंने कहा कि लापरवाही किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार की जिंदगी बदल सकती है। इसी गंभीर सच्चाई को लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत रामनगर में पहल की गई। गुरुवार को श्री बालाजी मोटर्स शोरूम पर परिवहन विभाग द्वारा विशेष हेलमेट जागरुकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान बिना हेलमेट वाहन चला रहे कई दोपहिया चालकों के चालान किए गए। साथ ही सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए कुछ चालकों को निशुल्क हेलमेट भी वितरित किए गए। कई वाहन चालकों ने नियमित रूप से हेलमेट पहनने का संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें सिर में गंभीर चोट लगने के कारण होती हैं। समझना जरूरी है कि हेलमेट केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करने वाला कवच है।

दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनाते परिवहन अधिकारी।

नौकुचियाताल में पर्यटकों की सुविधा के लिए जेटी का निर्माण

- झील की सुंदरता बढ़ी, पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: नौकुचियाताल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहले से ही प्रसिद्ध है, लेकिन अब इसकी झील की खूबसूरती और सुविधाएं और अधिक बढ़ गई हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने और नावों को सुरक्षित रूप से संचालित करने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग द्वारा जिला योजना के अंतर्गत झील में जेटी का निर्माण किया गया है।

जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य अनिल चनौतिया ने गुरुवार को इस जेटी का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस अवसर पर अनिल चनौतिया ने कहा कि जेटी के निर्माण से जहां स्थानीय नाव चालकों को बेहतर सुविधा मिलेगी, वहीं इसका आकर्षक स्वरूप पर्यटकों को भी खासा आकर्षित करेगा। उन्होंने बताया कि जेटी के माध्यम से पर्यटक अब झील के बीच खड़े होकर सुरक्षित रूप से फोटोग्राफी कर सकेंगे, जिससे नौकुचियाताल का पर्यटन और अधिक विकसित होगा। इसके साथ ही जेटी के निर्माण से झील में नावों के संचालन में भी व्यवस्थित सुधार आएगा। अनिल चनौतिया ने बताया कि जेटी बनने से झील में विभिन्न माध्यमों से पहुंचने वाली गंदगी में कमी आएगी तथा जो गंदगी होगी, उसे आसानी से साफ किया जा सकेगा। इससे झील की स्वच्छता बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। यहां बोट एसोसिएशन के अध्यक्ष, पदाधिकारी, नाव चालक, नाव स्वामी मौजूद रहे।

नौकुचियाताल झील में निर्मित की गई जेटी।

सखी अब स्थायी निवासियों को ही मिलेगा योजना का लाभ, बाहरी राज्यों के संचालक अब बी एंड बी श्रेणी में

उत्तराखंड में होम स्टे नियमावली–2026 हुई लागू

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड में पर्यटन व्यवसाय को स्थानीय हितों के अनुरूप संतुलित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। कैबिनेट के निर्णय के बाद उत्तराखंड पर्यटन, यात्रा व्यवसाय, होम स्टे एवं बेड एंड ब्रेकफास्ट पंजीकरण नियमावली-2026 को लागू कर दिया गया है। नई नियमावली के तहत अब होम स्टे योजना का लाभ केवल राज्य के मूल एवं स्थायी निवासियों को ही मिलेगा।

जिला पर्यटन अधिकारी अतुल भंडारी ने बताया कि अन्य राज्यों के वे लोग, जिन्होंने ग्रामीण या अन्य क्षेत्रों में 250 वर्ग मीटर भूमि खरीदकर होम स्टे संचालित किए थे, अब इस योजना के अंतर्गत नहीं आएंगे। ऐसे सभी संचालकों को अनिवार्य रूप से बेड एंड ब्रेकफास्ट (बी एंड बी) श्रेणी में पंजीकरण कराना होगा।

स्थानीय संस्कृति और आजीविका को मिलेगा बढ़ावा : जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि पूर्व प्रावधानों के अनुसार होम स्टे संचालक का उसी परिसर में निवास करना, पर्यटकों को स्थानीय व्यंजन परोसना तथा उन्हें स्थानीय संस्कृति से परिचित कराना अनिवार्य था।

इसके साथ ही होम स्टे संचालकों को जीएसटी, बिजली और पानी की दरों में विशेष छूट भी दी जाती थी। लेकिन बाहरी राज्यों के लोगों द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि खरीदकर होम स्टे संचालित करने से स्थानीय निवासियों को योजना का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा था। नई नियमावली का उद्देश्य इसी असंतुलन को दूर करना है, ताकि पर्यटन से होने वाली आय का सीधा लाभ राज्य के स्थायी निवासियों तक पहुंचे और स्थानीय संस्कृति व आजीविका को मजबूती मिल सके।

एक छतरी के नीचे लाई गईं सभी नियमावलियां

पर्यटन विभाग के अनुसार, राज्य में पर्यटन व्यवसाय के पंजीकरण एवं विनियमन के लिए वर्ष 2014 में नियमावली लागू की गई थी, जिसमें 2016 में संशोधन हुआ। वहीं, होम स्टे के लिए वर्ष 2015 में अलग से गृह आवास पंजीकरण नियमावली लाई गई थी। समय-समय पर हुए संशोधनों से अलग-अलग नियमों के कारण भ्रम और असमानता की स्थिति बन रही थी। इसे समाप्त करने के लिए अब सभी प्रावधानों को एकीकृत करते हुए नई नियमावली लागू की गई है।

बाहरी संचालकों पर लागू होंगी व्यावसायिक दरें

नई व्यवस्था के तहत बेड एंड ब्रेकफास्ट श्रेणी में आने वाले बाहरी राज्यों के संचालकों को जीएसटी का भुगतान करना अनिवार्य होगा। साथ ही बिजली और पानी की सुविधाएं भी उन्हें व्यावसायिक दरों पर ही उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से स्थानीय निवासियों को आर्थिक लाभ मिलेगा और पर्यटन क्षेत्र में असमान प्रतिस्पर्धा पर रोक लगेगी।

5 खिलाड़ियों का खो-खो की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन

कालाढूंगी: भगवती शाह क्लब चकलुवा के 5 खिलाड़ियों का चयन खो-खो राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। क्लब के अध्यक्ष तारा चंद ने बताया कि खिलाड़ियों का चयन सब जूनियर राष्ट्रीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जिसमें बालिका वर्ग में तनीषा परगांई, लतिका बसेड़ा कैमरेडरी स्कूल व बालक वर्ग में चेतन बुदलाकोटी राजकीय इंटर कॉलेज कालाढूंगी, मयंक कुमार राउमावि देवीपुरा, कौशल साह निमोनिक स्कूल का चयन हुआ है। उत्तरांचल क्षेत्र खो-खो संघ के महासचिव रजत शर्मा जी ने बताया कि चयनित खिलाडी 31 जनवरी से कुरुक्षेत्र हरियाणा मे होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। ग्राम प्रधान आशा मेहरा, मनमोहन बसेड़ा, राजेश बिष्ट, लता बिष्ट, राजेंद्र नेगी, निलेश कुमटिया, आनंद राम व अजय सैनी नेखिलाड़ियों को बधाई दी।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल के प्रशिक्षण में मौजूद अतिथि।

ग्राफिक एरा में इंजीनियरों का प्रशिक्षण शुरू

भीमताल : ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, भीमताल कैंपस में ग्रामीण कार्य विभाग, उत्तराखंड सरकार के सहयोग से 29 जनवरी 2026 से दस दिवसीय संयुक्त वर्कशॉप-कम हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन सत्र में ग्रामीण कार्य विभाग, उत्तराखंड के मुख्य अभियंता अनिल कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। भीमताल कैंपस के निदेशक प्रो. (कर्नल) एके नायर ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम इंजीनियरों को वास्तविक कार्य अनुभव प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से विश्वविद्यालय की आधुनिक प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, देहरादून के सहायक डीन (प्रशिक्षण एवं परियोजनाएं) एवं कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ. श्याम कापरी ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, संरचना और अपेक्षित परिणामों की जानकारी दी। कार्यशाला के प्रथम दिन तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले दो सत्रों में नागेंद्र सिंह गैरा ने ऑटोकैड सॉफ्टवेयर के इंटरफेस, मूल कमांड्स एवं 2-डी ड्राइंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। तीसरे सत्र में नमन तिवारी ने बिल्डिंग ड्रॉइंग्स का परिचय देते हुए प्रतिभागियों को असाइनमेंट के माध्यम से व्यावहारिक अभ्यास कराया। यह प्रशिक्षण इंजीनियरों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सिटी ब्रीफ

प्यूड़ा में जनसमस्याओं का हुआ समाधान

हल्द्वानी : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने गुरुवार को रामगढ़ ब्लॉक के प्यूड़ा में जन-जन की सरकार, जनता के द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि समस्याओं को उठाया। अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। विधायक कैड़ा ने कहा राज्य सरकार का प्रयास है कि गांव के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की समस्याओं का समाधान हो। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि सरकार की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। इस दौरान राज्य मंत्री शांति महरा, मंडल अंकित पाण्डेय, जिला मंत्री कुंदन चिलवाल व अभिषेक नेगी रहे।

सीडीओ ने अधिकारियों के साथ की बैठक

हल्द्वानी : सीडीओ अरविंद कुमार पांडे ने गुरुवार को डीएम कैंप कार्यालय में श्री कैंचीधाम में एनजीटी में योजित याचिका के क्रम में एसटीपी, साफ-सफाई, निर्माण कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारियों की बैठक की। उन्होंने अधिशासी अभियंता पेयजल निगम को ससमय कैंची धाम में एसटीपी प्रस्ताव के संबंध में अग्रिम कार्यवाही, जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण सचिव को बढ़ते निर्माण को सुनियोजित करने को चालानी कार्रवाई तथा ससमय केस निस्तारण, भवाली नगर पालिका ईओ व जिला पंचायत के एएमएको नियमित साफ सफाई तथा सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं तथा कार्य योजना बनाने को निर्देशित किया गया।

प्री-एसआईआर में तेजी लाएं बीएलओ : चौहान

हल्द्वानी : सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने नगर निगम सभागार में प्री-एसआईआर को लेकर बीएलओ के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि जिन बूथों में 60 प्रतिशत से कम मैपिंग हुई है, वे बीएलओ मैपिंग में तेजी लाएं और लक्ष्य को पूरा करने का प्रयास करें। उन्होंने बीएलओ से कहा कि घर-घर जाकर अभियान चलाएं और जनता को प्री-एसआईआर के बारे में जानकारी दें। सिटी मजिस्ट्रेट ने राजपुरा में प्री-एसआईआर को लेकर घर-घर जाकर वार्ता की साथ ही वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग में आ रही दिक्कतों को जाना। कहा कि रविवार को फिर से राजपुरा में शिविर लगाया जाएगा और बीएलओ के साथ मिलकर जनता की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने बीएलओ से अपील की है कि 10 फरवरी तक महिलाओं, युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ सकते हैं।

शहर में दिखे मौसम के दो रंग, असमंजस में राहगीर, हल्द्वानी के एक हिस्से में कोहरा तो आधे में चटख धूप

कोहरे की मार तो कहीं धूप से मौसम खुशगवार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में गुरुवार को मौसम के दो रंग देखने को मिले। हल्द्वानी के एक हिस्से में सुबह से ही छाया कोहरा पूर्वान्ह तक नजर आया। वहीं दूसरी ओर आधे शहर में सुबह से ही चटख धूप निकली थी। कुल मिलाकर मौसम खुशनुमा बना रहा।

सुबह के समय काठगोदाम, रानीबाग, मुख्य बाजार, बद्रीपुरा आदि इलाकों में धूप निकली और लोगों ने धूप का आनंद लिया। दोपहर होने तक इन इलाकों में धूप काफी तेज भी हो गई। इधर देवलचौड़, पंचायतघर, गन्ना सेंटर, बेलबाबा आदि क्षेत्रों में सुबह से ही कोहरा छाया हुआ था।

इन इलाकों में पूर्वान्ह तक कोहरा ही छाया हुआ था, दोपहर के समय यहां धूप निकली। इसके बाद शाम होने के साथ ही कई इलाकों में घना कोहरा छा गया। पूरे दिन भर हल्की शीतलहर भी चली और रात के समय मौसम काफी ठंडा हो गया। मौसम विज्ञानियों के अनुसार पहाड़ों में कई जगह बर्फ गिरी हुई है। इस वजह से मैदानी इलाकों में शीतलहर चल रही है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम था।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार राज्य में एक बार फिर से मौसम बदल सकता है और 31 जनवरी से एक फरवरी तक फिर से बारिश और बर्फबारी होने के आसार बने हुए हैं। पहाड़ों में दोपहर के समय धूप निकलने की वजह से तापमान में उछाल आ रहा है। मुक्तेश्वर में पारा 14.1 डिग्री रहा। यहां रात के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है और न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री रहा।

समय: सुबह 10:25 बजे

रामपुर रोड स्थित गन्ना सेंटर हाईवे पर सड़क पर छाया घना कोहरा। ● अमृत विचार

समय: सुबह 10:35 बजे

रामपुर रोड स्थित देवलचौड़ के खिली धूप। ● अमृत विचार

निजी कंपनी भी पूरी नहीं कर सकी रेडियोलॉजिस्ट की कमी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का हल निजी कंपनियों के साथ अनुबंध नहीं है। यह बात डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में साकार होती दिख रही है। यहां पर निजी कंपनी से अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे के लिए अनुबंध हुआ था लेकिन इस कंपनी को भी डॉक्टर उपलब्ध कराने में पसीने छूट रहे हैं।

एसटीएच में करीब छह माह पूर्व एक व्यवस्था की गई कि यहां पर सरकारी रेडियोलॉजिस्ट अल्ट्रासाउंड और एक्सरे करेंगे। साथ ही निजी कंपनी से भी इन सेवाओं के लिए अनुबंध किया गया। अनुबंध यह था कि सरकारी रेडियोलॉजिस्ट ही पहले मरीजों का अल्ट्रासाउंड और एक्सरे करेंगे। भीड़ ज्यादा होने या फिर सरकारी सेवा किसी भी तरह से बाधित होने पर निजी कंपनी अल्ट्रासाउंड करेगी लेकिन विगत 11 नवंबर को निजी कंपनी की सेवा बंद हो गई क्योंकि रेडियोलॉजिस्ट ने काम छोड़ दिया। अब इस कंपनी को दोबारा रेडियोलॉजिस्ट लाने में करीब ढाई माह का समय लग गया है। पूरे ढाई माह तक कंपनी की रेडियोलॉजी बंद रही है। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि निजी कंपनी की अल्ट्रासाउंड और एक्सरे करना शुरू कर दिए हैं। अब अगर सरकारी सेवा किसी तरह से बाधित होती है तो निजी कंपनी से अल्ट्रासाउंड व एक्सरे जारी रहेंगे।

सिटी बस का भरोसा नहीं, ऑटो व ई-रिक्शा वाले कर रहे मनमानी

सिरदर्द बनी हल्द्वानी की सिटी बस व्यवस्था, अधिकांश लोगों को रूट, संचालन की जानकारी नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जिस सिटी बस सेवा को आम यात्रियों को सस्ती और सुलभ यात्रा देने के लिए सौंपा था, उसे विभाग के लापरवाह अधिकारियों ने सफेद हाथी बना दिया। शहर की सड़कों पर बसें तो दौड़ रही हैं, लेकिन न तो उनका कोई ठिकाना (स्टॉप) है और न ही यात्रियों को उनके समय की जानकारी। दरअसल इनके संचालन की समयावधि तय ही नहीं है।

नतीजा यह है कि रोजाना यात्रा करने वाले लोग अब भी ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की मनमानी और भारी किराये की मार झेलने को मजबूर हैं। शहर की अधिकांश जनता को आज तक यह पता नहीं चल पाया है कि सिटी बस किस रूट पर और किस समय मिलेगी। पूरे शहर में कहीं भी बस स्टॉप या समय सारणी का बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। सिटी बस संचालन की व्यवस्था तय करने वाले विभागीय अफसरों की इस लापरवाही का पूरा फायदा ऑटो और ई-रिक्शा चालक उठा रहे हैं।

सिटी बस के चालक ने बताया कि ऑटो और ई-रिक्शा के चालक सवारियों को बस में बैठने तक नहीं देते। व्यवस्था इतनी लचर है कि सिटी बस चलाने वाले चालकों का भी मोहभंग हो रहा है। सवारियां न मिलने और रूट पर दबंगई का सामना करने के कारण कई चालक अब तक नौकरी छोड़ चुके हैं। जो बचे हैं, उनके पास न तो बस खड़ी करने की जगह है और न ही सवारी बैठाने का सुरक्षित स्थान। समय पर बस न आने का मुख्य कारण भी सड़कों पर फैला यही अतिक्रमण और अव्यवस्था है।

हल्द्वानी में संचालित सिटी बस। ● अमृत विचार

ऑटो चालकों के हौसले बुलंद, जनता की जेब खाली

सुनियोजित व्यवस्था के अभाव में सिटी बस सेवा के विफल होने से ऑटो चालकों के हौसले बुलंद हैं। वे जनता से मनमाना किराया वसूल रहे हैं। कम दूरी के लिए भी यात्रियों को मजबूरी में भारी रकम चुकानी पड़ रही है। जनता का सवाल है कि जब सरकार ने बसें चलवा दी हैं, तो प्रशासन उन्हें सुचारू रूप से संचालित करने और यात्रियों को सुरक्षा देने में नाकाम क्यों है? क्या विभाग के ऊंचे पदों पर बैठे अधिकारी केवल फाइलों में योजनाएं चला रहे हैं?

रोज घंटों इंतजार करना पड़ता है। सिटी बसें शुरू की हैं, लेकिन बस कहां से मिलेगी और उसका समय क्या है, इसका कोई बोर्ड शहर में कहीं नहीं लगा है। मजबूरन ऑटो में ज्यादा किराया देकर जाना पड़ता है, जो हमारी पॉकेट मनी पर भारी पड़ता है। -आदित्य पांडे

सिटी बस एक सुरक्षित और सस्ता विकल्प हो सकती थी, लेकिन सड़क पर बस खड़ी होने की कोई निश्चित जगह ही नहीं है। ऑटो चालकों की दबंगई इतनी है कि वे बस के सामने सवारी को खड़ा नहीं होने देते। -केएस रजवार

हल्द्वानी जैसे बढ़ते शहर के लिए यह सेवा बहुत जरूरी थी, लेकिन विभागीय लापरवाही ने इसे मजाक बना दिया है। जब प्रशासन सुरक्षा और स्टैंड ही नहीं दे पा रहा, तो इन बसों को सड़कों पर उतारने का क्या फायदा? -विमल वर्मा

सिटी बस सेवा के संचालन में आ रही शुरुआती व्यावहारिक दिक्कतों को दूर किया जाएगा। बसों के समय और रूट को लेकर यात्रियों में स्पष्टता लाने के लिए काम किया जाएगा। जल्द ही प्रशिक्षण कर जो कमियां आ रही हैं, उनमें सुधार कर जल्द ही जनता को एक बेहतर परिवहन सेवा दी जाएगी। -गुरुदेव सिंह, आरटीओ हल्द्वानी

ई-गवर्नेंस पर दिया एआई के माध्यम से प्रशिक्षण

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: डॉ. आरएस टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ई-गवर्नेंस विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को अकादमी के महानिदेशक बीपी पाण्डेय ने किया। उद्घाटन सत्र में संयुक्त निदेशक डॉ. महेश कुमार, उप निदेशक वीके सिंह तथा कार्यक्रम निदेशक विकास के. नायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों और विभागों से आए 30 अधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं।

यह अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अपनी तरह का पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल अवधारणाओं, स्मार्ट एवं उत्तरदायी शासन में एआई की भूमिका, सुदृढ़ एआई अवसंरचना का निर्माण, जेनरेटिव एआई, एआई प्रणालियों में जोखिम न्यूनीकरण तथा शासन में जिम्मेदार एआई के क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही विभिन्न एआईटूल्स पर व्यवहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए महानिदेशक बीपी पाण्डेय ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शासकीय सेवाओं को अधिक तेज़, कुशल, पारदर्शी, उद्देश्यपूर्ण, डेटा-आधारित एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है, जिससे आम नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने एआई से जुड़े नैतिक, सृजनात्मक, भावनात्मक और मानवीय मूल्यों से संबंधित पहलुओं पर भी प्रकाश डालते हुए व्यक्तिगत एवं आधिकारिक जीवन में इसके संतुलित उपयोग पर बल दिया। महानिदेशक ने प्रतिभागियों से अपने-अपने विभागों में एआई के संभावित उपयोग क्षेत्रों की पहचान करने का आह्वान किया, ताकि शासकीय प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, सुगम और प्रभावी बनाया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े वरिष्ठ तकनीकी विशेषज्ञों एवं निजी क्षेत्र के प्रोफेशनल एक्सपर्ट्स को आमंत्रित किया गया है। यह पहल शासन में नवाचार और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राजीनामा के बाद भी नहीं सुधरा और देने लगा धमकी

हल्द्वानी : खनस्यू ओखलकांडा निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर सौंप एक युवक पर उसकी बेटी से अभद्रता करने और विरोध करने पर उसे पहाड़ी से नीचे धक्का देने का आरोप लगाया है। मामले में केस दर्ज हुआ तो आरोपी हाईकोर्ट से स्टे ले आया। बाद में राजीनामा भी हो गया। अब इसके बावजूद आरोपी युवक पीड़ित पक्ष को डरा-धमका रहा है।

खनस्यूं ओखलकांडा निवासी व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि जनवरी 2024 को ग्राम पश्या पो. देवली तहसील खनस्यूं निवासी दीपक कुड़ाई उनकी बेटी को बहला फुसला कर ऊंची पहाड़ी पर ले गया और वहां उसके साथ अभद्रता करने लगा। लड़की के विरोध करने पर आरोपी ने उसे पहाड़ी से नीचे धक्का दे दिया और भाग गया। पुलिस वालों को लड़की का पता चला तो परिजनों को सूचित किया। बेहोशी की हालत में उसे स्थानीय अस्पताल और बाद में एसटीएच ले जाया गया। होश आने पर लड़की ने आपबीती बताई तो आरोपी के खिलाफ खनस्यू थाने में रिपोर्ट दी। पीड़ित का कहना है कि आरोपी ने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया और बाद में दोनों पक्षों में राजीनामा भी हो गया। आरोपी की ओर से राजीनामा को लेकर कोई भी दस्तावेज हाईकोर्ट में पेश नहीं किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने आढ़तियों को दिया समस्याओं के समाधान का आश्वासन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : आलू फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन व मर्चेंट एसोसिएशन ने 12 सूत्रीय मांगों पर कोई प्रगति नहीं होने पर आक्रोश जताया। बाद में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने मंडी बोर्ड के चेयरमैन के साथ शीघ्र प्रस्तावित बैठक में समाधान का आश्वासन दिया है।

आलू फल आढ़ती व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जोशी की अध्यक्षता में नवीन मंडी स्थित कार्यालय में आलू फल व मर्चेंट एसोसिएशन की संयुक्त बैठक हुई। इसमें आढ़तियों ने 12 सूत्रीय मांगों पर अब तक हुई प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। अध्यक्ष कैलाश जोशी ने एक-एक बिंदु की सूचना दी। बाद में सभी ने प्रगति पर नाराजगी जताई। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट से फोन पर वार्ता की गई। बिष्ट ने कहा कि मंडी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कपूर डब्बू से वार्ता हो चुकी है, समस्याओं का सहानुभूतिपूर्वक समाधान किया जाएगा। एक-दो दिन में डॉ. डब्बू आढ़तियों के साथ बैठक कर समस्याओं का समाधान करेंगे। दीपक पाठक, केशवदत्त पलड़िया, विपिन गुप्ता, भुवन तिवारी, देवानंद, राजेंद्र फसवाण, कन्हैया लाल, विजय जायसवाल, आवेश गर्ग, रोहित गर्ग, जगदीश बिनवाल, हरीश जंतवाल, निशू पाठक व अंकुर रहे।

आलू फल आढ़ती व्यापारी व मर्चेंट एसोसिएशन की बैठक में मौजूद व्यापारी व आढ़ती।

निवेश के नाम पर कंपनी कर रही लोगों से धोखाधड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: फाइनेंस कंपनियों के फर्जीवाड़े एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। अब एक अधिवक्ता को पता चला कि एक कंपनी निवेश के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी कर रही है। कंपनी पर कार्रवाई की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने भोटिया पड़ाव चौकी में भी प्रदर्शन किया है।

हल्द्वानी निवासी अधिवक्ता प्रदीप लोहनी ने बताया कि उन्होंने एक कंपनी में कुछ माह पूर्व साढ़े छह हजार रुपये का निवेश किया था। बताया कि उनकी पत्नी को बीते दिन एक फोन कॉल आया। कॉल करने वाले ने कहा कि उनके नाम पर एक लकी ड्रॉ निकला है। इसका लाभ लेने के लिए उन्हें ठंडी सड़क स्थित कार्यालय आना होगा। प्रदीप गुरुवार को फाइनेंस कंपनी के कार्यालय में पहुंचे। यहां कंपनी के लोगों ने उनसे कहा कि उनकी कंपनी में निवेश करने से उन्हें तीन लाख रुपये तक मेडिकल इंश्योरेंस मिलेगा। यही नहीं बड़े शैक्षणिक संस्थानों में बच्चों की पढ़ाई पर 50 प्रतिशत तक फीस में छूट मिलेगी। अधिवक्ता को शक हुआ तो उन्होंने पड़ताल की। पता चला कि ऐसी कोई कंपनी संचालित नहीं होती है। उन्होंने पूछताछ की तो कंपनी के कर्मचारी उन पर ही भड़क गए। बार एसोसिएशन के लोगों ने कंपनी के खिलाफ तहरीर सौंपी है। चौकी प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

हल्द्वानी-रामनगर मार्ग में पलटने से बची रोडवेज बस, हादसा टला

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: हल्द्वानी से देहरादून जा रही उत्तराखंड परिवहन निगम की एक रोडवेज बस गुरुवार को बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गई। बेलगढ़ क्षेत्र के पास अचानक सामने आए बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे कच्चे हिस्से में धंस गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बस में उस समय लगभग 25 से 30 यात्री सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार, बस संख्या यूके-04 पीए 1681 हल्द्वानी से देहरादून की ओर जा रही थी। बेलगढ़ के समीप अचानक एक बाइक सामने आ गई। उसे बचाने के लिए चालक ने तुरंत ब्रेक लगाए और बस को मोड़ने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बस सड़क के किनारे धंस गई। हादसे में 6 से 7 यात्रियों को हल्की चोटें आईं। घायल यात्रियों को स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया तथा कुछ को मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। राहत की बात यह रही कि बस पलटने से बच गई, अन्यथा जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को भी अवगत कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और यातायात व्यवस्था को सुचारू कराने में सहयोग किया। बस को सड़क से निकालने के दौरान कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात प्रभावित रहा। यात्रियों ने बस चालक की सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि चालक की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया।

सड़क किनारे जमीन में धंसी रोडवेज बस।

गौलापार में क्रिकेट मैच एक से, पहुंचेंगे राष्ट्रीय खिलाड़ी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : गौलापार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 1 फरवरी से क्रिकेट का रोमांच शुरू होने जा रहा है। ईवीसीएल के तहत होने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 6 टीमें शिरकत करेंगी। हालांकि, फिलहाल टिकट काउंटरों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। टूर्नामेंट का पहला मैच 1 फरवरी को शाम 6 बजे से खेला जाएगा, जो दिल्ली और उत्तराखंड की टीमों के बीच होगा। यह लीग 9 फरवरी तक चलेगी।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए राहत की बात यह है कि टिकटों की दरें काफी किफायती रखी गई हैं। टिकट काउंटर में 199 रुपये से लेकर 1499 रुपये तक के टिकट उपलब्ध हैं। इस लीग का मुख्य आकर्षण भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रहेंगे। स्विंग के सुल्तान इरफान पठान और प्रवीण कुमार जैसे बड़े नाम हल्द्वानी पहुंच खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिच तैयार हो चुकी है और फ्लड लाइट्स की दूधिया रोशनी में मैच संपन्न होंगे। सहायक खेल निदेशक राशिका सिद्दीकी ने बताया कि स्टेडियम के उपयोग के लिए ईवीसीएल को कुल 12 लाख 39 हजार रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। इसमें से अब तक 2 लाख रुपये और 10 लाख रुपये की सुरक्षा राशि जमा की जा चुकी है। शेष 10 लाख 39 हजार की धनराशि जमा होने के बाद ही मैच शुरू करने की अनुमति दी जाएगी।

खेल-खिलाड़ी

अंडर-19 बालक वर्ग की जिला क्रिकेट लीग मैच में खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

कोल्ट्स ने 4 विकेट, जीएनजी ने 9 विकेट से जीता मैच

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंडर-19 बालक वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का गुरुवार को पहला मुकाबला जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी और डीके स्पोर्ट्स के बीच खेला गया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

डीके स्पोर्ट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 40वें ओवर 204 रनों पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए ईशान जोशी ने 46, पृथवी रावल ने 38 और राकेश बिष्ट ने 36 रनों का योगदान दिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज प्रांजल रैकवाल ने 3, देवानंद, कनिष्क और वंश रावत ने 2-2 विकेट लिए । निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम ने 37वें ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाकर 4 विकेट से मैच जीत लिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के बल्लेबाज शशांक ने 51, दिवज्योत कोहली ने 35, देवानंद और अमित पटवाल ने 22-22 रनों का योगदान दिया। डीके स्पोर्ट्स के गेंदबाज श्लोक पंत और कुशाग्र ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ी प्रांजल रैकवाल को दिया गया। यहां जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, नरेंद्र अधिकारी, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, दिग्विजय कनवाल आदि मौजूद रहे।

मिनी स्टेडियम में बालक वर्ग के ट्रायल में प्रतिभाग करते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

स्टेट लेवल साइकलिंग ट्रायल शुरू,

हल्द्वानी : उत्तराखंड साइकलिंग एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो दिवसीय राज्य स्तरीय साइकलिंग ट्रायल का आगाज हुआ। इस ट्रायल में रोड, ट्रैक और एमटीबी साइकलिंग के लिए प्रदेश भर से आए खिलाड़ियों ने अपनी फिटनेस और कौशल का प्रदर्शन किया। पहले दिन बालक वर्ग में कुल 43 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों का 1600 मीटर दौड़, ब्रॉड जंप और फ्लाइंग जंप का परीक्षण लिया गया। प्रभारी मनीष वर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह 9 बजे से बालिकाओं के ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इन ट्रायल्स में चयनित होने वाले खिलाड़ी आगामी नेशनल ट्रायल में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान निर्णायक और व्यवस्थापक के रूप में किशोर पाल, महेश बिष्ट, त्रिलोक जीना, श्याम भट्ट, विनय जोशी, गोपाल नेगी, दिनेश रावत और महेश फर्तयाल सहित एसोसिएशन के कई सदस्य उपस्थित रहे।

क्वीन एकेडमी ने गुरु तेग स्कूल को हराया

हल्द्वानी : क्वीन फुटबॉल एकेडमी की ओर से गुरुवार को ओपन वर्ग फुटबॉल मैच खेले गए। प्रतियोगिता का पहला मुकाबला क्वीन फुटबॉल एकेडमी और गुरु तेग बहादुर स्कूल के बीच हुआ जिसमें क्वीन एकेडमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मुकाबला एसआर और सेवन स्टार टीमों के बीच हुआ। इस रोमांचक मैच में सेवन स्टार की टीम ने एसआर को 3-1 से पराजित किया। मैच के मुख्य अतिथि विक्रम रंधावा रहे। इस अवसर पर मुन्ना पोखरिया, देवेंद्र बिष्ट तथा कैलाश एकेडमी के कोच सूरज गोस्वामी भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना से खेलने का संदेश दिया।

सिटी ब्रीफ

इंश्योरेंस कंपनी को 9.31 लाख हर्जाने का आदेश

रुद्रपुर : मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण/तृतीय अपर जिला जज मुकेश चंद्र आर्य की अदालत ने एक सड़क हादसे में तीन वर्षीय मासूम की मौत पर न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को 9 .31 लाख हर्जाना देने का आदेश दिया है। 15 जनवरी 2023 को चामुंडा मंदिर निवासी शेर सिंह और उनकी पत्नी पिंकी बाइक से जाते समय ट्रक की टक्कर का शिकार हो गए थे। इस दुर्घटना में उनकी बेटी तमन्ना की जान चली गई थी। अधिवक्ता अखलाक मलिक ने दंपति का पक्ष रखा। अदालत ने लापरवाही को आधार मानते हुए फैसला सुनाया कि कंपनी पिता को 4 लाख और माता को 5 .31 लाख का भुगतान 7% ब्याज सहित करे।

सीएससी सेंटर स्वामी को चेतावनी देकर छोड़ा

खटीमा : मुख्य विकास अधिकारी के निर्देशन में श्रम प्रवर्तन अधिकारी मीनाक्षी भट्ट ने सितारगंज रोड रिलायंस पेट्रोल पंप के निकट एक सीएससी सेंटर पर छापा मारा। जहां श्रमिकों से श्रम कार्ड के एवज में धन वसूलने की शिकायतें मिल रही थीं। उन्हें मौके पर कई श्रमिक मिले और उन्होंने उनसे पूछताछ की। छापा मारने पहुंची टीम ने फिलहाल सेंटर स्वामी को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

घर में घुसकर महिला से मारपीट करने का आरोप

बाजपुर : घर में घुसकर महिला से मारपीट करने का मामला सामने आया है। ग्राम मुड़िया कलां निवासी इमरोज खान ने कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। तहरीर में बताया गया कि 28 जनवरी की देर रात करीब साढ़े आठ बजे वह घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान एक युवक एवं उसकी दो बहनें घर में घुस आईं। आरोप है कि इन लोगों ने घर में पत्नी के साथ मारपीट की। पत्नी का करीब चार माह पूर्व ऑपरेशन हुआ था।

विधायक बेहड़ ने अस्पताल पहुंचकर जाना ठुकराल की माता का हालचाल

सियासी कड़वाहट के बीच मानवीय संवेदना, राजनीतिक गलियारों में शुरू हुई चर्चा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: रुद्रपुर की राजनीति में इन दिनों आरोप-प्रत्यारोप का दौर चरम पर है, लेकिन इसी बीच किच्छा विधायक तिलकराज बेहड़ की एक मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चा छेड़ दी है। गुरुवार को विधायक बेहड़ एक निजी अस्पताल पहुंचे और वहां उपचाराधीन पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल की माता दर्शना ठुकराल का हालचाल जाना। उन्होंने बुजुर्ग माता के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और पूर्व विधायक ठुकराल से भी मुलाकात की।

पूरा मामला पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल के खिलाफ दर्ज हुए एक मुकदमे से जुड़ा है। हाल ही में पूर्व पालिकाध्यक्ष और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मीना शर्मा ने कोतवाली में तहरीर देकर ठुकराल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि दिसंबर 2024 में पूर्व विधायक का एक ऑडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अमर्यादित और अश्लील भाषा का प्रयोग किया था।

पूर्व विधायक की माता का हाल जानते किच्छा विधायक बेहड़। ● अमृत विचार

मुलाकात के गहरे राजनीतिक मायने

रुद्रपुर : विधायक बेहड़ का अस्पताल पहुंचना इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मुकदमा दर्ज कराने वाली मीना शर्मा कांग्रेस की वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। एक तरफ जहां पार्टी की महिला विंग ठुकराल के खिलाफ मोर्चा खोले हुए है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के दिग्गज विधायक का ठुकराल परिवार से मिलना कई सवाल खड़े कर रहा है। चर्चा है कि क्या बेहड़ इस कदम के जरिए 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश कर रहे हैं या फिर यह ठुकराल और बेहड़ के बीच पुरानी राजनीतिक मित्रता का संदेश है।

नैतिकता या राजनीति?

रुद्रपुर : इस मुलाकात पर विधायक तिलकराज बेहड़ ने कहा कि इसे राजनीति से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "पूर्व विधायक की माताजी की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी, ऐसे में नैतिकता के आधार पर उनका हालचाल जानना मेरा कर्तव्य था। मान-सम्मान की लड़ाई व्यक्तिगत हो सकती है, लेकिन मानवीय संवेदनाएं सर्वोपरि हैं।" उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे प्रकरण में पार्टी का निर्णय ही उनके लिए अंतिम और सर्वोपरि होगा।

मीना शर्मा का कहना है कि इससे उनके मान-सम्मान और अधिकारों का हनन हुआ है। जैसे ही बेटे पर मुकदमा दर्ज होने की खबर दर्शना ठुकराल को मिली, उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

वर्षों से बंद स्लॉटर हाउस का टेंडर हुआ

खटीमा: नगर पालिका के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में अब पशुवधशाला का एक वर्ष के टेंडर 20 लाख रुपये में हुआ है। अधिशासी अधिकारी प्रियंका आर्य ने बताया कि 26 नवंबर 2025 को संपूर्ण टेंडर प्रक्रिया में एक दिन पूर्व फार्म बिक्री किए गए थे।

टेंडर अध्यक्ष/ अधिशासी अधिकारी कार्यालय में निविदा दाताओं की उपस्थिति में खोला गया। अधिशासी अधिकारी आर्य ने बताया कि वर्षों से बंद स्लॉटर हाउस खोलने की प्रक्रिया इस निविदा के साथ ही शुरू हो चुकी है। नगर के वार्ड संख्या नौ स्थित स्लाटर हाउस में पशुवध शुल्क वसूली का कार्य विधिवत हो सकेगा। निविदा दाता को स्लॉटर हाउस में लाइसेंस हेतु खाद्य विभाग एवं पर्यावरण प्रदूषण बोर्ड के लाइसेंस अनापत्ति अनुमति आदि पर होने वाला खर्च स्वयं वहन करना होगा। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पशुवध शाला खुलने से मीट प्रेमियों को अब असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस मामले में शीघ्र कार्रवाई होने की उम्मीद है।

स्कॉर्पियो की टक्कर से दिव्यांग की मौत

● व्हीलचेयर से सिडकुल आया था गोविंद, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : थाना पंतनगर इलाके में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से व्हीलचेयर पर सवार दिव्यांग की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना की जानकारी ली और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से गांव नौला पिथौरागढ़ निवासी 45 वर्षीय दिव्यांग गोविंद भट्ट दिनेशपुर स्थित मोती नगर गांव में परिवार के साथ रहता था। गुरुवार की सुबह वह दिव्यांग अपनी व्हीलचेयर पर सवार होकर सिडकुल जा रहा था कि नैनीताल हाईवे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी। जिससे दिव्यांग गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन फानन में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया और सिडकुल चौकी प्रभारी सुरेंद्र बिष्ट ने घटना की जानकारी ली,लेकिन उपचार शुरू होने से पहले ही दिव्यांग ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने स्कॉर्पियो चालक की तलाश तेज कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दिव्यांग की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

मौत प्रकरण में बाइक चालक पर मुकदमा

रुद्रपुर :- सुदेश मौत प्रकरण में पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार नई बस्ती फुलसुंगा निवासी वीरेश यादव ने बताया कि 23 जनवरी की रात्रि साढ़े दस बजे उसका भाई सुदेश यादव दक्ष चौराहे से बगवाड़ा मार्ग पर पैदल जा रहा था कि तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दी। जिससे भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और आनन-फानन में घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शिकायतकर्ता का आरोप था कि बाइक सवार लापरवाही और तेज रफ्तार में बाइक चला रहा था। जिस कारण ही बाइक की मौत हुई और बाइक सवार फरार हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

रहस्यमय ढंग से लापता किशोर, मां का बुरा हाल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: 27 जनवरी की दोपहर से लापता एक किशोर का कोई सुराग नहीं लगने के कारण एक मां का बहुत बुरा हाल है। जिसके बाद पुलिस ने भी किशोर की खोजबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रंपुरा बस्ती निवासी राजेश श्रीवास्तव परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। बताया जा रहा है कि 27 जनवरी की दोपहर साढ़े बारह बजे किशोर जल्द आने की बात कहकर निकला था,लेकिन 29 जनवरी की शाम तक घर नहीं लौटा। बताया जा रहा है कि किशोर की आयु 17 वर्ष है और नौकरी कर पिता को सहारा भी देता है। सरल स्वभाव का होने के कारण हर कोई व्यक्ति भी हैरान और परेशान दिख रहा है,जबकि इकलौता बेटा होने के कारण किशोर की मां माया देवी का भी बुरा हाल है।

गुमशुदगी की सूचना मिलते ही पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू कर दिया है। मां बार-बार पुलिस से बेटे की खोजबीन करने की गुहार लगाती हुई दिखाई दे रही है।

बेहोश होती मां को संभालते परिचित।

हेपेटाइटिस के बढ़ते खतरे को देख स्वास्थ्य विभाग ने जारी की अपील

बाजपुर : क्षेत्र में हेपेटाइटिस-बी और विशेषकर हेपेटाइटिस-सी के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। ह्यूमन राइट मिशन के उपाध्यक्ष डॉ. सौरभ परमार और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से अपील जारी कर नागरिकों से बीमारी न छुपाने का आग्रह किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बीमारी गंभीर है लेकिन समय पर इलाज मिलने से पूर्णत: ठीक हो सकती है। पीड़ित व्यक्ति बाजपुर सरकारी अस्पताल में डॉ. जायसवाल से परामर्श ले सकते हैं। वर्तमान में एलएफटी और केएफटी जैसी प्रारंभिक जांचों के बाद उपचार तय किया जाता है। हालांकि, वायरल लोड जांच के लिए मरीजों को काशीपुर या रुद्रपुर जाना होगा, लेकिन आवश्यक दवाएं बाजपुर अस्पताल में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकारी योजनाओं के तहत नि:शुल्क उपचार के लिए मरीजों को आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। विभाग ने चेतावनी दी है कि बीमारी छुपाने से संक्रमण फैलने और लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है।

डॉ. संजीव बने पीएमएस संघ के अध्यक्ष

शपथ लेते नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, रुद्रपुर

● डॉ. आशीष गंगवार को सचिव चुना गया

अमृत विचार: प्रांतीय चिकित्सा स्वास्थ्य सेवा संघ (पीएमएस) की नई कार्यकारिणी का गठन हो गया है। चुनाव प्रक्रिया के बाद डॉ. संजीव सरना को संघ का नया अध्यक्ष और डॉ. आशीष गंगवार को सचिव चुना गया है।

नवगठित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पदों पर डॉ. अतुल कुमार (क्षेत्र), डॉ. राजेश आर्य (मुख्यालय), डॉ. तनुजा सिन्हा (महिला) और डॉ. सुनील उपाध्याय (डेंटल) को चुना गया है। अन्य प्रमुख पदों में डॉ. एसपी सिंह को कोषाध्यक्ष, डॉ. डीएम गहलोत को केंद्रीय प्रतिनिधि और डॉ. डीपी सिंह को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही डॉ. अमरजीत सिंह उप सचिव और डॉ. पीडी गुप्ता संगठक की भूमिका निभाएंगे। गठन के बाद नए पदाधिकारियों ने विधि-विधान से शपथ ग्रहण की। उन्होंने संकल्प लिया कि संगठन चिकित्सकों के हितों की रक्षा, उनके सम्मान और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा। साथ ही, संगठन ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने का भरोसा दिलाया।

पड़ोसी पर उत्पीड़न करने का आरोप

बाजपुर: एक महिला ने पड़ोसी युवक पर लगातार उत्पीड़न, धमकी देने और घर में घुसकर डराने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने कोतवाली में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। नगरीय सीमा से सटे एक गांव निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाला व्यक्ति आए दिन बात करने का दबाव बनाता है। मना करने पर वह उसके पति के साथ मारपीट करने तथा उसकी 11 वर्षीय पुत्री को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता है। इससे पीड़िता और उसका परिवार भय के माहौल में जीने को मजबूर है। पीड़िता के अनुसार 26 जनवरी की मध्य रात्रि आरोपी उसके घर में घुस आया और जबरन साथ रहने का दबाव बनाने लगा। मना करने पर आरोपी ने कथित तौर पर उसकी पुत्री को उठाने और भविष्य में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी।

न्यायालय श्रीमान असिस्टेन्ट कलक्टर महोदय, धारी जनपद नैनीताल

राजस्व वाद संख्या :-22/72 वर्ष 2025

वादी/प्रार्थी :- सचिन कुमार पुत्र बुल्ली राम निवासी-एफ-112 पंतनगर पी.एच.पी.एफ.ई. जवाहर नगर, उधमसिंह नगर

बनाम

सरकार उत्तराखण्ड एवं अन्य

समन बनाम् प्रतिवादीगण खाता संख्या :-19

अन्य प्रतिवादी :- 01. सुभाषचन्द्र पुत्र लच्छीराम, 02. लीलादेवी पत्नी लच्छीराम, 03. दुर्गाराम पुत्र खीमाराम, 04. केशवलाल, विपिन चन्द्र पुत्र शंकरराम, 05. मनोज कुमार, मुकेश कुमार पुत्र पनीराम, 06. चम्पा देवी पत्नी पूरनचन्द्र, 07. पार्वती देवी पत्नी दिनेशचन्द्र, 08. राजेन्द्र प्रसाद पुत्र पूरनचन्द्र, 09. मायावती देवी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, 10. त्रिलोकचन्द्र पुत्र पूरनचन्द्र, 11. दयालराम पुत्र भगीराम, 12. रीता आर्या पुत्री कुन्दनराम, 13. मोहनलाल, पूरनचन्द्र, लीलन प्रसाद पुत्र श्यामलाल, 14. राजेन्द्रसिंह, मदनसिंह, नन्दनसिंह, देवेन्द्रसिंह पुत्र हीरासिंह, 15. अखिलसिंह अनिलसिंह, सिंह, पुत्र पानसिंह, 16. मोहनी देवी पत्नी पानसिंह, 17. अभय क्वीरा पुत्र गोपालसिंह, 18. लता क्वीरा पत्नी अभय क्वीरा, 19. संजय क्वीरा पुत्र गोपालसिंह, 20. अमिता क्वीरा पत्नी संजय क्वीरा, 21. अजय क्वीरा पुत्र गोपाल सिंह व अन्य।

आपको सूचित किया जाता है कि सचिन कुमार पुत्र बुल्ली राम निवासी-एफ-112 पंतनगर पी.एच.पी.एफ.ई. जवाहर नगर उधमसिंह नगर के द्वारा एक वाद इस न्यायालय में धारा 143 ज०वि० एवं भू०सु०अधि० अन्तर्गत वास्ते भूमि अकृषक हेतु दायर किया गया है जिसे इस न्यायालय में दर्ज कर लिया गया है उक्त वाद में आपत्ति हेतु दिनांक 04.02.2026 की तिथि नियत है।

अतः आप उक्त नियत 04.02.2026 को इस न्यायालय में प्रातः 10:00 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा उक्त मामला एकतरफा सुना व निर्गत किया जायेगा।

दिनांक : 28.01.2026

रीडर

न्यायालय असिस्टेन्ट कलक्टर/ उप जिलधिकारी धारी

मुख्यमंत्री बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता जीशान प्रबंधिका के साथ।

जीशान ने बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में जीता कांस्य

खटीमा : देहरादून में 23 से 25 तक आयोजित खेल महाकुंभ की बॉक्सिंग में मुख्यमंत्री चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में नोजगे पब्लिक स्कूल के आठवीं के छात्र मो जीशान ने हरिद्वार जनपद के बॉक्सर को 5-0 से परास्त कर प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किया है। विद्यालय प्रबंधिका सुरेंद्र कौर, प्रधानाचार्य आरिज अल्वी ने जीशान की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए छात्र और कोच ललित पांडे को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पेंसिल एक मुस्कान मुहिम के तहत 1000 विद्यार्थियों को बांटी किट

रुद्रपुर : मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अनुसूचित व जन जाति के विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए ''पेंसिल एक मुस्कान'' मुहिम चलाई गई। इसके तहत ट्रस्ट ने एक हजार छात्र-छात्राओं को पेंसिल किट वितरित की। ट्रस्ट की प्रतिनिधि अर्पण मिश्रा ने बताया कि उनकी संस्था लंबे समय से गरीब बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य कर रही है। इस किट वितरण का उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई के प्रति सजग बनाना है। राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाचार्य मनोज कुमार चौबे ने ट्रस्ट की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से विद्यार्थियों में उत्साह बढ़ता है और गरीब बच्चों के लिए शिक्षा की राह आसान होती है।

अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रबीश भटनागर के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते अतिथि।

अध्यक्ष पद प्रत्याशी रबीश का चुनाव कार्यालय खुला

खटीमा : प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रबीश भटनागर के चुनाव कार्यालय का पीलीभीत रोड के चौहान मार्केट में भाजपा के वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता और सहकारी बैंक के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दान सिंह रावत, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अरुण सक्सेना, हिमांशु बिष्ट, ईश्वर बंसल, दिनेश अग्रवाल, कामिल खान, पवन अग्रवाल आदि रहे। बता दें कि चार फरवरी को खटीमा में व्यापार मंडल का चुनाव होना है।

कंबल वितरण करते मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य। ● अमृत विचार

अम्मा-बाबा मुहिम के तहत बुजुर्गों को बांटे कंबल

गदरपुर : बुजुर्गों को ठंड के प्रकोप से बचाने के मकसद से मित्र चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अम्मा बाबा की मुस्कान योजना के तहत कंबल वितरण किया। जिसके बाद बुजुर्गों को ठंड से काफी राहत मिलने पर मुस्कान भी देखने को मिली। ट्रस्ट की सदस्य नीतू गुप्ता ने बताया कि ट्रस्ट विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति सजग बनाने के साथ ही ठंड के प्रकोप से बचाने की मुहिम भी प्रारंभ की है। अम्मा बाबा की मुस्कान योजना के तहत गरीब बुजुर्गों को कंबल वितरण किया जा रहा है। इस मौके पर साधना मिश्रा, बेबी चौबे, गोविंद बुधानी, रमेश जोशी, देवांश, दिव्यांश आदि मौजूद रहे।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उधमसिंह नगर

Email: cmousnagar@gmail.com, Ph.: 05944-242114, Fax: 05944-24739

पत्रांक : एन०एच०एम०/प्रचार/25-26/मैमो-8977 दिनांक : 29-01-2026

जल्द बीमारी का पता लगने से कुष्ठ रोग का पूर्ण इलाज हो सकेगा व शारीरिक अपंगता से भी बचाव होगा

जल्द बीमारी का पता लगने, सही इलाज और इलाज का पूरा कोर्स करने से कुष्ठ रोग से होने वाली शारीरिक अपंगता से बचा जा सकता है।

जिला कुष्ठ निवारण समिति, उधम सिंह नगर

(डॉ० के०के० अग्रवाल) मुख्य चिकित्सा अधिकारी उधम सिंह नगर

(श्री नितिन भदौरिया) जिला अधिकारी उधम सिंह नगर

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें 9532374039 8077909468

सूचना

मेरी हाईस्कूल वर्ष 2013 अनुक्रमांक- 0146810 की अंक पत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गये है। **संजय जोशी पुत्र नवीन चन्द्र जोशी, ग्राम - चारुबेटा पहाड़ी कॉलोनी, खटीमा, उधम सिंह नगर**

सूचना

मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में पिताजी का नाम भूलवश GAGI MASIH दर्ज हुआ है। जबकि मेरा आधार कार्ड संख्या- 951527186535 में सही नाम THOMAS MASIH है। मैं अपने ड्राइविंग लाइसेंस में पिता का नाम THOMAS MASIH दर्ज कर अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना चाहता हूं। **VISHAL MASIH S/O THOMAS MASIH, ग्राम- नौसर खटीमा, उधम सिंह नगर**

नैनीताल

18 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वावधान में चल रहे आंदोलन के प्रथम चरण के अंतिम दिनों में कर्मचारियों ने पूरी ताकत झोंक दी। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर तथा एनसीसी कार्यालय में गेट मीटिंग आयोजित कर सरकार से कर्मचारियों की 18 सूत्रीय मांगों को शीघ्र स्वीकृत किए जाने की मांग की गई। सरकार द्वारा की जा रही कथित हीलाहवाली पर गहरा रोष व्यक्त किया गया। परिषद के जिलाध्यक्ष असलम अली ने बताया कि आंदोलन के तहत जनपद के सभी विकास खंडों और विकास भवन भीमताल में गेट मीटिंग के बाद अंतिम दिवसों में नैनीताल नगर के डीएसबी परिसर और एनसीसी कार्यालय में जोरदार गेट मीटिंग आयोजित की गई। डीएसबी परिसर में आयोजित गेट मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए परिसर अध्यक्ष नंदा बल्लभ पालीवाल ने कहा कि कर्मचारियों की 18 सूत्रीय मांगों पर सरकार को सकारात्मक रुख अपनाते हुए इन्हें तत्काल पूरा करना चाहिए।

वहीं एनसीसी कार्यालय में आयोजित गेट मीटिंग की अध्यक्षता परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष इसरार बेग ने की। उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग पिछले दो सप्ताह से आंदोलनरत है, लेकिन सरकार अनजान बनी हुई है। इससे कर्मचारियों में आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। डीएसबी परिसर की गेट मीटिंग में राजेंद्र सिंह ढैला, बिपिन चंद्र, प्रकाश पाठक, दिनेश चंद्र, मनीष कुमार, बृजेश जोशी, जगदीश तिवारी, राकेश बिनवाल, पूरन गुसाईं, गजेंद्र प्रसाद, नासिर अली, दीपा गोस्वामी, चंद्र बल्लभ, गणेश राम, राहुल, मनीष पांडे सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। वहीं एनसीसी कार्यालय में आयोजित बैठक में भगवत सिंह बिष्ट, जया कालाकोटी, गणेश नयाल, रमेश चंद तिवारी, गंगा पाठक, विवेक सिंह, मयंक डिमरी, राजेंद्र रावत, राकेश जोशी, राजू, शोभन कुमार, तोप बहादुर, कमलेश जोशी, दीप जोशी, हिमांशु सिंह, सुंदर सिंह, उमेश पुजारी सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद थे।

छापेमारी में आधार सेंटर में मिलीं अनियमितताएं

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उधम सिंह नगर के सितारगंज में एक आधार सेंटर में मिली अनियमितताओं के बाद तहसील प्रशासन ने छापेमारी कर सेंटर को सील कर दिया है। सेंटर में फर्जी तरीके से आधार कार्ड अपडेट किए जा रहे थे। मंडी परिसर स्थित आधार सेंटर पर फिंगरप्रिंट मुहर के दुरुपयोग और निर्धारित शुल्क से अधिक वसूली की शिकायत के बाद टीम को जांच में आरोप सही पाए गए। मौके से फर्जी फिंगरप्रिंट मुहर, दो लैपटॉप और अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्रशासन ने पुलिस को तहरीर सौंपते हुए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जांच में यह भी सामने आया कि मौके पर आधार सेंटर अधिकृत संचालक की फिंगरप्रिंट मुहर का इस्तेमाल कर आधार कार्ड अपडेट कर रहा था। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की कवायद की जा रही है। तहसीलदार हिमांशु जोशी को एक व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी कि मंडी परिसर स्थित आधार केंद्र पर निर्धारित शुल्क से अधिक की वसूली की जा रही है। साथ ही सेंटर में फर्जी फिंगरप्रिंट मुहर से आधार कार्ड अपडेट किए जा रहे हैं। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए सितारगंज तहसीलदार द्वारा मौके पर पहुंच कर छापेमारी की गई। टीम द्वारा मौके से दो लैपटॉप, फिंगरप्रिंट, मुहर समेत अन्य दस्तावेजों को कब्जे में लेते हुए सेंटर को अग्रिम आदेश तक सील कर दिया है। साथ ही पुलिस को तहरीर सौंप कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी है।

ब्रीफ न्यूज

पुलिस ने ट्रक चालक के ख़िलाफ़ दर्ज की प्राथमिकी

सितारगंज : लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में पुलिस ने ट्रक चालक के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की है। मुखर्जी नगर, जगतपुरा निवासी विश्वजीत ने बताया कि 27 जनवरी को गांव महेंद्र नगर, शक्तिफार्म निवासी उसके जीजा अमरदीप मंडल अपने दो साथियों के साथ बाइक से सिडकुल से सितारगंज जा रहे थे। तभी रास्ते में गांव सिसौना के पास सामने से आए ट्रक ने उसके जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों को उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। जहां से तीनों को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। बताया कि सुशीला तिवारी अस्पताल, हल्द्वानी ले जाते समय अमरदीप ने रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जबकि, बाकी दोनों का इलाज चल रहा है। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के सामान और नगदी के साथ सात आरोपी गिरफ्तार

सितारगंज : पुलिस ने साधुनगर क्षेत्र में हुई चोरी का खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से सोने-चांदी के जेवरात, बर्तन, अनाज और 10,000 की नगदी बरामद हुई है। साधुनगर निवासी जयंती राणा के घर से 22 दिसंबर को पीतल के बर्तन, जेवरात और कुंतलों अनाज चोरी हो गया था। एसएसआई राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए विष्णु, चंदन, ललित, विकास, सुरजीत, सचिन और सत्यम को दबोचा। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे नशे के आदी हैं और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरियां करते हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है।

राज्य आंदोलनकारी और पूर्व प्रधानाध्यापक ईश्वरी चंद नहीं रहे

खटीमा : वरिष्ठ उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी एवं पूर्व प्रधानाध्यापक सबौरा निवासी ईश्वरी चंद का 75 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। जिनका देहरादून के अस्पताल में उपचार चल रहा था। चंद एक सितंबर 1994 के खटीमा गोलीकांड के दौरान बनारस जेल में उन्होंने 24 दिन तक अनशन पर भी रहे। जिनका बृहस्पतिवार को बनबसा के शारदा घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर यूकेडी जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के धन बहादुर चंद, शिव शंकर भाटिया, जोध सिंह मनोला आदि मौजूद रहे।

बच्चों को दी यातायात के नियमों की जानकारी

जसपुर : सड़क सुरक्षा माह के तहत पुलिस के समेत मिलकर ग्रीनफोर्ड स्कूल के बच्चों ने सुभाष चौक पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक द्वारा बच्चों ने लोगों को यातायात के नियमों के बारे में बताया। महिला एसआई रुचिका चौहान द्वारा जागरूक करते हुए बाइक बिना हेलमेट न चलाने, बाइक पर तीन सवारी को न बैठाने, नाबालिगों को वाहन न देने की अपील की गई। एसएसआई जावेद मलिक ने यातायात के नियमों का पालन न करने पर होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मनोज सिंह, सीमा, कविता आदि मौजूद रहे।

दाह ढाकी में तेंदुए ने पालतू कुत्ते को मारा

खटीमा : तेंदुए ने ग्राम दाह ढाकी में बृहस्पतिवार की सुबह एक पालतू कुत्ते को अपना निवाला बना लिया। घटना से ग्रामीणों में भारी दहशत है। आज सुबह तेंदुए ने घर की रखवाली के लिए ग्राम दाह ढ़ाकी निवासी प्रगट सिंह द्वारा रखे गए पालतू कुत्ते को तेंदुआ उठा ले गया और मार डाला।

नंदनी को मिला राष्ट्रपति मुर्मू से मिलने का मौका

संवाददाता, खटीमा

सिटी कॉन्वेंट स्कूल की कैडेट नंदनी।

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस समारोह के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में आयोजित " एट होम " समारोह सिटी कॉन्वेंट स्कूल की नेवी एनसीसी यूनिट की लीडिंग कैडेट नंदनी के लिए गौरव का क्षण रहा। जहां नंदनी को राष्ट्रपति मुर्मू से भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से भेंट कर लीडिंग कैडेट नंदनी ने अपने अनुभव साझा किए। इस ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायक अवसर का साक्षी बनकर वे अत्यंत उत्साहित एवं गौरवान्वित महसूस कर रही थीं। कैडेट नंदनी के साथ ही सिटी कॉन्वेंट स्कूल के लिए भी गर्व का विषय रहा। प्रबंधन प्रवीण उपाध्याय ने लीडिंग कैडेट नंदनी एवं उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि नंदनी की उपलब्धि विद्यालय, एनसीसी यूनिट के लिए गौरव का विषय है। विद्यालय की नेवी एनसीसी यूनिट की एएनओ सब लेफ्टिनेंट वंदना जोशी ने कहा कि नंदनी ने अपने कठोर परिश्रम, अनुशासन एवं नेतृत्व क्षमता के बल पर यह उपलब्धि प्राप्त की है। उनका आरडीसी 2026 में चयन और राष्ट्रपति से भेंट हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व की बात है। जो अन्य कैडेट्स को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है।

सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं

जसपुर: सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य हर्ष रत्नाकर ने नगर पालिका पहुंचकर सफाई कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उनके द्वारा अफसरों को निर्देश दिए गए।

गुरुवार को पालिका परिसर पहुंचे आयोग सदस्य का सफाई कर्मचारियों ने स्वागत किया। बैठक में सफाई कर्मचारियों ने नियमितीकरण न करने, वर्दी, रिक्शा, फावड़ी, प्रतिमाह वेतन, पीएफ नंबर न मिलने, ठेके पर कार्यरत पांच सफाई कर्मियों को बिना वजह हटाने आदि की समस्याएं रखीं। हर्ष रत्नाकर ने कर्मियों को बताया कि 10 वर्ष से ऊपर सेवा दे रहे सफाई कर्मचारियों को नियमितीकरण करने, कट ऑफ डेट वर्ष 2018 से बढ़ाकर वर्ष 2025 करने को सीएम को पत्र भेजा गया है। इस बाबत उनके द्वारा आगामी 3 फरवरी को सीएम से मिलने की बात कही गई। इस मौके पर ईओ उदयवीर सिंह, महेंद्र रही, अरविंद कुमार, बृजेश, शिवकुमार, शिवा, राजेश आदि मौजूद रहे।

बैठक में पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं के हित में महत्वपूर्ण मांगें उठाई गईं

पूर्व सैनिकों व वीरनारियों को किया सम्मानित

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर के सैनिक भवन चक्कीमोड़ में आयोजित बैठक में मौजूद पूर्व सैनिक व वीरांगनाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर के तत्वावधान में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने प्रदेश सरकार से पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं के हित में महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। उन्होंने क्षेत्र में सीएसडी कैंटीन खोले जाने तथा पूर्व सैनिकों द्वारा आवास के लिए खरीदी भूमि पर प्राधिकरण द्वारा लगाई गई रोक को तत्काल हटाने की मांग की। इस दौरान पूर्व सैनिकों व वीरनारियों को सम्मानित किया गया।

गुरुवार को सैनिक भवन चक्कीमोड़ में आयोजित बैठक समिति ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व कै.धन सिंह कोरंगा ने की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान हाल में आयोजित 'एक शाम सैनिकों के नाम' कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले पूर्व सैनिकों और वीरनारियों को सम्मानित किया गया। पूर्व सूबेदार मेजर विक्रम सिंह रावत ने कहा कि पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं ने देश की सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है, ऐसे में उनकी मूलभूत सुविधाओं और अधिकारों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सीएसडी कैंटीन खुलने से पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों द्वारा आवास हेतु खरीदी गई भूमि पर लगी रोक हटाने से सम्मानपूर्वक जीवन यापन करने में सुविधा होगी। संचालन समिति के सचिव भगत सिंह धर्मशक्तू एवं सेना मेडल गोविंद सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर पूर्व कै.खुशाल सिंह मेहता, पूर्व सूबेदार मेजर सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह कुंवर व खड़क सिंह कार्की, सूबेदार लाल सिंह नयाल व दुर्गा सिंह राणा, सूबेदार भगवत सिंह पांगती, मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक, रमेश कन्याल, महेश दानू, देव सिंह धर्मशक्तू, दान सिंह बड़ती, गोपाल सिंह ठठोला, कविता नेगी, दीपा पपोला, प्रियंका जोशी, दीपा खानका, चंद्रकला पानू, जीवन त्रिपाठी, राजेंद्र सिंह पानू, विनोद भट्ट, महेंद्र सिंह पपोला, राजेंद्र सिंह कोरंगा, जगत सिंह पानू, तारा सिंह बिष्ट, जलपान सिंह देऊपा, लोकपाल शाही आदि मौजूद रहे।

बंदूक के बल पर लूट करने वाले गिरोह का खुलासा, एक गिरफ्तार

पुलिस ने बदमाश के कब्जे से लूटी गई नगदी, मोबाइल और अवैध हथियार किए बरामद

● बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र से पकड़ा गया आरोपी

संवाददाता, किच्छा/पुलभट्टा

पुलभट्टा क्षेत्र में हुई लूट की घटना का खुलासा करते एसएसपी मणिकांत मिश्रा।

अमृत विचार: पुलभट्टा थाना पुलिस ने बरा-बरी क्षेत्र में एक सप्ताह पूर्व हुई सनसनीखेज लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश के कब्जे से लूटी गई नगदी, मोबाइल और अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

विगत 22 जनवरी की रात ग्राम बरा निवासी नरेश कुमार के घर में तीन हथियारबंद बदमाशों ने घुसकर पूरे परिवार को बंधक बना लिया था। बदमाशों ने तमंचे के बल पर 87,000 की नगदी, सोने-चांदी के जेवर और दो मोबाइल फोन लूट लिए। जाते समय बदमाशों ने ग्राम बरी निवासी शिवकुमार पाल के घर से एक मोटरसाइकिल भी चोरी की और परिजनों को कमरे में बंद कर फरार हो गए।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर गठित टीमों ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से यूपी, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में दबिश दी। पुलिस ने बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र से आरोपी इस्लाम हुसैन को दबोच लिया। आरोपी के पास से 26,500 की नगदी, एक लूटा गया मोबाइल और 315 बोर का अवैध तमंचा बरामद हुआ है।

सगे भाई के साथ मिलकर रची साजिश

किच्छा/पुलभट्टा : पूछताछ में इस्लाम ने कुबूल किया कि उसने अपने सगे भाई अबरार और दोस्त शकील के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। लूट के माल का आपस में बंटवारा कर लिया गया था। पुलिस ने मामले में आयुध अधिनियम और बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। फरार दो आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। आरोपियों को पकड़ने वाली टीम में पुलभट्टा थाना अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, दिनेशपुर थाना अध्यक्ष रविंद्र सिंह बिष्ट, पंतनगर थाना अध्यक्ष नंदन सिंह रावत, उपनिरीक्षक दिनेश चंद्र भट्ट, उप निरीक्षक धीरज वर्मा, उप निरीक्षक प्रदीप पंत, उप निरीक्षक पंकज कुमार, उप निरीक्षक जगत सिंह शाही, उपनिरीक्षक दीपक जोशी, उप निरीक्षक अनवर अहमद, अपर उप निरीक्षक प्रताप सुयाल आदि शामिल थे।

आरपीएफ में नौकरी का झांसा देकर ठगी

रुद्रपुर: सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। ठगों ने खुद को पुलिस का उच्च अधिकारी बताकर एक व्यक्ति से 6.50 लाख हड़प लिए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गणेश गार्डन, फुलसुंगा निवासी रामेश्वर सिंह को फरवरी 2025 में एक अज्ञात व्हाट्सएप कॉल आई। कॉलर ने अपनी पहचान ''नीरज यादव'' के रूप में दी और खुद को एसटीएफ अधिकारी बताया। उसने दावा किया कि उसका भाई दिल्ली में आरपीएफ का महानिदेशक है और वह सीधे भर्ती करवा सकता है।

रामेश्वर ने अपने दो भाइयों की नौकरी के लिए दस्तावेज भेजे। जालसाज ने रजिस्ट्रेशन और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर किश्तों में कुल 6.50 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। जब ठग ने और पैसों की मांग की, तो पीड़ित को संदेह हुआ। पैसे देने से मना करने पर आरोपी का मोबाइल नंबर बंद हो गया। धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने धोखाधड़ी और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

कैंटर-टेंपो की भिड़ंत में छह स्कूली बच्चे घायल

राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में घायलों के उपचार के दौरान मौजूद अभिभावक।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: दिनेशपुर-जाफरपुर मार्ग पर आनंदखेड़ा के पास गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। सवारियों से भरे टेंपो को सामने से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में टेंपो सवार छह स्कूली बच्चे और तीन महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टेंपो दिनेशपुर से सवारियां लेकर जाफरपुर की ओर जा रहा था। आनंदखेड़ा के संकरे पुल पर सामने से आ रहे कैंटर ने उसे सीधी टक्कर मार दी। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार बच्चे व महिलाएं सड़क पर जा गिरे। मौके पर मची चीख-पुकार के बीच स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया। स्थानीय निवासियों ने घायलों को निजी वाहनों से राजकीय प्राथमिक चिकित्सा केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया। दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

मेधावी बच्चों की माताएं सम्मानित

● रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ

संवाददाता, खटीमा

भूड़ाकिशनी में अभिभावकों को मतदान जागरूकता के बाद शपथ दिलाते अतिथि।

अमृत विचार: राजकीय प्राथमिक विद्यालय भूड़ाकिशनी में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत चल रहे सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण का बृहस्पतिवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ।

प्रशिक्षण के अंतिम दिन संदर्भदाता रमेश चंद्र तिवारी, बलवंत सिंह खाती ने विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों को सरकारी विद्यालयों द्वारा दी जा रही आधुनिक शिक्षा से परिचित कराया और नवोदय तथा एकलव्य आवासीय विद्यालय में अधिकाधिक चयन के अनेक उदाहरण दिए। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय में चयनित जीआईसी सैजना की महिमा राणा की माता राकेशवती को प्रधानाध्यापिका बीना पांडे और प्राथमिक विद्यालय भूडियाथारु की एकलव्य आवासीय विद्यालय में चयनित आस्था राना की मां पूनम देवी को प्रधानाध्यापिका छाया और रवि जोशी को नोडल अधिकारी महेंद्र प्रताप पांडे द्वारा सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण में आए समस्त अभिभावकों को मतदाता जागरूकता शपथ भी कराई गई। नोडल अधिकारी ने कहा कि समस्त एसएमसी सरकारी विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का भरपूर लाभ उठाएं। इस अवसर पर चूड़ामणि, आंचल राना, मीना देवी, मंजू, गंगा देवी, रेनू देवी, रमिता देवी, बीना देवी, रानी देवी आदि उपस्थित रहे।

ट्रक और गन्ने की ट्रॉली में टक्कर

जसपुर: गन्ना लेकर चीनी मिल जा रहे एक किसान की ट्रॉली में सामने से आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में ट्रॉली सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई और गन्ना बिखर गया। वहीं ट्रक ड्राइवर केबिन में फंस गया। दुर्घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा। वहीं गन्ना किसान भी घायल है।

गुरुवार की सुबह ग्राम मेघावाला निवासी किसान जसवंत सिंह अपनी ट्रैक्टर ट्रॉली से गन्ना लेकर चीनी मिल नादेही जा रहे थे। तभी महुवाडाबरा में फीका पुल के पास मोड़ पर सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी ट्रॉली में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रॉली टूट कर सड़क किनारे गड्ढे में गिर गई। साथ ही ट्रक के भी आगे से परखच्चे उड़ गए।

विद्यालय प्रबंधन पर परीक्षा से वंचित करने की धमकी का आरोप

● भाजपाई और छात्रसंघ पदाधिकारी बीईओ से मिले

संवाददाता, खटीमा

खंड शिक्षा अधिकारी से वार्ता करते भाजपा कार्यकर्ता और पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारी।

अमृत विचार: निजी विद्यालयों द्वारा मासिक शुल्क को लेकर बच्चों के उत्पीड़न की शिकायत पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पूर्व छात्र संघ पदाधिकारी ने खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का घेराव किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने खंड शिक्षा अधिकारी को लोहियाहेड रोड स्थित निजी स्कूल के द्वारा अभिभावकों को फीस एडवांस जमा करने को लेकर दबाव बनाने एवं फीस समय से न जमा होने पर अतिरिक्त शुल्क के साथ बोर्ड परीक्षाओं में न बैठने देने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कुछ अन्य निजी विद्यालयों पर अभिभावकों पर एडवांस फीस जमा करने का दबाव बना रहे हैं जो बच्चे विद्यालय में काफी समय से अध्ययनरत है। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गणेश ठुकराती ने कहा कि स्वयं उनके बच्चे को इस प्रकार के उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा है। भाजपा पूर्व नगर मंडल महामंत्री मनोज बाजवा ने कहा कि जो निजी विद्यालय इस प्रकार का दबाव बनाने और बच्चों के मानसिक उत्पीड़न करने में शामिल है उनकी मान्यता रद्द करनी चाहिए। इस अवसर पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष किशोर जोशी, पूर्व सभासद नीरज रस्तोगी, भाजपा जिला महामंत्री भुवन जोशी, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सतीश भट्ट, दीपक सामंत मौजूद रहे।

लामबंद

जिलाधिकारी को प्रेषित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

भाकियू की मासिक बैठक में उठाया धान के भुगतान का मामला

संवाददाता, जसपुर

जसपुर में तहसीलदार को ज्ञापन देते किसान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भाकियू की मासिक बैठक में किसानों ने धान भुगतान के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। साथ ही अन्य समस्याओं पर चर्चा कर जिलाधिकारी को प्रेषित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।

गुरुवार को मंडी समिति सभागार में हुई बैठक में किसानों ने कहा कि धान खरीद का पोर्टल खुलने की आस एवं अधिकारियों के आश्वासन पर उन्होंने अपना धान राइस मिलों पर डाला था। लेकिन पोर्टल नहीं खुला। बीते दिनों हुई बैठक के बाद किसानों को मिलर्स ने 2280 रुपये के हिसाब से रकम देने का वादा किया था। जिसके बाद कुछ मिलर्स ने रकम किसानों को दी। लेकिन कुछ ने रकम देने से इंकार कर दिया। किसानों ने कहा कि सरकार द्वारा लावारिश पशुओं के लिए बनाई गई गौशाला में पशुओं को छुड़वाने, किसानों के बिजली बिलों में लग कर आ रहे एएसडी एवं अन्य चार्ज को हटाने की मांग की। बैठक के बाद किसानों ने अपनी मांगों का ज्ञापन तहसीलदार दलीप सिंह को सौंपा। यहां जागीर सिंह, अमनप्रीत, संजीव चौधरी, किशन सिंह मौजूद रहे।

31 जनवरी तक गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील

बाजपुर : दि बाजपुर को-आपरेटिव शुगर फैक्ट्री लिमिटेड ने गन्ना पेराई सत्र 2025-26 को लेकर मिल बंदी की द्वितीय सूचना जारी की है। मिल प्रबंधन ने गन्ना आपूर्ति में लगातार आ रही कमी को देखते हुए किसानों से 31 जनवरी तक अनिवार्य रूप से गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है।मिल प्रबंधन के अनुसार आयुक्त गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग उत्तराखंड द्वारा इस पेराई सत्र में मिल गेट के अतिरिक्त 31 बाह्य गन्ना क्रय केंद्र सुरक्षित किए गए थे। इनमें से मिल समिति द्वारा 19 बाह्य गन्ना क्रय केंद्रों का संचालन किया गया। हालांकि गन्ने की अत्यधिक कमी और अधिकांश गन्ना क्रय पूर्ण हो जाने के चलते अब तक 10 बाह्य गन्ना क्रय केंद्र बंद किए जा चुके हैं। गन्ना आपूर्ति कम होने के कारण मिल अपनी पूर्ण क्षमता से संचालन नहीं कर पा रही है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 27 जनवरी को गन्ना उपलब्ध न होने के कारण मिल को बंद भी करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट संकेत मिल रहा है कि अधिकांश किसानों का गन्ना समाप्त हो चुका है। वर्तमान में केवल नौ गन्ना क्रय केंद्रों तथा मिल गेट पर उपलब्ध शेष गन्ना ही पेराई के लिए बचा है, जिसके भी 31 जनवरी तक समाप्त होने की संभावना जताई गई है। मिल प्रबंधन ने सभी गन्ना आपूर्ति करने वाले कृषकों से आग्रह किया है कि जिन किसानों के पास अभी भी चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना उपलब्ध है, वह निर्धारित तिथि तक अनिवार्य रूप से गन्ना आपूर्ति करें। मिल प्रबंधन ने यह भी स्पष्ट किया है कि 31 जनवरी के बाद किसी भी दिन पेराई सत्र 2025-26 के लिए मिल को अंतिम रूप से बंद किया जा सकता है। इस सूचना के बाद क्षेत्र के गन्ना किसानों में हलचल मच गई है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139
आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरुण सक्सेना – 7830388088
सीएलएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – दीपक पाण्डेय – 7055095195

भौतिक कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

चूँकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत हिंदुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड (एचएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाने, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक **30-08-2024** को उधारकर्ता **श्री विप्लव बाछाड़ एवं श्रीमती सुषमा बाछाड़, दुर्गा मंदिर वार्ड नंबर 4 दिनेशपुर, दिनेश पुर,, सेमीअर्बन, रुद्रपुर, उत्तराखंड, भारत – 263160, ऋण खाता संख्या UP/HDW/RDRP/A000000200** के अंतर्गत सूचना में उल्लिखित 28-08-2024 के अनुसार राशि **रु. 10,38,259/-** (रूपये दस लाख अड़तीस हजार दो सौ उनसठ मात्र) के उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर तक चुकाने के लिए कहा गया है।

उधारकर्ताओं द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, उधारकर्ताओं और आम जनता को नोटिस दिया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आज दिनांक **24-01-2026** को नीचे वर्णित संपत्ति का सांकेतिक कब्जा ले लिया है।

उधारकर्ता का ध्यान, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

एतद्द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को संपत्ति से संबंधित लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती और संपत्ति से संबंधित किसी भी लेन–देन एचएचएफएल द्वारा यहां उल्लिखित राशि और उस पर ब्याज का भार लगाया जाएगा।

संपत्ति का विवरण

0,,खाता खतौनी नंबर 00502 खसरा नंबर 606 वार्ड नंबर 3 ग्राम चंद्रायन तहसील गदरपुर जिला उधम सिंह नगर, चंद्रायन, एसबीआई, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263160, प्लॉट क्षेत्र –920 उत्तरः गोविंद की भूमि,: दक्षिण– गोविंद की भूमि, पूर्वः 15 फीट ब्लॉक पक्की सड़क बेगम, पश्चिमः गोविंद की भूमि

दिनांकः 30.01.2026 स्थानः हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

सिटी ब्रीफ

आधे दिन तक छाया रहा कोहरा, फिर खिली धूप

काशीपुर : बृहस्पतिवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। हालांकि कोहरा दोपहर एक बजे के आसपास छट गया था, लेकिन धूप हल्की रही। गलन के चलते रात में ठिठुरन बढ़ी गई। बृहस्पतिवार सुबह घने कोहरे के चलते यातायात प्रभावित दिखा। सड़क पर वाहन रेंगते हुए नजर आए और वाहनों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। हाईवे पर वाहनों की रफ्तार कम रही और कई स्थानों पर लोग अपने गंतव्य तक देरी से पहुंचे। घने कोहरे का असर किसानों और दिहाड़ी मजदूरों पर भी देखा गया। सुबह खेतों की ओर से जाने वाले किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दिन में हल्की धूप के चलते शाम को ठिठुरन काफी बढ़ रही है।

किसान विकास क्लब की बैठक आज

काशीपुर : किसान विकास क्लब की मासिक बैठक का आयोजन 30 जनवरी दोपहर 12 को अनाज मंडी काशीपुर के अतिथि गृह में किया जाएगा। इस दौरान वर्तमान में आ रही किसानों की समस्याओं पर चर्चा करके सरकार की ओर से निराकरण कराने का प्रयास किया जाएगा। क्लब के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार शर्मा ने अधिक से अधिक संख्या में किसानों को बैठक में सम्मिलित होने का आह्वान किया है।

आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

बाजपुर : बाजपुर क्षेत्र के ग्राम मुंडिया कलां में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया गया गांव में किसी बात को लेकर दो पक्षों में पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट होने लगी, जिसमें एक युवक घायल हो गया। परिजनों द्वारा पुलिस के माध्यम से घायल युवक को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से पूछताछ की।

तीन वारंटी दबोचे

खटीमा : कोतवाली पुलिस की बाजार चौकी प्रभारी जीवन सिंह चुफाल ने बुधवार शाम गिरफ्तार आरोपी फईम, सद्दाम हुसैन निवासी वार्ड संख्या चार इस्लामनगर और धारा 8 / 21 एनडीपीएस एक्ट के आरोपी अफसर अली उर्फ जोंटी निवासी वार्ड संख्या नौ इस्लामनगर को विभागीय कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर दिया।

गौशाला के नाम पर किसान की भूमि पर लगाए पिलर उखाड़े

भाकियू ने ग्रामीणों के साथ किया प्रदर्शन, नगर निगम पर परेशान करने का आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम ने कचनाल गोसाई में गौशाला के नाम पर एक किसान के करीब दो एकड़ खेत को सरकारी बताकर सीमेंट के खंभे लगा दिये। किसान के विरोध करने पर पहुंचे किसान नेताओं ने निगम द्वारा लगाए खंभे उखाड़ कर फेंक दिये।

कचनाल गुसाईं निवासी विपिन कांबोज ने किसान युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू को सूचना दी कि गांव में उसकी करीब चार एकड़ जमीन है। करीब दो हफ्ते पहले नगर निगम की टीम उसके खेत पर पर पहुंची और उसकी करीब दो एकड़ जमीन को सरकारी जमीन बताकर सीमेंट के खंभे गड़ा गये। उसने किसान नेता जीतू से उसकी जमीन वापस दिलाने की मांग की। गुरुवार को किसान नेता जितेंद्र सिंह जीतू के नेतृत्व में दर्जनों किसान और महिलाएं मौके पर पहुंचे। इस दौरान निगम द्वारा लगाए गये खंभों को उखाड़ कर फेंक दिया गया। साथ ही वहां किसान यूनियन ने अपना बोर्ड लगा दिया, कि यह जमीन बंजर नहीं है। पीड़ित किसान विपिन कांबोज का कहना है कि नगर निगम उनकी दो एकड़ भूमि को अपना बता दस दिन पहले नाप जोप के बाद पिलर लगा गए। इसका उन्होंने विरोध भी किया लेकिन वह नहीं माने। नगर निगम गलत तरीके से इसे अपना बता रही है। पीड़ित विपिन ने बताया कि उनके पिता का 11 मई 2021 में कोरोना काल में मृत्यु हो गई थी। उससे पहले वह पच्चास सालों से खेत में फसल लगा रहे थे। विपिन की माता चंदो देवी ने बताया कि शादी के बाद से उन्होंने अपने पति को खेत संभालते देखा है। आज उनके बच्चे बड़े हो चुके हैं। किसान यूनियन युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र सिंह का कहना है कि किसानों की जमीन पर बिना सबूत बंजर भूमि बता पिलर लगाने की कार्रवाई की गई है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार जगह-जगह अपनी जमीन बता कर किसानों को परेशान कर रही है। इसके खिलाफ जल्द प्रदेश स्तरीय आंदोलन छेड़ा जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में भाकियू जिलाध्यक्ष उदित शर्मा, नितिन, चंदा देवी, कमलेश रानी, नवनीत, हरि सिंह, मुख्तार, नरेश कुमार, हरिओम, तुंगल सिंह आदि मौजूद रहे।

काशीपुर में पीड़ित किसान की भूमि पर प्रदर्शन करते किसान यूनियन के पदाधिकारी और ग्रामीण। ● अमृत विचार

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

काशीपुर: कृषि उत्पादन मंडी समिति के विपणन अधिकारी के साथ मारपीट करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज (जू.डि.) ने कुंडा थाना पुलिस को राइस मिल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष समेत कई लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

मंडी समिति के मार्केटिंग इंस्पेक्टर अश्वनी वर्मा ने अपने अधिवक्ता रंजीत सिंह एडवोकेट के माध्यम से न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर कहा था कि 31 अक्टूबर 2025 को वह अपने कार्यालय में सरकारी कार्य कर रहा था। तभी राइस मिलर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु अरोरा अपने भाई, अंकुर कपूर, सुधीर चौधरी व अमित कपूर आदि 20-25 व्यक्तियों की भीड़ के साथ उनके कार्यालय में जबरन घुस आए। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज की, सरकारी दस्तावेज फाड़े। इन लोगों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की और कार्यालय में बंद कर जान से मारने की धमकी दी। हमलावरों ने कार्यालय में आग लगाने की भी धमकी दी। तहरीर देने पर भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। न्यायालय ने कुंडा थाना पुलिस को आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

समर स्टडी हॉल में यातायात नियमों की जानकारी देते यातायात पुलिस कर्मी।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: समर स्टडी हॉल विद्यालय में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत काशीपुर ट्रैफिक पुलिस द्वारा 36वां सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क सुरक्षा के महत्व को समझाना था।

इस सड़क सुरक्षा कार्यक्रम में ट्रैफिक इंस्पेक्टर नीरज कुमार तथा एसआई अरुण कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ट्रैफिक सिग्नल का पालन, निर्धारित गति सीमा, सड़क पार करने के सुरक्षित तरीके तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर प्रकाश डाला। ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक होने का प्रमाण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और अपने परिवार व समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें। प्रधानाचार्य अनुज भाटिया ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर नीरज कुमार तथा एसआई अरुण कुमार व ट्रैफिक पुलिस टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं।

सड़क हादसे का आरोपी बस चालक दोषमुक्त

● फैक्ट्री प्रबंधक को टक्कर मारने का मामला

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: न्यायिक मजिस्ट्रेट/ सिविल जज (जू. डि) की अदालत ने सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु कारित करने के आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

मोहल्ला कटोराताल निवासी शमशाद ने कुंडा थाना पुलिस को तहरीर दी थी कि वह नैनी पेपर में प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। 03 अप्रैल, 2012 को वह अपने सहकर्मी सौरभ श्रीवास्तव के साथ बाइक से काशीपुर आ रहा था। उनके आगे अपनी सेंट्रो कार से रिकवरी प्रबंधक अविनाश जा रहे थे। मुरादाबाद रोड पर बस संख्या यूपी 21 एएन 2256 के चालक ने उनकी सेंट्रो कार को टक्कर मार दी। घायल अविनाश बंसल को अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर बस चालक सम्भल निवासी विजय कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। चार्जशीट प्रस्तुत होने पर केस की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट/ सिविल जज (जू. डि) की अदालत में हुई। बचाव पक्ष की ओर से पैरवी अधिवक्ता धर्मेंद्र तुली एडवोकेट ने की। दोनों पक्षों को सुनने और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए अदालत ने आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

अतिक्रमण से सड़कें ब्लॉक

जसपुर: अतिक्रमण के कारण नगर में प्रवेश के मुख्य मार्ग ब्लॉक हो गए हैं। आलम ये है कि दो पहिया वाहनों को भी निकलने का रास्ता नहीं मिलता। नगर में प्रवेश का मुख्य मार्ग गांधी पार्क इन दिनों अतिक्रमण की जद में है। पार्क के चारों तरफ लगे फड़, खड़े ई-रिक्शा एवं ठेलों के कारण गांधी पार्क की दुर्दशा हो रखी है। वहीं पार्क के सामने सड़क पर दिन भर व्यापारियों के ट्रक खड़े होने से मार्ग अवरुद्ध हो जाता है। जिससे स्कूली वाहनों एवं राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहीं बीच सड़क में टूटे नाली स्लैब के कारण दुर्घटनाएं होती रहती है। उधर नगर के ठाकुर मंदिर चौक पर बीते वर्ष अतिक्रमण हटाने के बाद से फिर अतिक्रमण हो गया। दिन भर ई-रिक्शा के कारण नगर में जाम की स्थिति बनी रहती है।

शिविर में 41 शिकायतों का किया निस्तारण

● जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत आयोजन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राजकीय प्राथमिक विद्यालय बांसखेड़ा खुर्द में आयोजित जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार अभियान के तहत आयोजित शिविर में मौके पर आई 76 शिकायतों में से 41 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा 54 दाखिल खारिज किए गए और 19 आय, जाति और स्थायी प्रमाण पत्र जारी किए गए।

गुरुवार को शिविर की अध्यक्षता दर्जा राज्यमंत्री सुरेश भट्ट ने की। उन्होंने जन समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को मौके पर निस्तारण के आदेश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए स्टॉल लगाए गए। सहकारिता विभाग द्वारा छह लोगों को ब्याज रहित लोन दिए गए। श्रम विभाग द्वारा ग्रामीणों को कंबल और छाता वितरित किए गए। विधायक त्रिलोक सिंह चीमा ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस पहल का ग्रामीणों को सीधे लाभ मिल रहा है।

इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी शिकायतें अधिकारियों को बताई।

इस मौके पर तहसीलदार पंकज चंदोला, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रभा, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष जसपाल सिंह जस्सी, एआरटीओ प्रवर्तन संदीप वर्मा सहित जल संस्थान, जल निगम, विद्युत विभाग सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

काशीपुर में ग्रामीणों के बीच राज्यमंत्री सुरेश भट्ट और विधायक त्रिलोक सिंह चीमा। ● अमृत विचार

शिविर के समापन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं बालिकाएं।

शिविर में छात्राओं ने पेश किए रंगारंग कार्यक्रम

बाजपुर : आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना का सात दिवसीय विशेष शिविर उत्साह के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से सेवा का संदेश दिया। समापन समारोह का शुभारंभ विद्यालय कमेटी के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र खत्री, प्रबंधक सुनील खन्ना और प्रधानाचार्य डॉ. प्रीति रस्तोगी ने किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और "बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ" विषय पर एक प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ. नरेंद्र खत्री ने स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सेवा भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और जीवन में अनुशासन अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी अनीता राठौर ने शिविर की सात दिवसीय गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस दौरान नानू उप्रेती श्वेता गुप्ता, अनुलता बर्मन मौजूद रहे।

पार्षद की हार्ट अटैक से हुई मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: नगर निगम वार्ड नंबर 25 के पार्षद शरीफ सिद्दीकी का हार्ट अटैक के बाद इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में गुरुवार की सुबह निधन हो गया। बीते मंगलवार को उन्हें हार्ट अटैक के चलते एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। नगर निगम सभागार में शोक सभा कर उनकी मृत्यु पर शोक जताया और अवकाश घोषित कर दिया गया।

पार्षद शरीफ सिद्दीकी को मंगलवार के दिन अचानक हार्ट अटैक हुआ था। इस पर उन्हें मुरादाबाद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मेयर दीपक बाली सहित सभी पार्षद भी उन्हें देखने के लिए पहुंचे थे और डॉक्टरों से मिलकर उनका बेहतर से बेहतर उपचार करने के लिए कहा था। इलाज में आर्थिक दिक्कत ना आए, इसलिए मेयर ने उनका उपचार आयुष्मान योजना के तहत शुरू करा दिया था। गुरुवार तड़के चार बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही सभी पार्षदों, नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों में शोक हो गया। देहरादून गए मेयर बाली पार्षद के निधन का समाचार मिलते ही तुरंत चल दिए और सीधे नगर निगम पहुंचकर शोक सभा में भाग लिया। शोक सभा में सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल साह, कार्यालय अधीक्षक विकास शर्मा, कर अधीक्षक अनिरुद्ध गौड, सफाई निरीक्षक मनोज बिष्ट, वित्त अधिकारी शिवेंद्र खनायत, जितेंद्र कुमार, चौधरी समरपाल सिंह, पार्षद दीपा पाठक आदि मौजूद रहे।

काशीपुर के नगर निगम सभागार में शोक व्यक्त करते मेयर व पार्षद। ● अमृत विचार

बालक- बालिका टीम ने जीते पदक

काशीपुर: हल्द्वानी में आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में ऊधमसिंह नगर की बालक टीम ने स्वर्ण और बालिका टीम ने कांस्य पदक हासिल किया है। 24-25 जनवरी को हल्द्वानी में अंडर-14 बालक मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें यूएस नगर की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं 20 से 21 जनवरी तक हल्द्वानी में अंडर-19 बालिका मुख्यमंत्री चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित की गई। इसमें ऊधम सिंह नगर की बालिका टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया है। कृष्ण, शांतनु, कुनाल, नैतिक, प्रिंस, अनुज, शिवम, अमित, दिव्यांश, अनमोल, निशांत, चंदन, चंदेश्वर, प्रियांशु, महेंद्र ने टीम का प्रतिनिधित्व कर प्रथम हासिल किया है।

काशीपुर में वरिष्ठ अधिवक्ता का शॉल ओढ़ाकर स्वागत करते अतिथि।

वरिष्ठ अधिवक्ता मिश्रा का शॉल ओढ़ाकर किया सम्मान

काशीपुर : बार एसोसिएशन काशीपुर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा को सम्मानित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष गिरिजेश खुल्वे, सचिव यशवंत सिंह चौहान और द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रीतेश कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मान दिया। अध्यक्ष खुल्वे ने कहा कि शैलेंद्र कुमार मिश्रा एडवोकेट काफी लंबे समय से सफलतापूर्वक अधिवक्ता कार्य कर रहे हैं। उनके किए गए कार्यों के लिए उन्हें सम्मानित किया जा रहा है। बता दें कि वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार मिश्रा को पूर्व में उत्तराखंड रत्न और काशीपुर गौरव की उपाधि से भी सम्मानित किया जा चुका है। इस मौके पर न्यायिक मजिस्ट्रेट विनीत कुमार श्रीवास्तव, सिविल जज जूनियर डिवीजन पूनम तोड़ी, प्रथम अपर सिविल जज दीप्ति पंत, द्वितीय अपर सिविल जज आयशा फरहीन, तृतीया अपर सिविल जज सृष्टि बनियाल, उपाध्यक्ष विद्युशेखर शर्मा, उपसचिव अंकित चौधरी आदि मौजूद रहे।

कार्रवाई

महापौर ने 4 फरवरी तक काम कराया स्थगित

आरओबी पर हाइट बैरियर लगाने का विरोध

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: आरओबी पर हाइट बैरियर लगाए जाने के विरोध में आज यहां स्टेशन रोड के व्यापारियों ने भारी विरोध जताया और अपने बीच महापौर दीपक बाली को बुलाकर उन्हें अपनी व्यथा सुनाई। फिलहाल महापौर ने काम कर रहे ठेकेदार को 4 फरवरी तक काम स्थगित करने के लिए कहा है और उसके बाद सभी संबंधित विभागों की बैठक कर पीड़ित दुकानदारों के दर्द का समाधान किया जाएगा।

स्टेशन रोड पर आरओबी के आसपास सर्विस रोड बहुत कम होने के कारण बड़े वाहन नहीं निकल पाते हैं। साथ ही दुर्घटनाओं का भी डर बना रहता है और जगह कम होने के कारण ग्राहक भी नहीं आते, क्योंकि कई बार पुलिस भी वाहन सड़क पर खड़ा कर देने पर ग्राहकों का चालान कर देती है। ऐसे में ग्राहक न आने से दुकानदार बहुत परेशान हैं। उनका कहना है कि हाइट बैरियर लगने से बड़े वाहन कहां से जाएंगे। व्यापारियों ने प्रश्न उठाया कि जब पुल पर वाहन ही नहीं चलेंगे तो फिर इसको बनाया ही क्यों गया? उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रभात साहनी के नेतृत्व में एकत्र हुए दुकानदारों ने महापौर दीपक बाली को अपने बीच बुलाया और उन्हें अपनी समस्या से अवगत कराया। एनएच के अभियंता का फोन न मिलने पर महापौर ने बैरियर लगाने का काम कर रहे ठेकेदार जितेंद्र कुमार शर्मा से मोबाइल पर बात की और उन्हें 4 फरवरी तक यह काम स्थगित करने के लिए कहा और बताया कि उसके बाद सभी विभागों की एक बैठक कर समस्या का समाधान किया जाएगा। विरोध कर रहे व्यापारियों में जतिन नरूला, विजय कुमार, विजय सिंह सोलंकी, विशाल गुप्ता, आसिफ, ईशान खान, सुप्रीत चड्ढा, इंद्र मोहन अग्रवाल, जगजीत सिंह सहित दर्जनों व्यापारी शामिल थे।

काशीपुर में मेयर से वार्ता करते व्यापारी। ● अमृत विचार

संकरे अस्थायी पुल से परेशानी

बाजपुर: बेरिया रोड स्थित लेवड़ा नदी पर निर्माणाधीन पुल के पास बनाए गए संकरे अस्थायी मार्ग के कारण लग रहे घंटों लंबे जाम से जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस समस्या के समाधान हेतु उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा से मुलाकात की। अनिल वाल्मीकि ने बताया कि बाढ़ नियंत्रण के लिए पुराने पुल को ध्वस्त कर नए पुल का निर्माण किया जा रहा है। यातायात के लिए बनाया गया अस्थायी पुल इतना संकरा है कि यहां घंटों जाम लगा रहता है। एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा ने बताया कि इस समस्या से जिलाधिकारी को पहले ही अवगत कराया जा चुका है।

जसपुर में विजेता पशुपालक को पुरस्कृत करते अतिथि। ● अमृत विचार

जसपुर में पशु प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

जसपुर : पशुपालन विभाग द्वारा ग्राम करनपुर में विकास खंड स्तरीय पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विजेता पशुओं के पालकों को पुरस्कृत किया। गुरुवार को ग्राम करनपुर में आयोजित पशु प्रदर्शनी में सौ पशुओं का पंजीकरण हुआ। प्रदर्शनी में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर आई गाय एवं भैंस के मालिकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। ग्राम करनपुर के लखविंदर सिंह की भैंस प्रदर्शनी में चैंपियन रही। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज पाल ने पशुपालकों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालन विभाग द्वारा पशु मालिकों को पशुओं के पालन, स्वास्थ्य एवं उपचार संबंधी जानकारी दी। यहां चरनजीत सिंह, राजकुमार गुंबर, तीरथ सिंह, पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सुधांशु मिश्रा, योगेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

संपत्ति के लिए थाने पहुंचीं आठ बहनें

बाजपुर: माता-पिता की मृत्यु के बाद संपत्ति में हिस्सा मांगने को लेकर आठ बहनें अपने सगे भाई के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कोतवाली पहुंचीं। बहनों ने भाई पर धमकी देने और संपत्ति के दस्तावेज कब्जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। संजय कॉलोनी और भोना कॉलोनी निवासी पीड़ित बहनों ने बताया कि उनके पिता का निधन 2012 में हुआ था। परिवार में आठ बहनें और एक भाई है। पिता की संपत्ति में सात मकान और एक प्लॉट शामिल है। 24 जनवरी को माता के निधन के ठीक तीन दिन बाद भाई घर से संपत्ति के सभी कागजात लेकर फरार हो गया। आरोप है कि अब वह बहनों को हिस्सा देने से न केवल इनकार कर रहा है, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दे रहा है।

ब्रीफ न्यूज

योगेश ने विद्यालय को दिए एक लाख रुपए

टनकपुर : लाला चम्भा राम विवेकानंद विद्या मंदिर इंटर कॉलेज टनकपुर के पुरातन छात्र इंजीनियर योगेश चंद्र गड़कोटी पुत्र अमरनाथ गड़कोटी वार्ड नंबर 8 टनकपुर द्वारा विद्यालय में विशाल कक्ष के निर्माण के लिए एक लाख रुपए की राशि दी गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्ण वर्धन जोशी, प्रबंधक दरबान सिंह करायत,अध्यक्ष डॉ देवी दत्त जोशी तथा कोषाध्यक्ष मदन बोहरा द्वारा आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य जोशी ने बताया कि पुरातन छात्रों द्वारा दिए गए दान द्वारा विद्यालय में कई कार्य किये जा रहे हैं इसके लिए विद्यालय उनका सदैव आभारी रहेगा।

पुलिस ने किया वारंटी गिरफ्तार

बनबसा : पुलिस टीम द्वारा एक वारंटी को पकड़कर न्यायालय में पेश किया। न्यायालय से जारी एनबीडब्लू वारंटों का शत-प्रतिशत निस्तारण करते हुए संबंधित वारंटी के विरूद्ध अभियान चलाकर गुरुवार को बनबसा पुलिस टीम के द्वारा कुशल सुरागरसी पतारसी करते हुए न्यायालय से जारी गैर जमानती अधिपत्र का निष्पादन कर बनवारी लाल पुत्र राम लाल निवासी कैनाल रोड बनबसा को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक धीरेन्द्र सिह बिष्ट, हेड कांस्टेबल संजय शर्मा और विजय शंकर मौजूद रहे।

शिविरों में 69 समस्याओं का हुआ समाधान

सचिव डॉ. पांडे ने अधिकारियों को किया निर्देशित, बहुउद्देशीय शिविरों से 998 लोग हुए लाभान्वित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत राजकीय इंटर कॉलेज पिपली में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। न्याय पंचायत स्तर पर आयोजित इस शिविर का उद्देश्य आम जनमानस की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना रहा।

शिविर में सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडे ने प्रतिभाग किया। मौके पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर के माध्यम से अधिकतम लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। शिविर के माध्यम से आम नागरिकों को विभिन्न विभागों की योजनाओं, प्रक्रियाओं एवं पात्रता संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई गई। शासन के निर्देशानुसार नामित कुल 28 विभागों द्वारा शिविर में सहभागिता की गई, जिससे एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाओं का लाभ प्रदान किया जा सका। आयोजित शिविर में लगभग 764 लोगों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान कुल 92 शिकायत पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 57 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

शेष शिकायतों को शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया। शिविर के दौरान 635 से अधिक व्यक्तियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया, जिससे क्षेत्रीय जनता को राहत एवं त्वरित सहायता प्राप्त हुई। सीडीओ रामजी शरण शर्मा ने कहा कि जो शिकायतें मौके पर ही निस्तारित करनी संभव नहीं थी, उनके लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मौके पर जाकर उनका आंकलन करें एवं उनके समाधान के लिए कार्यवाही करें। शिविर में पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, दर्जा राज्य मंत्री दिनेश आर्या, एसडीएम सौम्या गर्त्याल, बीडीओ निवेदिता खुल्बे आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा के पिपली में आयोजित शिविर में मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

12 शिकायतों का मौके पर हुआ समाधान

अल्मोड़ा : विकासखंड स्याल्दे की न्याय पंचायत पैठाणा में भी बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही जनसमस्याएं सुनी गईं तथा योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लोगों को लाभान्वित किया गया। शिविर में कुल 234 लोगों को लाभ प्रदान किया गया। इस दौरान 20 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 शिकायतों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। यहां विधायक सल्ट महेश जीना, एसडीएम याक्षी अरोड़ा ने समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया।

'जन-जन की सरकार जन जन के द्वार' जारी

टनकपुर : डीएम मनीष कुमार ने बताया कि उत्तराखंड शासन द्वारा प्रदेश में नगरीय क्षेत्र के लिए 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत विभिन्न नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाने के लिए निर्देशित किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य जन-सामान्य को केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान करना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करना है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर पूर्ण होने के उपरांत अब नगरीय क्षेत्रों में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। डीएम ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज, पाटी में 4 फरवरी, नेहरू ग्राउण्ड, नगर पालिका लोहाघाट में 6 फरवरी, गौरलचौड मैदान चम्पावत में 11 फरवरी, पूर्णागिरि इंटर कॉलेज बनबसा में 13 फरवरी और गांधी मैदान टनकपुर में 17 फरवरी को शिविर का आयोजन होना है। इन शिविरों में कुल 23 विभाग उपस्थित रहेंगे। डीएम ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि शिविरों में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर विभिन्न योजनाओं व सुविधाओं का लाभ उठाएं।

डिजिटल अरेस्ट व साइबर फ्रॉड से बचाव के बताए गुर

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मौजूद ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, अल्मोड़ा

● थाना दन्या ने चलाया जागरूकता अभियान, दी गई जानकारियां

अमृत विचार: एसएसपी देवेंद्र पींचा के निर्देश पर जिले के समस्त कोतवाली व थाना प्रभारियों द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

एएसपी हरबंस सिंह एवं सीओ गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से दन्या बाजार स्थित रामलीला मैदान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं स्थानीय नागरिकों को वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, तथा लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियमकृके संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही नशे के दुष्प्रभाव, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा, तथा सड़क सुरक्षा माह अभियान के अंतर्गत यातायात नियमों के पालन के विषय में भी जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने आम जनता से कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की तथा आपातकालीन सेवाओं हेतु डायल 112, एवं साइबर अपराध की शिकायत के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

फागोत्सव धूमधाम से मनाएंगे

● 28 फरवरी को आयोजित किया जाएगा फागोत्सव

● रानीखेत क्षेत्र व बाहरी शहरों की महिला टीमें करेंगी शिरकत

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार : सांस्कृतिक समिति रानीखेत द्वारा इस बार भी फागोत्सव भव्य रूप में मनाया जाएगा। फागोत्सव आगामी 28 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। जिसके अंतर्गत महिला होली गायन शोभायात्रा और स्वांग प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जिसमें रानीखेत क्षेत्र व बाहरी शहरों की महिला टीमें शिरकत करेंगी।

सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष विमल सती की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस वर्ष भी फागोत्सव भव्य रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया। फागोत्सव का आयोजन आगामी 28 फरवरी को होगा जिसमें महिला होली गायन शोभायात्रा और स्वांग अभिनय को प्राइज मनी के साथ प्रतियोगिता के तौर पर आयोजित किया जाएगा। निर्णय लिया गया कि इस बार महिला होली गायन और स्वांग अभिनय की प्रतियोगिताएं अलग-अलग होंगी और दोनों प्रतियोगिताओं में अलग-अलग प्राइज मनी व ट्राफी रहेंगी।

निर्णय लिया गया कि शोभा यात्रा केमू स्टेशन से सदर बाजार होकर पंचेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी जहां महिलाओं की स्वांग अभिनय प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम होगा।

समिति के सभी सदस्यों से फागोत्सव की तैयारियों में जुटने को कहा गया। साथ ही प्रतिभागी महिला टीमों से 10 फरवरी तक निःशुल्क पंजीकरण कराने की अपील की गई। बैठक में समिति उपाध्यक्ष राजेंद्र पंत, कोषाध्यक्ष गौरव तिवारी, गीता जोशी, संजय पंत, सोनू सिद्दीकी, पंकज थापा आदि मौजूद रहे।

फागोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक में आयोजक समिति के सदस्य। ● अमृत विचार

पर्यटकों से हुआ विवाद थाने पहुंचा, दी तहरीर

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा के टैक्सी स्टैंड तिराहे पर 26 जनवरी को पर्यटकों द्वारा सड़क पर कूड़ा फेंकने के बाद जब स्थानीय निवासी एक युवक ने रोका तो पर्यटकों ने उसके साथ अभद्रता और गाली-गालौज कर दी। बताया जा रहा है कि पर्यटक कार से उतरकर युवक के साथ हाथापाई पर उतारू हो गए। इस दौरान पीड़ित का मोबाइल छीनकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

हिमांशु पांडे ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि महिला पर्यटकों में से एक ने खुद को प्रशासन से जुड़ा हुआ बताकर धमकी दी और घटना को बढ़ाने की कोशिश की। साथ ही, हिमांशु ने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, लेकिन उनका मोबाइल फोन छीनकर उसे तोड़ दिया गया। यह घटना चर्चा का विषय बन गई है, खासकर इस बात को लेकर कि आरोपियों में से एक महिला पर्यटक एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग खिलाड़ी बताई जा रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस ने किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। इधर, पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। हिमांशु पांडे के साथ तहरीर देने वालों में बजरंग दल के सह संयोजक वैभव जोशी, भाजयुमो प्रदेश प्रवक्ता नमन गुरुरानी, संजय भट्ट और अर्जुन फर्त्याल शामिल है। कोतवाल योगेश चंद्र उपाध्याय ने बताया कि उन्हें तहरीर मिल गई है और मामले की जांच चल रही है।

बंदर पकड़ने का अभियान शुरू

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर क्षेत्र में बंदरों की बढ़ती समस्या से जूझ रही जनता के लिए राहत भरी खबर है। पार्षदों के संयुक्त प्रयासों और धरना कार्यक्रम के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए नगर क्षेत्र में बंदर पकड़ने का अभियान शुरु कर दिया है।

नगर क्षेत्र में बंदरों की समस्या को लेकर पार्षदों ने एकजुट होकर आवाज उठाई थी। उन्होंने बंदरों को पकड़ने का कार्य शीघ्र शुरू कराने के साथ-साथ नगर निगम में आयुक्त की नियुक्ति की भी मांग की थी। पार्षदों की इस मांग पर प्रशासन ने पहले नगर निगम में आयुक्त की नियुक्ति सुनिश्चित की और अब बंदर पकड़ने के अभियान को भी अमल में लाया गया है। पार्षदों ने कहा कि यह अभियान नगर हित में उठाए गए संघर्ष का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंदरों की समस्या पर स्थायी नियंत्रण बनाए रखने के लिए यह अभियान अब प्रत्येक दो महीने में नियमित रूप से चलाया जाएगा, ताकि भविष्य में नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। पार्षदों ने एक स्वर में कहा कि वे जनता की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध हैं और नगर से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। यहां मेयर अजय वर्मा, पार्षद प्रदीप चंद्र आर्य, कुलदीप मेर, वैभव पांडे, चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, गुंजन सिंह चम्याल, दीपक कुमार, रोहित कार्की, हेमचंद तिवारी, जानकी पांडे, अनूप भारती, नवीन चंद्र आर्य, राधा मटियानी, तुलसी देवी, मुकेश कुमार डैनी, भूपेंद्र जोशी, रीना टम्टा, इंतिक्वाब आलम कुरैशी, गीता बिष्ट, कमला किरौला सहित अन्य मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में अभियान के दौरान मौजूद मेयर और पार्षद। ● अमृत विचार

ताकुला में गेट मीटिंग के दौरान प्रदर्शन करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

समस्याओं की अनदेखी पर जताया आक्रोश

अल्मोड़ा, अमृत विचार : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का आंदोलन गुरुवार को भी जारी रहा। विभिन्न विभागों में कर्मचारियों ने गेट मीटिंग की और अब तक मांगों के पूरा नहीं होने पर रोष व्यक्त किया। कहा कि जल्द मांगें पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन होगा। विकासखंड ताकुला में कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर कहा कि लंबे समय से कर्मचारी 18 सूत्रीय समस्याओं के निदान की मांग कर रहे हैं। सरकार की ओर से कई बार मांगों को पूरा करने के लिए आश्वासन भी दिए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। कर्मचारियों को अब भी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। इस कारण कर्मचारियों में नाराजगी है। प्रदर्शन करने वालों में भूपाल सिंह, सूरज बिष्ट, जलज पंत, जगदीश दानु, अनिल कुमार, अमित खड़ाई, भास्कर जोशी, मोहित कांडपाल, ललित कुमार, नरेंद्र बोरा, रविंद्र कोहली आदि शामिल रहे।

कंटर वाटिका का किया उद्घाटन

संवाददाता, बैरती (अल्मोड़ा)

अमृत विचार: पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता अभियान को लेकर क्षेत्र के राजकीय इंटर कॉलेज चित्रेश्वर में कंटर वाटिका का उद्घाटन किया गया। प्रधानाचार्य भोला मोहन आर्य ने अभियान का शुभारंभ करते हुए कहा कि विद्यालय के जीव विज्ञान प्रवक्ता जमुना प्रसाद तिवारी द्वारा कंटर अभियान सन् 2017 से चलाया जा रहा है यह एक प्रेरणादायक अभियान है।

कंटर अभियान में विद्यालय के समस्त शिक्षक/शिक्षिकाओं और कर्मचारियों द्वारा अपनी ओर से कंटर प्रदान किए गए। सभी लोग अपने-अपने कंटर गमलों की देख रेख स्वयं करेंगे। इस प्रकार कंटर वाटिका आसानी से पोषित होती रहेगी। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रधानाचार्य भोला मोहन आर्य ने बताया कि कंटर मैन के नाम से मशहूर शिक्षक जमुना प्रसाद तिवारी कंटर अभियान के माध्यम से लगातार विद्यालयों का सौंदर्यीकरण कर रहे हैं जो अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है। उन्होंने बताया कि बच्चों में पर्यावरण संरक्षण हेतु रुचि जागृत करने के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। कंटर वाटिका के अतिरिक्त तिवारी द्वारा कंटर डस्टबिन भी बनाई जा रही हैं, जिन्हें सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थानों और विद्यालयों में वितरित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में दीवान रावत, टीआर आर्या, हेम सती, अरुण वर्मा, शिवांशु पंत, कुंदन रौतेला, ललित कार्की, अर्चना रावल, रेखा रावत, करन नेगी समेत समस्त शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

कंटर वाटिका अभियान का शुभारंभ करते प्रधानाचार्य भोला मोहन व अन्य।

नए नियम सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार : कांग्रेस के प्रदेश आनंद सिंह माहरा ने कहा है कि 13 जनवरी से लागू किए गए यूजीसी के नए नियम भारतीय संविधान में निहित समानता, सामाजिक न्याय और समावेशी शिक्षा की भावना के प्रतिकूल हैं। ये नियम न केवल शिक्षा व्यवस्था में भेदभाव को बढ़ावा देते हैं, बल्कि समाज को जोड़ने के बजाय उसे बांटने का काम करेंगे।

आनंद माहरा।

कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 समान अवसर और समान शिक्षा का अधिकार सुनिश्चित करते हैं। लेकिन यूजीसी के नए नियम योग्यता के नाम पर सामाजिक संतुलन को कमजोर करने का प्रयास हैं। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य समाज को सशक्त और एकजुट करना होना चाहिए, न कि असमानता और अविश्वास को जन्म देना। प्रदेश सचिव ने केंद्र सरकार से मांग की कि इन विवादित नियमों पर पुनर्विचार किया जाए, सभी हितधारकों, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों से संवाद स्थापित किया जाए तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि शिक्षा नीति पूरी तरह संवैधानिक, समावेशी और समान अवसरों पर आधारित हो। आनंद सिंह माहरा ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी शिक्षा के क्षेत्र में किसी भी प्रकार के भेदभाव के खिलाफ मजबूती से खड़ी है।

दिल का दौरा पड़ने से वन कर्मी की मौत

टनकपुर : पूर्णागिरि क्षेत्र में कार्यरत बूम रेंज के वन कर्मी भरत सिंह कुंवर (50) की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। गुरुवार को बूम के घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

बताया कि भरत सिंह बुधवार की रात अपने गांव आमबाग गए थे। अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें टनकपुर उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित किया। उनके निधन पर पूर्णागिरि मंदिर समिति के अध्यक्ष पंडित किशन तिवारी, उपाध्यक्ष नीरज पांडेय, सचिव सुरेश तिवारी, कोषाध्यक्ष नवीन पांडेय, ग्राम प्रधान पंडित पंकज तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता पंडित राजू तिवारी, पंडित नेत्र बल्लभ तिवारी, पंडित नंदू तिवारी आदि लोगों ने शोक जताया है।

आस्था | दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सात दिवसीय शिव कथा की जा रही आयोजित

भारत ही नहीं, पूरे विश्व में पूजे जाते हैं भगवान शिव

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से एमबी इंटर कॉलेज मैदान में सात दिवसीय श्रीमद् शिव कथा का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। कथा के पहले दिन डॉ. सर्वेश्वर ने भगवान शिव की महिमा का सरल शब्दों में वर्णन किया। डॉ. सर्वेश्वर ने कहा कि भगवान शिव केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में पूजे जाते हैं।

उन्होंने बताया कि शिव उपासना के प्रमाण कई प्राचीन सभ्यताओं में मिलते हैं। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों के आक्रमणों के बाद भी भारतीय संस्कृति का जीवित रहना शिव तत्व का ही परिणाम है। भारत की आत्मा भगवान शिव में बसती है। कथा व्यास ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी आधुनिकता की दौड़ में अपने संस्कारों और शिव तत्व से दूर होती जा रही है, जिसका असर समाज में बढ़ती हिंसा और वैमनस्य के रूप में दिखाई देता है। कथा का उद्देश्य ब्रह्मज्ञान के माध्यम से मनुष्य के हृदय में शिव तत्व को जागृत करना है, ताकि वह सत्यं, शिवं और सुंदरम् के मार्ग पर चल सके। आगे डॉ. सर्वेश्वर ने बताया कि भगवान शिव की पूजा सात समुंदर पार भी होती है। कहा कि तुर्कस्तान, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, मेक्सिको, इटली, जावा और सुमात्रा सहित कई देशों में प्राचीन शिवलिंगों के प्रमाण मिले हैं। कथा का समापन शिव की आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दुग्ध संघ लालकुआं अध्यक्ष मुकेश बोरा, डॉ. जेआर धपोला, निर्मला धपोला, डॉ. पवनदीप धपोला आदि श्रद्धालु रहे।

एमबी इंटर कालेज के मैदान में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीमद् शिवपुराण की कथा सुनते श्रद्धालु और शिवपुराण कथा सुनाते डॉ. सर्वेश्वर।

खड़े वाहनों से टकराई कार, बड़ा हादसा टला

चम्पावत : टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग में बेलखेत के पास एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े दोपहिया वाहनों से टकरा गई। हादसे में किसी को चोट नहीं आई, अलबत्ता तीन दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

गुरुवार की शाम 4:30 बजे करीब चम्पावत से टनकपुर की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े वाहनों से टकरा गई। उसकी चपेट में आने से तीन स्कूटी वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। चल्थी चौकी प्रभारी राकेश कठायत ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कराटे चैंपियनशिप के लिए टीम हुई रवाना

लोहाघाट से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रवाना होने से पूर्व प्रतिभागी। ● अमृत विचार

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार: चम्पावत जिले की कराटे टीम राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्राफी में भाग लेने के लिए रवाना हो गई है। 29 से 2 फरवरी तक देहरादून के आमबाला इंडोर हाल में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। कराटे कोच दीपक सिंह अधिकारी के कुशल नेतृत्व में टीम राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए अंडर-14 बालिका वर्ग 9 प्रतिभागी, अंडर-19 बालिका वर्ग 7 प्रतिभागी, अंडर-14 बालक वर्ग 9 प्रतिभागी, अंडर-19 बालक वर्ग 7 प्रतिभागी टीम में शामिल हैं। जिले के खेल प्रेमियों ने टीम को शुभकामनाएं दी हैं।

अमृत विचार

शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अगर तुम सूरज के चले जाने पर रोओगे, तो तुम्हारे आंसू तुम्हें तारे देखने से रोक देंगे।
–**रवींद्रनाथ टैगोर**, साहित्यकार

दुर्घटना और सवाल

महाराष्ट्र को उपमुख्यमंत्री के बतौर सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले अजित पवार का हवाई दुर्घटना में निधन अत्यंत दुखद है। उनके साथ स्टॉफ पायलट, को-पॉयलट समेत पांच लोगों की मृत्यु ने कई असहज प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे में सीबीआई और अन्य तकनीकी एजेंसियों द्वारा गहन जांच की मांग को 'राजनीति प्रेरित' करार देना उचित नहीं। किसी भी वीआईपी विमान हादसे में पारदर्शी, बहु-एजेंसी तथ्य-आधारित और समयबद्ध जांच विश्वास बहाली का आवश्यक साधन होती है। लीयरजेट अपेक्षाकृत सुरक्षित जेट विमान माने जाते हैं। संबंधित भारतीय निजी कंपनी को भी डीजीसीए के फरवरी 2025 के ऑडिट में बेदाग पाया गया था। मुख्य पायलट के 15 हजार घंटे और सह-पायलट के 1500 घंटे का अनुभव कम नहीं है। अंतिम क्षणों में विमान गिर पड़ा।

यह परिदृश्य तीन आशंकाओं की ओर इशारा करता है। पहला- अचानक तकनीकी खराबी जैसे कंट्रोल सरफेस या हाइड्रोलिक्स या इंजन का असंतुलन, दूसरा-माइक्रोबर्स्ट या विंड-शियर जैसी चुनौती, तीसरा- अंतिम क्षण में निर्णय या कॉन्फ़िगरेशन की त्रुटि। निष्कर्ष के लिए एफडीआर-सीवीआर विश्लेषण ही निर्णायक होगा, लेकिन एयर इंडिया की त्रासदी के महज सात महीने बाद यह हादसा उड्डयन सुरक्षा पर सवाल तो खड़े ही करता है। देश में रोज़ाना पांच लाख से अधिक यात्री उड़ान भरते हैं। हवाई यात्रा अब भी सबसे सुरक्षित परिवहन है, पर जुलाई 2012 से नवंबर 2025 के बीच 112 एक्सीडेंट और 128 गंभीर घटनाएं दर्ज हुईं; छोटे विमानों में जानलेवा हादसों की दर वाणिज्यिक विमानों से 10 से 50 गुना अधिक बताई जाती हैं। इसका अर्थ है कि जनरल एविएशन के मानक शायद छोटे विमानों के लिए कमर्शियल एविएशन के समकक्ष कठोर नहीं हैं। लीयरजेट-45 के 1998 से अब तक आठ बड़े हादसों और 29 मौतों का रिकॉर्ड, तथा सितंबर 2023 में मुंबई में रनवे से फिसलने की घटना, जिसकी जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है, पारदर्शिता की कमी की ओर संकेत करती है। समय पर रिपोर्ट सार्वजनिक होती, तो सुधारात्मक कदम और सीख सामने आते। बारामती एयरपोर्ट की लोकेशन, सीमित संसाधन और बार-बार प्रशिक्षण विमानों की दुर्घटनाएं यह संकेत है कि बुनियादी ढांचे और जोखिम-आकलन में तत्काल सुधार जरूरी है। मैंगलोर, कोझिकोड, इंफाल, लेह जैसे चुनौतीपूर्ण हवाई अड्डों पर रनवे सेफ्टी एरिया, ईएमएएस, उन्नत आईएलएस और जीपीएस-आधारित एप्रोच, रियल-टाइम वेदर रडार और विंड-शियर अलर्ट अनिवार्य किए बिना नित नए एयरपोर्ट खोलना विवेकपूर्ण नहीं है।

डीजीसीए को जनरल एविएशन के लिए अनिवार्य सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम, डेटा-शेयरिंग, थर्ड-पार्टी ऑडिट, पुराने विमानों की चरणबद्ध समीक्षा, सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण की न्यूनतम घंटों की बाध्यता और 'नो-फॉल्ट' सेफ्टी रिपोर्टिंग संस्कृति को सख्ती से लागू करना चाहिए। सरकार को एएआई और राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में प्राथमिकता तय करके काम करना होगा, पहले सुधार, फिर विस्तार। यदि इससे सबक लेकर सुरक्षा ढांचा सुदृढ़ किया जाए, तो यही दुर्घटना के दिवंगतों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

प्रसंगवश

जन भवनः लोकतांत्रिक चेतना का नया अध्याय

उत्तर प्रदेश में 'राजभवन' का 'जन भवन' के रूप में पुनर्संस्कार, स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। यह प्रतीकात्मक परिवर्तन नागरिक गरिमा और सहभागिता को शासन के केंद्र में स्थापित करने का एक सार्थक प्रयास है। राजनीति के व्याकरण को 'अधिकार' से 'कर्तव्य' की ओर मोड़ने वाला यह निर्णय, दरअसल सत्ता के चरित्र को 'शासक' से 'सेवक' के रूप में ढालने का वह वैचारिक साहस है, जो लोकतंत्र को उसकी मूल आत्मा से जोड़ता है।

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'राजभवन' को 'जन भवन' के रूप में नामित किया जाना मात्र एक प्रतीकात्मक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र की मूल आत्मा को पुनः स्मरण कराने वाला एक सशक्त वैचारिक संकेत है। यह निर्णय शासन और जनता के बीच संबंधों को नई, अधिक मानवीय परिभाषा देने की दिशा में उठाया गया साहसिक कदम है, जो सत्ता के चरित्र और उद्देश्य पर गहन पुनर्विचार की मांग करता है।

डॉ. कैलाश चंद सैनी
लेखक

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती; वह समाज की चेतना और दृष्टि को भी आकार देती है। 'राजभवन' शब्द अपने भीतर सत्ता की भव्यता, कठोर प्रोटोकॉल और शासक-शासित के बीच खिंची एक अदृश्य किंतु सुदृढ़ दीवार का बोध कराता है। इसके विपरीत 'जन भवन' उस दीवार को भेदते हुए शासन के केंद्र में 'लोक' की प्रतिष्ठा का संकेत देता है। यह परिवर्तन सत्ता को उत्तरदायित्व, सहभागिता और सेवा से जोड़ता है तथा यह प्रश्न करता है कि स्वतंत्रता के अमृत काल में हमारी सत्ता अब भी 'राज' का विस्तार बनी हुई है या वह वास्तव में 'जन' की आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति बन पाई है।

आचार्य चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' में यह स्पष्ट किया है कि शासक का सुख जनता के सुख में और उसका हित जनता के हित में निहित है। यह सूत्र सत्ता को नैतिक अनुशासन और उत्तरदायित्व के कठोर मानकों से बांधता है। सम्राट अशोक इस दर्शन के सर्वाधिक प्रेरक उदाहरण हैं। कलिंग युद्ध के पश्चात उन्होंने विजय और दमन की नीति त्यागकर प्रशासन को जनकल्याण की दिशा में मोड़ा और यह घोषणा की कि जनता अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकती है। 'जन भवन' की अवधारणा इसी संवेदनशील परंपरा का आधुनिक रूपांतरण प्रतीत होती है।

आधुनिक भारत में महात्मा ज्योतिबा फुले ने इसी विचार को सामाजिक न्याय के धरातल पर उतारा। उनके लिए राजनीति का उद्देश्य महलों की चमक बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति के दुख को कम करना था। उनका यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि किसी व्यवस्था की सफलता का मूल्यांकन महलों की रोशनी से नहीं, बल्कि गरीब की झोपड़ी में घटते अंधकार से होना चाहिए। इसी वैचारिक यात्रा की निरंतरता में सत्ता के सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा स्वयं को 'प्रधान सेवक' के रूप में परिभाषित करना इस बात का संकेत है कि जब सत्ता स्वयं को स्वामी के स्थान पर सेवक मानने लगती है, तब नीतियां कागजों से निकलकर सीधे जनजीवन की पीड़ा और आवश्यकताओं से जुड़ने लगती हैं।

'जन भवन' की सार्थकता केवल नाम परिवर्तन से सिद्ध नहीं होगी। इसे वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए प्रशासनिक कार्यशैली में बुनियादी और जमीनी सुधार अनिवार्य हैं। वास्तविक परिवर्तन तब दिखाई देगा, जब अधिकारियों के आचरण में जनता के प्रति गहरी संवेदनशीलता झलके और नीति-निर्माण में केवल आंकड़ों के बजाय सक्रिय जन-भागीदारी को स्थान मिले।

आम बजट 2026 खुशहाली की आस में मध्यवर्ग

विवेक सक्सेना
अयोध्या

आम बजट 2026 में महज कुछ ही दिन शेष हैं। अगले वित्त वर्ष के लिए तैयार हो रहे बजट में आम आदमी की जेब पर क्या असर पड़ेगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। हर साल बजट का दिन आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। इस बार भी 2026 का बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है। पिछले बजट में कई मांगें अधूरी रह गई थीं, अब नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सरकार आम जनता को क्या बड़ी राहत देती है।

आम आदमी को आयकर में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले बजट में व्यक्तिगत आयकर में कटौती के बावजूद टैक्स ग्रोथ केवल 6.8% रही, जबकि उम्मीद 21.6% थी। इससे सरकार को खर्च के लिए नए स्रोत तलाशने पड़े। हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसके लिए एक आधार बनाकर समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं।

वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा। ईमानदार करदाताओं को प्रोत्साहन हमारी नीतियों के केंद्र में होना चाहिए। सरकार की मंशा एक सीमित वर्ग से कर वसूली के बजाय करों के दायरे का विस्तार करने की होनी चाहिए। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

टैक्स कलेक्शन उम्मीद से कम रहने पर सरकार के राजस्व पर दबाव पड़ा। ऐसे में इस बार टैक्स रिबेट या बड़े स्लैब बदलाव की संभावना कम है। सरकार छोटे-छोटे सुधार, लिमिटेड कटौती और रिबेट ट्यूनिंग के जरिए आम आदमी को थोड़ी राहत दे सकती है, लेकिन महंगाई पर नियंत्रण और राजस्व जुटाने की प्राथमिकता पहले रहेगी। दूसरी ओर, राजस्व बढ़ाने के लिए कुछ वैट या सेवा शुल्क में बदलाव की संभावना है, जिससे रोजमर्रा की चीजों की कीमत पर असर पड़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी और टैरिफ में संभावित बदलाव के चलते पेट्रोल-डीजल, गैस और बिजली पर राहत कम दिख रही है। ऐसे संकेत हैं कि सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश बढ़ेगा, जिससे सड़क, रेल, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। यह आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करेगा। सरकार स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल स्किल्स पर जोर दे सकती है। छोटे-मध्यम व्यवसायों के लिए आसान क्रेडिट पॉलिसी और निवेश पैकेज ला सकती है। इसका सीधा असर नौकरी और व्यवसाय के नए अवसरों में दिखेगा।

लग्जरी और इम्पोर्टेड आइटम महंगे हो सकते हैं, ताकि कैपेक्स और सामाजिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च के लिए अतिरिक्त राजस्व जुटाया जा सके। एक संभावना यह है कि सरकार विनियमन यानी नियमों को और सरल-सुगम बनाने की राह पर ही आगे बढ़े। अच्छे परिदृश्य पर चर्चा करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से आगे बढ़ रही है। सरकार के पहले अग्रिम अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। यह पिछले वर्ष की 6.5 प्रतिशत की वृद्धि से अधिक होगी।

कुछ ही दिन पहले आए दूसरी तिमाही के आंकड़ों में 8.2 प्रतिशत की तेजी दिखी थी। यह वृद्धि सामान्य जनजीवन में भी नजर आती है। वाहनों की बिक्री बढ़ रही है। हवाई यात्रा में तेजी आई है। वित्त, परिवहन, आतिथ्य सत्कार और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों का निरंतर विस्तार हो रहा है। कुछ अपवाद को छोड़ दिया जाए तो महंगाई का रुख भी नरम है। इससे घरेलू बजट पर दबाव घटा है, लेकिन असल समस्या वृद्धि में नहीं, बल्कि आमदनी के स्तर पर है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो अर्थव्यवस्था अधिक वस्तुएं और सेवाएं तो उत्पन्न कर रही है, लेकिन उनका कुल मूल्य उतनी तेजी से नहीं बढ़ रहा है।

कुछ क्षेत्रों में तो कीमतें गिर रही हैं। यह सुनने में अच्छा लग सकता है, लेकिन कुछ दूसरे मोर्चों पर कीमत चुकानी पड़ती है। चाहे जीएसटी हो, आयकर हो या कॉरपोरेट कर, उन पर राजस्व की प्राप्ति लेनदेन के आधार पर ही निर्भर करती है। जब लेनदेन में वृद्धि धीमी होती है तो कर संग्रह भी धीमा हो जाता है। ऐसे में सरकारी आमदनी भले ही घट जाए, लेकिन वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान और कल्याणकारी योजनाओं की देनदारी तो जस की तस बनी रहती है।

जाहिर है कि सरकार को या तो अधिक उधारी लेनी पड़ेगी या किसी अन्य मोर्चे पर कटौती का विकल्प अपनाना होगा। नई महत्वाकांक्षी घोषणाओं को लेकर भी संयम बरतना पड़ेगा। बाहरी मोर्चे पर स्थितियां नियंत्रण में अवश्य, लेकिन जोखिम से मुक्त नहीं हैं। वैश्विक अनिश्चितताएं कभी भी संकट खड़ा कर सकती हैं। तमाम उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं पूंजी प्रवाह को लेकर अस्थिरता का सामना कर रही हैं।

डालर के मुकाबले गिरता रुपया भी प्रभावित कर रहा है। अमेरिकी टैरिफ ने भी चिंताओं को और बढ़ाने का काम किया है। बजट में वित्त मंत्री को इन चिंताओं का संज्ञान लेना होगा। इसमें कर वृद्धि अनुमान को लेकर बहुत सावधानी बरतनी होगी। उधारी की योजनाओं को लेकर भी सतर्कता आवश्यक होगी, ताकि ब्याज अदायगी को लेकर अतिरिक्त बोझ न बढ़े।

आम बजट आम आदमी के लिए उम्मीदों की नई किरण लेकर आता है। कोई टैक्स में राहत चाहता है, कोई नौकरी के नए मौके, तो कोई महंगाई से छुटकारा। बजट लोगों की उम्मीदों का बड़ा इम्तिहान बनने वाला है।

आमने

मुझे अजित पवार की विमान हादसे में मौत की खबर सुनकर गहरा सदमा लगा है। जब राजनीतिक नेता भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा की क्या बात की जाए। दो दिन पहले मुझे पता चला था कि अजित पवार बीजेपी छोड़ने वाले हैं और आज यह घटना हो गई।
–**ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

सामने

ममता बनर्जी निराश और हताश लग रही हैं। उन्हें लगता है कि आने वाले पश्चिम बंगाल चुनावों में उनकी हार होने वाली है, इसीलिए वह इतने गुस्से में प्रतिक्रिया दे रही हैं। अपनी निराशा और हताशा में वह ऐसे कदम उठा रही हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक हो सकते हैं।
–**नरेश बंसल**
भाजपा सांसद

विकास की वेदी पर 'निकोबार' के आदिवासी

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

हिंद महासागर के नीले पानी के बीच स्थित ग्रेट निकोबार द्वीप समूह आज एक ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं और दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार। केंद्र सरकार की 72,000 करोड़ की 'ग्रेट निकोबार होलिस्टिक डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' को लेकर स्थानीय 'निकोबारी जनजातीय परिषद' ने जो मोर्चा खोला है, वह केवल पर्यावरण बचाने की मुहिम नहीं, बल्कि अपनी पहचान, संस्कृति और कानूनी अधिकारों को बचाने की अंतिम लड़ाई है।

यह स्थान समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों की एक असाधारण विविधता का घर है। सरकार के अनुसार, यह दुनिया में सबसे अच्छी तरह से संरक्षित उष्णकटिबंधीय वर्षा वनों में से एक है। यहां धरती की सबसे पुराने आदिवासी आबादी रहती है। क्या विकास का नया मॉडल इन सभी नैसर्गिक उपहारों का दुश्मन बन जाएगा? भूमि से दूर हिंद महासागर के बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित 572 द्वीपों का समूह अंडमान निकोबार इन दिनों ऐसे ही द्वंद से गुजर रहा है है। ये द्वीप इंडोनेशिया और थाईलैंड के निकट स्थित हैं। 2013 में इसे यूनेस्को के जैवमंडल कार्यक्रम (ह्यूमन एंड बायोस्पियर प्रोग्राम) में शामिल किया गया था। आज वहां कंक्रीट के साथ बाहरी लोगों को बसाने की योजना तैयार की जा रही है, वह भी पर्यावरणीय कानूनों की अनदेखी कर रहे हैं।

निकोबारी आदिवासियों के विरोध का सबसे बुनियादी और भावुक मुद्दा उनकी पैतृक भूमि है। 2004 की सुनामी ने निकोबार के भूगोल और समाज को पूरी तरह बदल दिया था। उस समय सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने तटीय गांवों, विशेष रूप से चिनगेनह (Chingenh), पुलो बाहा (Pulo Baha), और कोकेओन (Kokeon) के निवासियों को अस्थायी शिविरों और पुनर्वास बस्तियों (जैसे कैंपबेल बे) में भेज दिया था।

ग्रेट निकोबार के जनजातीय परिषदाध्यक्षों का आरोप है कि उन्हें द्वीप के पश्चिमी तट पर अपनी पुश्तैनी ज़मीनें छोड़ देने के प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, ताकि ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना के विकास को अनुमति दी जा सके। 22 जनवरी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्वीप पर जनजातीय समितियों के प्रमुखों की तरफ से श्री बरनबास मंजु ने बताया कि जिला प्रशासन ने उन्हें सात जनवरी को एक बैठक के लिए बुलाया और फिर द्वीप के विकास के समर्थन के रूप में दिखाने के लिए उन्हें सरेंडर प्रमाण-पत्रों पर हस्ताक्षर करने को कहा गया, जिसका वे 2022 से विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने बताया, "ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना में एक ट्रांसशिपमेंट कंटेनर पोर्ट, एक बड़ा टाउनशिप, एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट तथा गैस और सौर ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शामिल है, जिसकी लागत 81,000 करोड़ (810 अरब) बताई गई है। यह भूमि 2004 के सुनामी तक 27 गांवों में निकोबारी लोगों द्वारा आबाद थी, जिसके बाद उन्हें फिर से बसाया गया और कैंपबेल बे के निकट ऊपरी पूर्वी तट पर राजीव नगर और न्यू चिंगेनह बस्तियों में स्थानांतरित किया गया। 'जब हमें पुनर्वासित किया गया था, तो हमें वादा किया गया था कि हम वापस आ सकेंगे।"

निकोबारी जनजातीय परिषद का तर्क है कि दो दशकों से वे अपनी इन पैतृक जमीनों पर वापस लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनके लिए ये जमीनें केवल मिट्टी का टुकड़ा नहीं, बल्कि उनके पूर्वजों की समाधियां, उनके पवित्र नारियल के बागान और उनकी सांस्कृतिक विरासत हैं। सरकार की नई योजना के तहत, इन्ही जमीनों पर अब 'कंटेनर टर्मिनल' और 'हवाई पट्टी' प्रस्तावित है। परिषद का आरोप है कि उन्हें अपनी ही जमीन से हमेशा के लिए बेदखल करने की साजिश रची जा रही है।

हाल ही में विरोध तब और उग्र हो गया जब यह बात सामने आई कि स्थानीय प्रशासन आदिवासियों से उनकी पैतृक भूमि के अधिकार छोड़ने के लिए 'सरेंडर सर्टिफिकेट' पर हस्ताक्षर करने का दबाव बना रहा है। जनजातीय परिषद ने स्पष्ट किया है कि सुनामी के बाद उन्हें केवल 'सुरक्षा' के लिए हटाया गया था, न कि उन्होंने अपनी जमीन का मालिकाना हक सरकार को सौंप दिया था। परिषद का कहना है कि प्रशासन यह भ्रम पैदा कर रहा है कि आदिवासी अपनी मर्जी से जमीन छोड़ रहे हैं, जबकि हकीकत में उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है या विकास का झूठा लालच दिया जा रहा है।

निकोबारी परिषद के विरोध का सबसे मजबूत कानूनी आधार 'अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वनाधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006' है। कानून के अनुसार, किसी भी विकास कार्य के लिए ग्राम सभा की 'स्वतंत्र, पूर्व और सूचित सहमति' (Free, Prior and Informed Consent) अनिवार्य है। परिषद ने केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय को लिखे पत्रों में आरोप लगाया है कि प्रशासन ने फर्जी तरीके से यह रिपोर्ट दी कि आदिवासियों के अधिकारों का निपटारा कर दिया गया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप समूह ऐसी जंग का मैदान बना हुआ है, जहां एक तरफ आधुनिक भारत की विशाल रणनीतिक आकांक्षाएं हैं, दूसरी तरफ एक प्राचीन सभ्यता के अस्तित्व की पुकार।

सोशल फोरम

ऋत्विक की 'मेघे ढाका तारा'

ऋत्विक घटक की कालजयी फिल्म 'मेघे ढाका तारा' को उनकी जन्मशताब्दी के अवसर पर देखना एक सिनेमाई अनुभव भर नहीं है, वह एक गहरा, लगभग आध्यात्मिक पुनर्मिलन था— जैसे बरसों से बिछुड़ी किसी आत्मीय आवाज़ की प्रतिध्वनि अचानक भीतर के सबसे शांत कोने तक पहुंच जाए। यह फिल्म एक कथा भर नहीं कहती, यह उस सभ्यता की सामूहिक चीख है, जो अपने विकास की अंधी दौड़ में सबसे करुण, सबसे समर्पित आत्माओं को ही बलि वेदी पर चढ़ा देती है। यह उन दबे हुए रुदनों का कोलाज है, जिन्हें समाज ने अपनी सुविधाजनक चुप्पियों की दीवारों में चुन दिया है। नीता की अनसुनी सिसकियां, उसका निरंतर टलता हुआ जीवन, उसका त्याग जो किसी पुण्य की तरह नहीं, एक धीमी आत्म-क्षरण की तरह घटित होता है।

डॉ. उर्वशी
लेखिका

'मेघे ढाका तारा' देश-विभाजन की त्रासदी पर बनी घटक की त्रयी का पहला अध्याय है, पर यहां विभाजन भूगोल से अधिक मनुष्य के भीतर घटता है। नक्शों की रेखाएं यहां दिलों की दरारों में बदल जाती हैं। पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर कोलकाता के उपनगर में बसे एक शरणार्थी परिवार की कहानी में नीता एक साधारण पात्र नहीं, पूरे परिवार की रीढ़ है। पढ़ी-लिखी, स्वप्नशील, पर परिस्थितियों से जकड़ी हुई।

वह पिता की बीमारी का खर्च उठाती है, भाइयों की पढ़ाई चलाती है, घर की आर्थिक धुरी बनी रहती है। मां की कटुता सहती है और अपने प्रेम को बार-बार टाल देती है— जैसे अपने जीवन के हिस्सों को मोमबत्ती की तरह पिघलाकर दूसरों को उजाला देती जा रही हो। पर यह उजाला उसे नहीं बचाता; उसका शरीर, जो आत्मा का मंदिर होना चाहिए था, त्याग की नमी से गलने लगता है।

क्षय रोग उसकी देह में उसी तरह घर करता है जैसे अवहेलना उसके जीवन में। और प्रेम? वह भी उसके लिए कोई शरण नहीं बनता। उसकी ही बहन गीता चुपचाप उसके प्रिय को अपने हिस्से कर लेती है। यहां प्रेम नियति नहीं, अवसर है और अवसर हमेशा संवेदनशीलों के हिस्से नहीं आते।

घटक इस कथा को रचते नहीं, वे उसे जीते हैं। प्रकाश और अंधकार का उनका शिल्प किसी शास्त्रीय संगीत की रचना-प्रक्रिया जैसा है। कहीं संगीत अचानक फट पड़ता है, कहीं एक गहरी चुप्पी पूरे दृश्य का बोझ उठा लेती है। नीता की धीमी सिसकी, मां की खीझती सांसें, शंकर का स्वर— सब मिलकर एक ऐसा समवेत विलाप रचते हैं जो निजी होकर भी सामूहिक है, जैसे युगों से दबा कोई स्त्री-राग पहली बार खुलकर सुनाई दे रहा हो।

सामयिकी

समय को बांध लेने वाले अजित का असमय जाना

पिछले एक दशक में भाजपा के तूफान में देश के कई राजनीतिक जहाज क्रैश होते दिखे। महाराष्ट्र की राजनीति का पर्याय शिवसेना भी टूट-फूट कर बिखर गई। कांग्रेस का भी बुरा हाल हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी बिखराव का शिकार हो गई। सूबे में दशकों से जमे-जमाए नेताओं का जनाधार बौना पड़ने लगा। ऐसे में अपने अपने क्रैश जहाज से जिंदा बचने का एक ही रास्ता था। बग़ावत कर भाजपा के साथ आ जाना। राष्ट्रवादी कांग्रेस के अजित पवार अपने चाचा और देश के सबसे वरिष्ठ सक्रिय नेता शरद पवार से बगावत कर भाजपा के कुनबे में शामिल हो गए। ऐसा ही कुछ शिवसेना के एकनाथ शिंदे ने किया। ये लोग विपक्ष के मरुस्थल से सत्ता की ताकत में बने रहे।

महाराष्ट्र सहित पूरे देश के सबसे वरिष्ठ और सक्रिय राजनीतिज्ञ शरद पवार की राजनीतिक दक्षता से भी चार कदम आगे थे उनके भतीजे अजित पवार। भाजपा की सुनामी ने जब महाराष्ट्र में शिवसेना तक को निगल लिया, ऐसे में सत्ता में खुद का राजनीतिक अस्तित्व टॉप टू में क़ायम रख पाना कोई मामूली बात नहीं थी। राजनीति में तोड़ना, जोड़ना, क्षमा, वफ़ा, दगा, छल-कपट सब जायज है। सियासत की यही खूबियां हैं। यहां कभी-कभी नकारात्मकता ही सकारात्मकता बन जाती है। अनैतिक फैसलों के बिना नेता न आगे बढ़ सकते हैं और न विरोधी से बच सकते हैं। सियासत के यही सिद्धांत हैं कि अपनी ताकत और नीतियों से सामने वाले को खत्म कर दो, दूसरा अधिक ताकतवर है और उसे पराजित करने में फिलहाल सक्षम नहीं हो, तो उससे हाथ मिला लो। उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह बन जाओ।

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

दादा कहे जाने वाले अजित पवार जानते थे कि सियासत में जनता से कनेक्ट रहें, जन विश्वास बनाए रहे तो जनाधार बना रहेगा और जनाधार व जनसमर्थन हो तो विचारधारा, पार्टी और सिद्धांतों को भी बदल लें तो भी फर्क नहीं पड़ता। अजित पवार कम बोलते थे, लेकिन उनका काम ज्यादा बोलता था। उनके करीबी संबंध हर पार्टी के नेता से थे। जनता से जुड़े रहना और अपनी जमीन से रिश्ता कायम रखना दादा की खूबी थी।

जब महाराष्ट्र के बड़े-बड़े दिग्गजों की राजनीति खत्म हो गई, सबका राजनीतिक जहाज क्रैश हो गया, ऐसे में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार की सियासत के क्रैश जहाज से जिंदा बच निकलकर उप मुख्यमंत्री पद पर काबिज थे। वाकई दिवंगत अजित दादा में अदभुत खूबियां थीं। जनता के बीच रहने वाले जमीनी जनाधार वाले नेता तो थे ही, सियासत के सबसे बड़े हुनर दांव-पेंच और उलटफेर में माहिर थे। उन्होंने साबित किया था कि पार्टी और पार्टी की विचारधारा से कहीं ज्यादा जनाधार की ताकत होती है।

जब कभी महाराष्ट्र की राजनीति का जिक्र होगा तो कांग्रेस तोड़ कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी बनाने वाले शरद पवार और एनसीपी के दो फाड़ करने वाले उनके भतीजे अजित पवार ज़रूर याद किए जाएंगे। चाचा बड़े पवार से अजित ने सियासत के सारे दांव-पेच सीखे। यही वजह रही कि चाचा से अलग होने के बावजूद वह अपना वजूद बनाए रखने में कामयाब रहे। यह बात दीगर है कि समय की नब्ज को पहचानने वाले अजित असमय दुनिया से विदा हो गए।

हम भी दरिया हैं हमें अपना हुनर मालूम है
जिस तरफ़ भी चल पड़ेंगे रास्ता हो जाएगा

इस पुराने शेर को सत्य साबित कर अजित दादा राजनीति के विद्यार्थियों को संदेश दे गए कि खुद में दम हो तो सत्ता आपके कदमों की आहट का इंतजार करती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

खोज

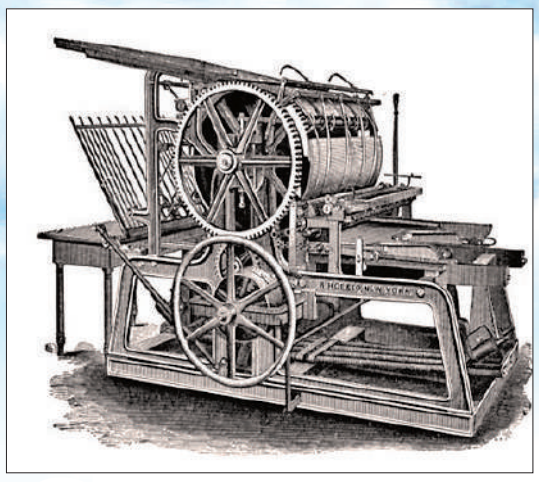

प्रिंटिंग मशीन

जर्मनी के मेंज (माइंस) शहर में वर्ष 1398 में जन्मे योहानेस गटेनबर्ग ने मानव इतिहास की सबसे क्रांतिकारी खोजों में से एक प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। पंद्रहवीं सदी तक पुस्तकों की दुनिया पूरी तरह हाथ से लिखी गई पांडुलिपियों और लकड़ी के गुटकों से होने वाली छपाई पर निर्भर थी। यह प्रक्रिया न केवल अत्यंत धीमी थी, बल्कि महंगी और सीमित भी थी। गटेनबर्ग ने इसी जटिल और श्रमसाध्य व्यवस्था को बदलने की नींव रखी। वर्ष 1439 में गटेनबर्ग ने मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किया। यह तकनीक अपने समय से कहीं आगे थी, क्योंकि इसमें लकड़ी के अक्षरों के स्थान पर धातु (मेटल) से बने अलग-अलग अक्षरों का उपयोग किया गया था। इन अक्षरों को जरूरत के अनुसार बदला और दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता था। यही विशेषता इस मशीन को पहले की सभी छपाई तकनीकों से अलग और अधिक प्रभावशाली बनाती थी।

गटेनबर्ग की प्रिंटिंग प्रेस की सबसे ऐतिहासिक उपलब्धि 1456 में सामने आई, जब जर्मनी के माइंस शहर में उनकी प्रेस से बाइबिल की पहली मुद्रित प्रति प्रकाशित हुई। इसे आज भी मुद्रण इतिहास की अमूल्य धरोहर माना जाता है। इस मशीन की एक बड़ी खासियत यह थी कि इससे किसी भी प्रकार के कागज पर साफ, स्पष्ट और तेज छपाई संभव हो सकी। जहां पहले की तकनीकों से दिनभर में केवल 40 से 50 पृष्ठ ही छप पाते थे, वहीं गटेनबर्ग की प्रिंटिंग मशीन से प्रतिदिन 1,000 से अधिक पृष्ठों की छपाई संभव हो गई। इस आविष्कार ने न केवल पुस्तकों को सस्ता और सुलभ बनाया, बल्कि ज्ञान, शिक्षा और विचारों के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी। यह आविष्कार केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक और बौद्धिक क्रांति की शुरुआत भी था। मुद्रण के कारण ज्ञान सस्ता हुआ, शिक्षा का प्रसार हुआ और विचारों का आदान-प्रदान तेज हुआ।

वैज्ञानिक के बारे में

योहानेस गटेनबर्ग को यूरोप के इतिहास में उस व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ज्ञान की दुनिया को आम लोगों तक पहुंचाने का रास्ता खोला। वे जर्मनी के मेंज (Mainz) शहर में जन्मे थे और पेशे से सुनार, आविष्कारक और मुद्रक थे। गटेनबर्ग का सबसे बड़ा योगदान था चल अक्षरों (Movable Type) वाली मुद्रण मशीन का विकास, जिसने पुस्तकों के निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया। उनका आविष्कार मानव सभ्यता के उन दुर्लभ मोड़ों में से एक है, जिसने सोचने, सीखने और दुनिया को समझने के तरीके को हमेशा के लिए बदल दिया।

स्फीयर: रोमांचकारी अनुभव और मनोरंजन का मंच

कल्पना कीजिए आप एक विशाल सभागार में बैठे हैं। रोशनी धीमी पड़ती है और अचानक ऐसा लगता है मानो छत गायब हो गई हो। आपके ऊपर अनंत ब्रह्मांड फैल जाता है- तारे, आकाशगंगाएं, घूमते ग्रह। आप सिर्फ देख नहीं रहे, बल्कि उस दृश्य के भीतर मौजूद हैं। चेहरे पर ठंडी हवा का अहसास होता है, कुर्सी के नीचे हल्का कंपन महसूस होता है और कानों में आती आवाज इतनी साफ कि लगता है कोई आपके बिल्कुल पास खड़ा होकर बोल रहा हो। यह न तो किसी विज्ञान-कथा फिल्म का दृश्य है और न ही भविष्य की कोरी कल्पना- यह यथार्थ है। अमेरिका के लास वेगास में बना स्फीयर (Sphere) मनोरंजन की दुनिया में इसी यथार्थ को संभव बनाता है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

तकनीक जो लगती है जादू जैसी

स्फीयर का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 16K रैपअराउंड एलईडी स्क्रीन है, जो दर्शकों को चारों ओर से घेर लेता है। लगभग 1,60,000 वर्ग फुट में फैला यह दृश्य-परिदृश्य यह सुनिश्चित करता है कि दर्शक जहां भी बैठा हो, अनुभव का केंद्र वही हो। इमारत की बाहरी सतह करीब 5,80,000 वर्ग फुट खुद एक विशाल डिजिटल कैनवस है, जो रात के समय पूरे लास वेगास के आकाश को एक चलती-फिरती दृश्य-कला में बदल देती है। दृश्य जितने भव्य हैं, ध्वनि तकनीक उससे भी आगे जाती है। जर्मन कंपनी HOLOPLOT द्वारा डिजाइन की गई प्रणाली में 1,64,000 से अधिक साउंड ड्राइवर्स लगे हैं, जो उन्नत तकनीक के जरिए हर सीट तक सटीक ध्वनि पहुंचाते हैं। इसका परिणाम यह है कि एक ही कार्यक्रम में बैठे दो दर्शकों को भी आवाज का अनुभव थोड़ा अलग लग सकता है। इसके साथ सीटों में कंपन, तापमान और अन्य सेंसरी प्रभाव दर्शक को सिर्फ देखने-सुनने तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे अनुभव का सक्रिय हिस्सा बना देते हैं।

थिएटर नहीं, एक जीवंत अनुभव

स्फीयर कोई साधारण थिएटर या स्टेडियम नहीं है। यह ऐसा मंच है, जहां दर्शक कार्यक्रम को सिर्फ देखते नहीं, बल्कि उसके भीतर प्रवेश कर जाते हैं। वे उसे जीते हैं। मनोरंजन के इतिहास में इसे तकनीक और अनुभव के मेल की एक असाधारण छलांग कहा जा सकता है। जिस तरह कभी मूक फिल्मों से 'टॉकीज' और श्वेत-श्याम से रंगीन सिनेमा तक का सफर एक ऐतिहासिक मोड़ था, उसी तरह स्फीयर उस दौर का संकेत है, जहां मनोरंजन सिर्फ देखा नहीं जाता- महसूस किया जाता है, जिया जाता है।

एक महत्वाकांक्षी परियोजना और विशाल संरचना

करीब 2.3 अरब डॉलर की लागत से निर्मित यह संरचना दुनिया की सबसे बड़ी गोलाकार मनोरंजन इमारतों में गिनी जाती है। 2018 में मेडिसन स्क्वायर गार्डन समूह के प्रमुख जेम्स डॉलन की परिकल्पना के रूप में शुरू हुआ यह प्रोजेक्ट महामारी और वैश्विक सप्लाई-चेन संकट जैसी बाधाओं के बावजूद 2023 में पूरा हुआ। 366 फीट ऊंचाई और 516 फीट व्यास वाली यह इमारत केवल वास्तुकला की उपलब्धि नहीं, बल्कि 'अनुभव-आधारित तकनीक' का प्रतीक भी है।

विज्ञापन और शहर का नया चेहरा

स्फीयर की बाहरी सतह, जिसे 'एक्सोस्फीयर' कहा जाता है। तकनीकी रूप से और भी अधिक क्रांतिकारी है। लगभग 5,80,000 वर्ग फुट की यह पूर्ण-रंग एलईडी स्क्रीन दिन-रात सक्रिय रहती है। कभी यह पृथ्वी का रूप ले लेती है, कभी मंगल ग्रह का, तो कभी किसी उत्सव या कल्पनालोक का दृश्य बन जाती है। मार्केटिंग के लिहाज से यह दुनिया के सबसे दृश्यमान और प्रभावशाली विज्ञापन माध्यमों में शामिल हो चुकी है। लास वेगास आने वाला लगभग हर व्यक्ति इसे देखता है- चाहे वह पर्यटक हो, चालक हो या केवल आकाश की ओर देखने वाला राहगीर।

उद्घाटन से वैश्विक पहचान तक

सितंबर 2023 में आयरिश बैंड यू-2 के उद्घाटन कार्यक्रम ने दुनिया को पहली बार इस मंच की पूरी क्षमता से परिचित कराया। इसके बाद फिल्म निर्देशक डैरेन एरोनोफस्की की फिल्मपोस्टकार्ड फ्रॉम अर्थ ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्फीयर सिर्फ संगीत या शो का मंच नहीं, बल्कि कहानी कहने और सिनेमा की भाषा को नए सिरे से गढ़ने का एक बिल्कुल नया माध्यम है। कुछ ही महीनों में बड़े आयोजनों और वैश्विक ब्रांड अभियानों ने इसे तकनीकी कौतूहल से आगे बढ़ाकर आर्थिक रूप से व्यवहार्य मंच बना दिया।

भव्यता के साथ आती चुनौतियां

इतनी विशाल और अत्याधुनिक संरचना अपने साथ चुनौतियां भी लाती है। अत्यधिक लागत और लगातार उच्च-स्तरीय कंटेंट की जरूरत इसे एक साहसिक और जोखिम भरा प्रयोग बनाती है। इतनी विशाल डिजिटल संरचना के संचालन के लिए भारी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पर्यावरणीय स्थिरता और शहरी नियोजन के संदर्भ में इस तरह की परियोजनाएं गंभीर समीक्षा की मांग करती हैं। हालांकि सौर ऊर्जा और सीमित प्रकाश मोड जैसे उपायों के जरिए इन समस्याओं को कम करने की कोशिश की जा रही है।

भविष्य की दिशा

स्फीयर यह संकेत देता है कि भविष्य का मनोरंजन निष्क्रिय नहीं होगा। आने वाले समय में प्रतिस्पर्धा केवल स्टेडियमों, सिनेमाघरों या शो की नहीं होगी, बल्कि उन अनुभवों की होगी, जो मानव मन और शरीर दोनों को गहराई से छू सकें। तकनीक तैयार है, मंच सजा हुआ है। अब चुनौती रचनात्मकता की है कि इस विशाल कैनवास पर हम कौन-सी कहानियां रचते हैं। क्योंकि जब तकनीक संस्कृति से मिलती है, तब इतिहास लिखा नहीं जाता, जिया जाता है।

भारतीय परिप्रेक्ष्य: अवसर और प्रश्न

भारत के संदर्भ में यह अनुभव कई अहम सवाल खड़े करता है। हमारे पास तकनीकी दक्षता, युवा प्रतिभा और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत-तीनों मौजूद हैं। सवाल यह नहीं कि भारत स्फीयर जैसी संरचना बना सकता है या नहीं, असली प्रश्न यह है कि क्या हम इसे केवल पश्चिमी मॉडल की नकल के रूप में अपनाएंगे या अपनी कला, मिथक, इतिहास, विज्ञान और भविष्य-दृष्टि को वैश्विक मंच पर नए रूप में प्रस्तुत करेंगे। यदि ऐसे केंद्रों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और शैक्षिक नवाचार के रूप में देखा जाए, तो वे पर्यटन, रोजगार और रचनात्मक उद्योगों में नई ऊर्जा भर सकते हैं।

जंगल की दुनिया

मंदारिन बत्तख: पंखों पर उतरती बसंत ऋतु

बसंत और ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ ही प्रकृति मानो अपने सबसे चमकदार रंगों में सज उठती है और इसी रंगीन उत्सव का जीवंत प्रतीक है मंदारिन बत्तख। प्रजनन काल में नर मंदारिन बत्तख के पंख असाधारण रूप से आकर्षक हो जाते हैं। लाल, नारंगी, नीले, हरे और सफेद रंगों का अनूठा संयोजन इसे दूर से ही पहचानने योग्य बना देता है।

मंदारिन बत्तख सजीली कलगी, पंखों की विशिष्ट बनावट और चमकदार चोंच इसे दुनिया की सबसे सुंदर बत्तखों में स्थान दिलाती है। इसके विपरीत मादा मंदारिन अपेक्षाकृत साधारण होती है। उसके भूरे रंग के पंख और सादी चोंच उसे प्राकृतिक वातावरण में छिपने में मदद करते हैं, जो प्रजनन और सुरक्षा की दृष्टि से उपयोगी है। प्रजनन काल समाप्त होते ही नर मंदारिन के रंग भी फीके पड़ जाते हैं। उसके पंख भूरे और धूसर रंग के हो जाते हैं, जिससे वह मादा के समान दिखाई देने लगता है। यह परिवर्तन प्रकृति की उस व्यवस्था को दर्शाता है, जहां सौंदर्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि अस्तित्व और संतुलन का हिस्सा भी है। मंदारिन बत्तख का वैज्ञानिक नाम ऐक्स गैलेरिकुलता (Aix galericulata) है। इसकी पहचान सबसे पहले वर्ष 1758 में स्वीडिश वनस्पतिशास्त्री, चिकित्सक और प्राणी विज्ञानी कार्ल लिनिअस ने की थी।

अपने अद्वितीय रंगों और सीमित प्राकृतिक खतरों के कारण इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) की रेड लिस्ट में 'संकट मुक्त' श्रेणी में रखा गया है। सामान्यत: मंदारिन बत्तखें रूस, कोरिया, जापान और चीन के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में प्रजनन करती हैं। समय के साथ इनका विस्तार पश्चिमी यूरोप और अमेरिका तक भी देखा गया है। भारत में इसका पहला रिकॉर्ड वर्ष 1902 में असम के तिनसुकिया जिले के रोंगगोरा क्षेत्र में, डिब्रू नदी के तट पर दर्ज किया गया था। चीन और जापान की मूल निवासी मंदारिन बत्तख न केवल जैव विविधता का अद्भुत उदाहरण है, बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नर मंदारिन के मनोहारी रंगों ने सदियों से कलाकारों को प्रेरित किया है।

आर्द्रभूमि: विज्ञान, जीवन और संस्कृति का संगम

डॉ. जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदायिनी और पूजनीय सत्ता के रूप में देखा गया है। जल, भूमि, वन और जीव-जंतु—सभी को धर्म, दर्शन और जीवन पद्धति से जोड़ा गया। इसी सांस्कृतिक दृष्टि का एक अत्यंत महत्वपूर्ण, लेकिन आज उपेक्षित पक्ष हैं आर्द्रभूमियां- तालाब, झीलें, सरोवर, नदी किनारे के दलदली क्षेत्र, बाढ़ के मैदान और तटवर्ती जलक्षेत्र। भारतीय सभ्यता के विकास, धार्मिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और आजीविका में आर्द्रभूमियों की भूमिका केंद्रीय रही है। प्राचीन भारत में आर्द्रभूमियों को केवल जलस्रोत नहीं माना गया, बल्कि उन्हें सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र का दर्जा प्राप्त था। वेदों में जल को जीवन का मूल तत्व कहा गया है- 'आप: प्राणा:'। ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में जलाशयों, नदियों और सरोवरों की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। यह दृष्टि स्पष्ट करती है कि भारतीय संस्कृति में आर्द्रभूमियां जीवन के संरक्षण और संतुलन का प्रतीक रही हैं।

भारतीय धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में आर्द्रभूमियों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश के लगभग हर प्रमुख तीर्थ का संबंध किसी न किसी नदी, सरोवर या जलाशय से जुड़ा हुआ है। काशी में गंगा, प्रयाग में संगम, पुष्कर का सरोवर और अमृतसर का अमृत सरोवर इस तथ्य के जीवंत उदाहरण हैं। ये आर्द्रभूमियां केवल जल स्रोत नहीं थीं, बल्कि पूजा, तप, संस्कार और आत्मशुद्धि का माध्यम भी थीं। मंदिरों के साथ निर्मित पुष्करणी, कुंड और बावड़ियां स्थापत्य की उत्कृष्ट कृतियां होने के साथ-साथ सामाजिक और धार्मिक जीवन का अभिन्न अंग थीं।

भारतीय ग्रामीण जीवन की धुरी भी आर्द्रभूमियां ही रही हैं। गांव का तालाब सिर्फ पानी भरने की जगह नहीं था, बल्कि सामूहिक चेतना का केंद्र था। वहीं से सिंचाई होती थी, पशुओं को पानी मिलता था, मछली पालन होता था और अनेक लोक परंपराएं जन्म लेती थीं। छठ पूजा, कार्तिक स्नान, गंगा दशहरा और मकर संक्रांति जैसे पर्व सीधे तौर पर जल और आर्द्रभूमियों से जुड़े हुए हैं। ये उत्सव दर्शाते हैं कि भारतीय संस्कृति में जल केवल भौतिक आवश्यकता नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान था।

भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत सिद्धांत में जल और पृथ्वी के संतुलन को जीवन का आधार माना गया है। आर्द्रभूमियां इसी संतुलन की जीवंत अभिव्यक्ति हैं, जहां जल और भूमि का समन्वय होता है। इसी कारण तालाब या सरोवर को पाटना पाप और जलाशय निर्माण को पुण्य कार्य माना गया। इतिहास भी इस सोच की पुष्टि करता है। मौर्य, गुप्त, चोल और विजयनगर काल में तालाबों और जलाशयों का व्यापक निर्माण हुआ। दक्षिण भारत का एरी सिस्टम, राजस्थान की जोहड़ और उत्तर भारत की बावड़ियां भारतीय समाज की वैज्ञानिक और सामुदायिक जल-संरक्षण परंपरा का प्रमाण हैं।

लोक साहित्य और परंपराओं में भी आर्द्रभूमियों की गहरी छाप दिखाई देती है। लोकगीतों और कथाओं में तालाब, कमल, मछली और पक्षियों का बार-बार उल्लेख मिलता है। दलदली जल में खिलने वाला कमल भारतीय संस्कृति में पवित्रता और सौंदर्य का प्रतीक बना। लक्ष्मी और सरस्वती जैसी देवियों का कमल पर विराजमान होना आर्द्रभूमियों के सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।

आधुनिक विज्ञान जिन गुणों को आज आर्द्रभूमियों की विशेषता मानता है। जल संरक्षण, जैव विविधता, बाढ़ नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण, उनका अनुभव भारतीय समाज ने सदियों पहले अपने जीवन में उतार लिया था। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार आर्द्रभूमियां पृथ्वी की कुल भूमि का लगभग छह प्रतिशत क्षेत्र घेरती हैं, लेकिन इसके बावजूद विश्व की लगभग चालीस प्रतिशत जैव विविधता को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहारा देती हैं। ये प्राकृतिक स्पंज की तरह कार्य करती हैं, जो अत्यधिक वर्षा के समय बाढ़ को नियंत्रित करती हैं और सूखे में नमी बनाए रखती हैं।

भूजल पुनर्भरण में भी इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब आर्द्रभूमियां नष्ट होती हैं, तो इसका सीधा असर भूजल स्तर पर पड़ता है। इसके अलावा ये प्राकृतिक जल शोधन संयंत्र की तरह काम करती हैं। पौधे और सूक्ष्म जीव प्रदूषकों को अवशोषित कर जल को स्वच्छ बनाते हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी आर्द्रभूमियां कार्बन सिंक के रूप में महत्वपूर्ण हैं, विशेषकर मैंग्रोव और पीटलैंड क्षेत्र। दुर्भाग्यवश आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में आर्द्रभूमियां अतिक्रमण, प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पिछली एक सदी में विश्व की लगभग पैंतीस प्रतिशत आर्द्रभूमियां नष्ट हो चुकी हैं। जब तालाब सूखते हैं, तो केवल जल नहीं, बल्कि उससे जुड़ी संस्कृति, परंपरा और सामूहिक स्मृति भी समाप्त हो जाती है।

अंततः यह समझना होगा कि आर्द्रभूमियां प्रकृति का कोई अलग-थलग हिस्सा नहीं हैं, बल्कि वही कड़ी हैं, जो जल, भूमि, वायु और जीवन को एक सूत्र में बांधती हैं। यदि आर्द्रभूमियां सुरक्षित हैं, तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल स्थिर रहेगा, जैव विविधता फलती-फूलती रहेगी और जलवायु संतुलन बना रहेगा, लेकिन यदि इन्हें नजरअंदाज किया गया, तो विकास के सारे दावे खोखले साबित होंगे। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि आर्द्रभूमियों पर ही प्रकृति का संतुलन टिका है और उनका संरक्षण हमारे भविष्य की अनिवार्य शर्त है।

वैज्ञानिक फैक्ट

मानव मस्तिष्क जला सकता है 20 वॉट का बल्ब

मानव मस्तिष्क अपनी जटिलता और शक्ति के कारण प्रकृति का सबसे अद्भुत अंग माना जाता है। यह लगातार विद्युत और रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से काम करता है। हमारे मस्तिष्क में लगभग 86 अरब न्यूरॉन्स हैं, जो निरंतर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। इस संचार प्रक्रिया में हर न्यूरॉन विद्युत आवेग (Electrical Impulse) उत्पन्न करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मस्तिष्क द्वारा उत्पन्न कुल ऊर्जा लगभग 20 वॉट होती है, जो एक छोटे लैंप को जलाने के लिए पर्याप्त है। यह ऊर्जा केवल बिजली का उत्पादन नहीं करती, बल्कि हमारी सोचना, सीखना, याददाश्त और भावनाओं की गतिविधियों का आधार भी है।

न्यूरॉन्स में सूचनाओं का तेज आदान-प्रदान शरीर के हर अंग को नियंत्रित करता है। मस्तिष्क के इस नेटवर्क की जटिलता इतनी है कि एक ही समय में हम कई कार्य कर सकते हैं-सोच सकते हैं, निर्णय ले सकते हैं, समस्याओं का समाधान कर सकते हैं और शरीर की क्रियाओं को संतुलित रख सकते हैं। हालांकि यह विद्युत ऊर्जा हमारे प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, फिर भी यह हमारे मस्तिष्क की अद्भुत कार्यप्रणाली और जैविक डिजाइन की शक्ति को प्रमाणित करती है। हर पल जब हम सोचते, याद करते या महसूस करते हैं, तब हमारे भीतर लगभग 20 वॉट की निरंतर ऊर्जा काम कर रही होती है। इस ऊर्जा का अध्ययन न केवल मानव मस्तिष्क की कार्यक्षमता को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें जीवन की जटिल प्रक्रियाओं और हमारे शरीर के अद्भुत संतुलन का एहसास भी कराता है। मस्तिष्क का यह विद्युत नेटवर्क यह दर्शाता है कि सोचने और महसूस करने की क्षमता केवल जैविक मशीनरी का परिणाम नहीं, बल्कि प्रकृति की सटीक योजना और अद्भुत रचना का प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,566.37	25,418.90
बढ़त	221.69	76.15
प्रतिशत में	0.27	0.30

सोना 1,83,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 4,04,500 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया ने बोइंग को 30 विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया

हैदराबाद। एयर इंडिया ने 30 अतिरिक्त बोइंग विमानों की खरीद का ऑर्डर दिया है, जिसमें बीस 737-8 और दस 737-10 जेट शामिल हैं। एयर इंडिया ने बताया कि ये 30 विमान वर्ष 2023 में बोइंग को दिए गए 220 विमानों के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ ही बोइंग से एयर इंडिया द्वारा ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 250 हो गई है। यह घोषणा विंग्स इंडिया 2026 कार्यक्रम के दौरान की गई, जहां केंद्रीय विमानन उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू भी मौजूद थे। नए ऑर्डर के बाद एयर इंडिया को बोइंग से कुल 198 नए विमान मिलने हैं।

आरबीआई ने 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदीं

मुंबई। रिजर्व बैंक ने बैंकिंग तंत्र में नकदी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जारी उपायों के तहत गुरुवार को खुले बाजार से 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद की। यह पिछले दिनों की दो समान किस्तों में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति की खरीद का पहला किस्त है। दूसरे किस्त की खरीद 05 फरवरी को की जाएगी। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने तीन साल से 27 साल की अवधि वाली प्रतिभूतियों की खरीद की जिन पर ब्याज की दर 6.22 प्रतिशत से 7.95 प्रतिशत तक है। दिसंबर से अबतक रिजर्व बैंक खुले बाजार से 3.50 लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीद चुका है।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3200, मसूरी- 720, बासमती- 5400, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 2100, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8200-11000, दाल उड़द- 5200, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 150, उड़द साबुत- 3400, काबुली चना- 7700, अरहर दाल- 10400, लोबिया/ करमानी- 1600

वैश्वीकरण का अंत करीब, स्वदेशी को टाल नहीं सकते

बजट सत्रः आर्थिक समीक्षा में समय की बर्बादी से बचने पर जोर, कहा- देश के लिए मैराथन को भी तेजी से दौड़ने जैसी स्थितियां

नई दिल्ली, एजेंसी

बढ़ते निर्यात नियंत्रण, विकसित देशों की ओर से प्रौद्योगिकी देने से इन्कार और कार्बन कर व्यवस्था वास्तव में वैश्वीकरण के अंत का संकेत दे रहे हैं। ऐसे में भारत में स्वदेशी नीतियों पर ध्यान देना अपरिहार्य और आवश्यक हो गया है। संसद में बृहस्पतिवार को पेश की गई आर्थिक समीक्षा में इस पर जोर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत को आयात प्रतिस्थापन, रणनीतिक मजबूती और रणनीतिक अनिवार्यता की अपनी निकट, मध्यम और दीर्घकालिक नीतिगत प्राथमिकताओं को एक साथ आगे बढ़ाना होगा। समय बर्बाद करने का कोई मौका नहीं है। यह एक ही समय में मैराथन और तेजी से दौड़ने जैसा है या मैराथन को तेजी से दौड़ना दौड़ना है। कहा गया कि वर्तमान में कोई भी देश ऐसे वातावरण में काम कर रहा है जहां कच्चा माल, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुंच को निर्बाध या स्थायी नहीं माना जा सकता है। निर्यात नियंत्रण, प्रौद्योगिकी प्रतिबंध, कार्बन सीमा तंत्र और पश्चिम एवं पूर्व दोनों देशों की औद्योगिक नीतियां सीधे तौर पर वैश्वीकरण के खात्मे का संकेत है।

समीक्षा में कहा गया है, ऐसी परिस्थितियों में स्वदेशी एक रक्षात्मक और आक्रामक नीतिगत साधन बन जाता है। यह बाहरी झटकों के बावजूद उत्पादन की निरंतरता सुनिश्चित करने का एक माध्यम है और आर्थिक संप्रभुता को सुदृढ़ करने वाली स्थायी राष्ट्रीय क्षमताओं के निर्माण का रास्ता साफ करता है। सवाल अब यह नहीं है कि राज्य को स्वदेशी को प्रोत्साहित करना चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि दक्षता, नवाचार या वैश्विक एकीकरण को कमजोर किए बिना ऐसा कैसे किया जाए।

मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी की।

सोशल मीडिया के इस्तेमाल के लिए तय हो उम्र सीमा

नई दिल्ली। बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के वैश्विक संकेतों का हवाला देते हुए सरकार की आर्थिक समीक्षा में बृहस्पतिवार को कहा गया कि ऑनलाइन मंच का इस्तेमाल करने के लिए उम्र आधारित सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। साथ ही, डिजिटल लत से बचने के लिए ऑनलाइन शिक्षण में भी कटौती की जानी चाहिए।

समीक्षा में कहा गया कि बच्चों को हानिकारक सामग्री से बचाने के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच को सरल उपकरणों जैसे साधारण फोन या टैबलेट को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके साथ उम्र आधारित पहुंच सीमा को लेकर नीतियों पर विचार किया जा सकता है, क्योंकि कम उम्र के उपयोगकर्ता अनिवार्य उपयोग और हानिकारक सामग्री के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। मंच को उम्र के सत्यापन और उम्र के अनुरूप डिफॉल्ट सेटिंग लागू करने के लिए जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। यह विशेष रूप से सोशल मीडिया, जुए वाले एप, 'ऑटो-प्ले' फीचर्स और लक्षित विज्ञापनों के लिए अनिवार्य होना चाहिए।

व्यय संतुलन : केंद्र की तारीफ, राज्यों की लोकलुभावन योजनाओं पर चिंता

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में चिंता जताई गई है कि राज्यों की ओर से लोकलुभावन घोषणाओं, नकद अंतरण के कारण पूंजीगत व्यय प्रभावित होने से उनका राजस्व घाटा बढ़ रहा है। कहा गया कि राज्य स्तर पर किसी भी प्रकार की राजकोषीय अनुशासनहीनता का सीधा असर देश की उधारी लागत पर पड़ता है। कहा गया, जहां केंद्र ने रिकॉर्ड सार्वजनिक निवेश के साथ अपने खर्च को संतुलित रखा है, वहीं कई राज्यों में बढ़ते राजस्व घाटे और बिना शर्त नकद अंतरण वृद्धि को बढ़ावा देने वाले खर्च को प्रभावित कर रहे हैं, जो नए जोखिम पैदा कर रहे हैं। कई राज्यों में बिना शर्त नकद अंतरण योजनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और अब राज्य-स्तरीय कल्याणकारी खर्च का एक बड़ा हिस्सा बन गई हैं। विशेष रूप से महिलाओं के लिए चल रही इन योजनाओं पर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

जंक फूड के विज्ञापन सुबह से देर रात तक रोकने की सिफारिश

नई दिल्ली। अधिक वसा एवं चीनी वाले अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों (यूपीएफ) की बढ़ती खपत पर गंभीर चिंता जताते हुए सुबह से देर रात तक इन उत्पादों के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया है। कहा गया है कि शिशु और छोटे बच्चों के इस्तेमाल वाले दूध एवं पेय पदार्थों के विपणन पर भी सख्त पाबंदियों की जरूरत है। उच्च वसा, चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थों के लिए चेतावनी के साथ पैकेट के सामने वाले हिस्से पर पोषण संबंधी सूचना देने और बच्चों को लक्षित विपणन पर लगाम लगाने का सुझाव दिया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि व्यापार समझौते किसी भी तरह से सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को कमजोर न करें। समीक्षा के मुताबिक, नुकसानदेह खाद्य उत्पाद (जंक फूड) के रूप में चिह्नित बर्गर, नूडल्स, पिज्जा एवं शीतल पेय का बढ़ता सेवन दुनियाभर में दीर्घकालिक बीमारियों को बढ़ावा दे रहा है। 2009 से 2023 के बीच भारत में यूपीएफ की खुदरा बिक्री 2006 के 90 करोड़ डॉलर से बढ़कर 2019 में लगभग 38 अरब डॉलर हो गई जो करीब 40 गुना अधिक है। इस दौरान पुरुषों और महिलाओं दोनों में मोटापा लगभग दोगुना हो गया।

यूरिया की कीमतों को बढ़ाने और किसानों को डीबीटी का सुझाव

नई दिल्ली। आर्थिक समीक्षा में यूरिया की खुदरा कीमत में मामूली बढ़ोतरी करने की बात कही गई है जो मार्च 2018 से 242 रुपये प्रति 45 किलो बैग है। इसके समान राशि किसानों को प्रति एकड़ आधार पर हस्तांतरित की जाएगी। कहा गया है कि लागत सब्सिडी से आय सहायता की ओर प्रस्तावित बदलाव का लक्ष्य उर्वरक के उपयोग में तीन दशक पुराने असंतुलन को ठीक करना है, जो मिट्टी की गुणवत्ता को खराब कर रहा है और फसल की पैदावार को कम कर रहा है। आर्थिक समीक्षा में बताया गया है कि भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला नाइट्रोजन-फॉस्फोरस-पोटेशियम (एनपीके) अनुपात वर्ष 2009-10 में 4:3.2:1 से घटकर वर्ष 2023-24 में 10.9:4.1:1 हो गया है, जिसका मुख्य कारण सब्सिडी वाले यूरिया के माध्यम से अत्यधिक नाइट्रोजन का उपयोग है। कृषि संबंधी मानक अधिकांश फसलों और मिट्टी के प्रकारों के लिए 4:2:1 के करीब अनुपात का सुझाव देते हैं।

आशावादी आर्थिक समीक्षा से बाजार ने तेजी पकड़ी, सेंसेक्स 222 अंक मजबूत

मुंबई। टाटा स्टील एवं लार्सन एंड टुब्रो में जबर्दस्त खरीदारी और आर्थिक समीक्षा 2025-26 में अगले वित्त वर्ष के लिए 6.8 से 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान जताए जाने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स में 222 अंक की बढ़त रही जबकि निफ्टी 76 अंक बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स दोपहर के सत्र में बढ़ी लिवाली के दम पर 221.69 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,566.37 अंक पर बंद हुआ। हालांकि, सुबह के कारोबार में यह 636.74 अंक टूटकर 81,707.94 अंक तक गिर गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत चढ़कर 25,418.90 अंक पर बंद हुआ। सुबह के कारोबार में निफ्टी 25,159.80 अंक तक फिसल गया था। विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी कोषों के निवेश में बढ़ोतरी ने प्रमुख सूचकांकों को निचले स्तर से उबारने में मदद की।

देश में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाले 95 करोड़ के पार

बेंगलुरु, एजेंसी

- **ग्रामीण उपयोगकर्ताओं की संख्या 57 प्रतिशत, पिछले साल की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि**

ग्रामीण संपर्क में तेजी, शॉर्ट वीडियो के बढ़ते चलन और एआई के बढ़ते इस्तेमाल के कारण वर्ष 2025 में भारत में इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या 95 करोड़ के पार पहुंच गई है। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह आंकड़ा दिया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में से 57 प्रतिशत यानी लगभग 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं। इन रुझानों पर आधारित 'इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट 2025' को कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी/बीटी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की सचिव मंजुला एन की उपस्थिति में 'इंडिया डिजिटल समिट' में जारी किया गया। रिपोर्ट को 'इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया' और कांतार ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अब 95.8 करोड़ सक्रिय इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में आठ प्रतिशत वृद्धि है जो दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजारों में भारत की स्थिति को और पुख्ता करती है। बताया गया है कि भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। करीब 44 प्रतिशत लोग वॉयस सर्च, इमेज-आधारित सर्च, चैटबॉट और एआई फिल्टर जैसे फीचर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवा कर रहे हैं सबसे ज्यादा एआई का इस्तेमाल

रिपोर्ट में कहा गया है कि युवाओं (15-24 वर्ष) में एआई का सबसे अधिक 57 प्रतिशत उपयोग देखा गया है। इसके बाद 25 से 44 वर्ष के लोग हैं, जिसमें 52 प्रतिशत लोगों ने एक साल के दौरान एआई का इस्तेमाल किया है। इसी तरह, शॉर्ट वीडियो मंच भी विकास के मुख्य चालक बनकर उभरे हैं। वर्ष 2025 में 61 प्रतिशत यानी लगभग 58.8 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने शॉर्ट-वीडियो देखे, जिनमें ग्रामीणों की संख्या शहरी लोगों से थोड़ी अधिक रही। ईकॉमर्स और डिजिटल आदतें रिपोर्ट में बताया गया है कि पारंपरिक ऑनलाइन बाजारों के अलावा अब 'क्विक कॉमर्स' और 'सोशल कॉमर्स' का चलन भी बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों के 23 करोड़ लोगों ने एक साल में ऑनलाइन खरीदारी की।

केरल सरकार ने पेश किया चुनावी बजट

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

- **पेंशनभोगियों के लिए14,500 करोड़, आशा और आंगनबाड़ी वर्कर का मानदेय बढ़ाया**

केरल के वित्त मंत्री केएन बालागोपाल ने विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए 2026-27 के लिए बृहस्पतिवार को जनकेंद्रित बजट पेश किया। इसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशनभोगियों की मदद के लिए 14,500 करोड़ रुपये की भारी राशि और कई नए सामुदायिक कार्यक्रमों के वित्तपोषण का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन नीत दूसरी सरकार का छठा बजट पेश करते हुए बालागोपाल ने विधानसभा में मान्यता प्राप्त आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 1,000 रुपये माह जबकि आंगनबाड़ी सहायकों के मानदेय में 500 रुपये की वृद्धि की घोषणा की। उन्होंने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के पूर्व शिक्षकों और साक्षरता अभियान के प्रेरकों के वेतन में 1,000 रुपये प्रति माह की वृद्धि जबकि विद्यालय के रसोइयों की दैनिक मजदूरी में 25 रुपये प्रति दिन की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है।

बजट में मुख्यमंत्री की स्त्री सुरक्षा योजना के लिए 3,700 करोड़ रुपये की घोषणा भी की गई है। इसके अलावा बजट में ग्रामीण रोजगार योजना के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 1,000 करोड़ रुपये के आवंटन में वृद्धि, स्कूली बच्चों सहित सभी श्रेणियों के लोगों के लिए जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा योजनाओं और कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों के लिए मुफ्त डिग्री शिक्षा की भी घोषणा की गई है। बजट में तिरुवनंतपुरम से कासरगोड तक क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली से संबंधित प्रारंभिक कार्यों के लिए 100 करोड़ रुपये के आवंटन की भी घोषणा की गई।

राष्ट्रीय

देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियन नेता जिम्मेदार

घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की मांग करने वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू सहायकों के लिए न्यूनतम मजदूरी के व्यापक कानूनी ढांचे और इसे लागू करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से यह कहते हुए बृहस्पतिवार को इन्कार कर दिया कि वह केंद्र और राज्यों को मौजूदा कानूनों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ट्रेड यूनियनवाद काफी हद तक जिम्मेदार रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, देश में ट्रेड यूनियनों की वजह से कितनी औद्योगिक इकाइयां बंद हो चुकी हैं, जरा हकीकत बताइए।। देश के सभी पारंपरिक उद्योग, इन झंडा यूनियनों की वजह से पूरे देश में बंद हो गए हैं। वे काम नहीं करना चाहते। देश में औद्योगिक विकास को रोकने के लिए ये ट्रेड यूनियन नेता काफी हद तक जिम्मेदार हैं। सीजेआई ने कहा, निस्संदेह शोषण होता है, लेकिन शोषण से निपटने के उपाय भी हैं। लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के बारे में अधिक जागरूक किया जाना चाहिए था, लोगों को अधिक कुशल बनाया जाना चाहिए था, और भी कई सुधार किए जाने चाहिए थे। देश भर में लाखों घरेलू सहायकों की दुर्दशा की बात को मानते हुए सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि न्यायपालिका कानूनों को लागू करने के लिए विधायिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण नहीं कर सकती।

सेवा प्रदाता एजेंसियां श्रमिकों की वास्तविक शोषक

कोर्ट ने सेवा प्रदाता एजेंसियों द्वारा श्रमिकों के शोषण पर अफसोस जताते हुए कहा कि ये एजेंसिया शहरी क्षेत्रों में वास्तविक शोषक के रूप में उभरी हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से देखा है। सुप्रीम कोर्ट ने कुशल कर्मचारियों के एक विशेष समूह को नियुक्त करने के लिए एक एजेंसी को 40,000 रुपये का भुगतान किया, जबकि वास्तव में उन गरीब लड़कियों को केवल 19,000 रुपये ही मिल रहे थे। सीजेआई ने कहा कि सभी प्रमुख शहरों में सेवा प्रदाता एजेंसियों ने पैर फैला लिए हैं। उन्होंने कहा, इनके लिए एक शब्द है, जिसका प्रयोग मैं खुले न्यायालय में नहीं कर सकता। सभी प्रमुख शहरों में ये बड़ी संस्थाएं मौजूद हैं, जो इन लोगों का शोषण कर रही हैं। असली शोषक यही हैं।

बिहार में एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बृहस्पतिवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन याचिकाओं में गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिबल, अभिषेक सिंघवी, प्रशांत भूषण और गोपाल शंकरनारायण सहित कई वकीलों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी की। इस मामले में निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी और मनिंदर सिंह उपस्थित हुए। अदालत ने पिछले साल 12 अगस्त को इस मामले में अंतिम बहस शुरू की थी।

पीठ ने अपने आदेश में कहा, जब तक विधायिका से उपयुक्त कानून बनाने का अनुरोध नहीं किया जाता, तब तक कोई भी लागू करने योग्य आदेश पारित नहीं किया जा सकता। इस अदालत द्वारा ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि, अदालत ने घरेलू सहायकों के संघ 'पेन थोजिलालार्गल संगम' समेत अन्य याचिकाकर्ताओं से राज्यों और केंद्र सरकार के समक्ष घरेलू सहायकों की दुर्दशा को उजागर करने का आग्रह किया ताकि इस मामले में उचित निर्णय लिया जा सके। अदालत ने कहा कि पत्राचार से पता चलता है कि राज्यों द्वारा इस पर सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है और हमें उम्मीद है कि उनकी सहायता और शोषण को रोकने के लिए एक उपयुक्त तंत्र तैनात किया जाएगा। पीठ ने इसके साथ जनहित याचिका का निपटारा कर दिया।

स्वाट कमांडो को पति ने मार डाला, भाई को फोन कर सुनाईं चीखें

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 वर्षीय महिला स्वाट कमांडो की उसके पति द्वारा निर्मम हत्या से पहले के क्षण और भी भयावह थे, जब पीड़िता का भाई फोन पर अपनी बहन की चीखें सुनकर भी कुछ नहीं कर पाया।

मृतका काजल चौधरी के भाई निखिल ने 22 जनवरी की उस भयावह घटना के बारे में कांपती आवाज में बताया, जब काजल के पति अंकुर ने भारी डंबल से उसके सिर पर वार किया था। उन्होंने कहा, अंकुर ने मुझे फोन पर बातचीत को रिकॉर्ड करने को कहा और कहा कि इसे पुलिस के लिए सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। फिर उसने मुझे बताया कि वह काजल को मार रहा है। और फिर, मैंने उसकी चीखें सुनीं।

दिल्ली पुलिस की विशेष प्रकोष्ठ में तैनात काजल, हमले के समय मोहन गार्डन स्थित अपने आवास पर थीं और वह चार महीने की गर्भवती थी। रक्षा मंत्रालय में क्लर्क उसके पति अंकुर को हमले के कुछ घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया गया। वह दिल्ली छावनी में तैनात था। काजल ने पांच दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद, 27 जनवरी की सुबह गाजियाबाद के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया।

भाजपा के सौरभ जोशी बने चंडीगढ़ के महापौर

चंडीगढ़। भाजपा के पार्षद सौरभ जोशी बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ नगर निगम के नये महापौर चुने गए। पार्टी ने वरिष्ठ उपमहापौर और उपमहापौर के पद भी जीत लिए।

त्रिकोणीय मुकाबले में जोशी को 18, आप के उम्मीदवार योगेश ढिंगरा को 11 वोट मिले, कांग्रेस के गुरप्रीत सिंह को सात वोट मिले। इस बार महापौर चुनाव के लिए कांग्रेस और आप ने गठबंधन नहीं किया। परिणाम के बाद, दोनों के बीच जुबानी जंग छिड़ गई, दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे पर भाजपा की मदद का आरोप लगाया।

शंकराचार्य सदानंद सरस्वती सरकार पर भड़के, कहा-शासक नहीं, जनता के सेवक

भिंड। प्रयागराज माघ मेले से जुड़े प्रकरण को लेकर शंकराचार्य सदानंद सरस्वती महाराज ने भिंड में सरकार पर तीखा हमला बोला। भिंड जिले के खनेता धाम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ताधारी शासक नहीं, बल्कि जनता के सेवक होते हैं। धार्मिक आस्था को दबाने या कुचलने का दुस्साहस किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है।

भिंड जिले के खनेता धाम स्थित श्री रघुनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शंकराचार्य ने प्रयागराज धरना प्रकरण को लेकर सरकार और प्रशासन के रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि सत्ता के कुछ हिस्सों में खुद को सेवक नहीं बल्कि शासक समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो लोकतंत्र और सनातन परंपरा दोनों के लिए घातक है। शंकराचार्य ने कहा कि प्रयागराज में गंगा स्नान से रोका जाना और ब्राह्मण विद्यार्थियों व साधु-संतों के साथ बल प्रयोग चूक नहीं, बल्कि आस्था पर सीधा प्रहार है। शंकराचार्य ने प्रयागराज की घटना को हठधर्मिता और संवेदनहीनता का प्रतीक बताया। शिखा पकड़कर मारपीट किए जाने की घटना पर कड़ा आक्रोश जताते हुए उन्होंने कहा कि शिखा हिंदू समाज की धार्मिक पहचान और आस्था का प्रतीक है। इसे पकड़कर अपमानित करना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज का अपमान है।

एसआईआरः भारत के लिए खेल चुके फुटबॉलर को नोटिस, बोले- देश के लिए खेलना क्या व्यर्थ

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी मेहताब हुसैन को सुनवाई के लिए तलब किया गया है जो भारत के लिए कई मैच खेल चुके हैं। देश के लिए करीब 30 मैच खेल चुके मेहताब हुसैन ने इस नोटिस पर गहरी व्यथा जताई है।

कोलकाता की दिग्गज टीमों मोहन बागान और ईस्ट बंगाल दोनों की कप्तानी कर चुके हुसैन ने देश का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ियों को नागरिकता साबित करने की बाध्यता पर सवाल उठाया है। हुसैन को दक्षिण 24 परगना जिले के मल्लिकपुर के एक स्कूल में एक फरवरी को सुनवाई के लिए पेश होने का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि वह इस समन से दुखी हैं। वह अभी यहां के पास न्यू टाउन में रहते हैं और मल्लिकपुर उनका पैतृक स्थान है और वह वहां के पंजीकृत मतदाता हैं। बताया जा रहा है कि उनकी मां से संबंधित दस्तावेजों में विसंगति पाए जाने के बाद नोटिस जारी किया गया था।

नाराजगी जताते हुए हुसैन ने कहा, मैंने राष्ट्रीय जर्सी पहनकर इतने मैच खेले हैं और देश के लिए अपना पसीना बहाया है। इसके बाद भी क्या मुझे यह साबित करने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ेगा कि मैं भारतीय नागरिक हूं, क्या हमारा योगदान व्यर्थ हो गया। उन्होंने इस प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरे मामले को छोड़ दें तो ऐसे बुजुर्ग और गंभीर रूप से बीमार लोग भी हैं जिन्हें कतारों में खड़ा किया जा रहा है। कुछ लोग व्हीलचेयर पर आ रहे हैं। उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने के लिए इतनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हुसैन से पहले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और पूर्व क्रिकेटर और बंगाल रणजी टीम के कप्तान लक्ष्मी रतन शुक्ला को भी एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया गया था।

खरगे और राहुल से मिले थरूर, कहा-सब कुछ ठीक

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने नाराजगी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की और कहा कि सब कुछ ठीक है तथा सब एकसाथ हैं।

संसद भवन स्थित खरगे के कार्यालय में यह मुलाकात हुई। थरूर ने इस मुलाकात को बहुत अच्छी, सार्थक और सकारात्मक करार दिया। उन्होंने कहा, सब कुछ ठीक है और हम सब एकसाथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी से इनकार करते हुए कहा कि यह उनके लिए कभी मुद्दा नहीं रहा।

राजकीय सम्मान के साथ अजित पवार का अंतिम संस्कार

बारामती, एजेंसी

- **शाह-नवीन समेत कई नेता हुए शामिल गूंजे अजित दादा अमर रहे के नारे**

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में शोकाकुल लोगों ने बृहस्पतिवार को अपने नेता उपमुख्यमंत्री अजित पवार को अंतिम विदाई दी। पवार का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। अंतिम विदाई के लिए आए लोगों से खचाखच भरे बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में पवार के बेटों पार्थ और जय ने चिता को मुखाग्नि दी। इस दौरान 'अजित दादा अमर रहे' के नारे गूंजते रहे।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, मुरलीधर मोहोल, पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन राकांपा प्रमुख के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मैदान में उपस्थित थे। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है। अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया। पुणे से करीब 100 किलोमीटर दूर बारामती हवाई पट्टी के पास बुधवार सुबह एक 'लियरजेट' विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से अजित पवार की मृत्यु हो गई थी।

दुर्घटना में जान गंवाने वाले पायलट कैप्टन सुमित कपूर का दिल्ली के पंजाबी बाग श्मशान घाट और फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली का मध्य मुंबई के शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। पवार के निजी सुरक्षा अधिकारी विदिप जाधव का अंतिम संस्कार बुधवार देर रात सतारा जिले में उनके पैतृक स्थान पर किया गया।

विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद : मुंबई। नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए लियरजेट 45 विमान का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि एएआईबी इस दुर्घटना की जांच तेजी से कर रहा है।

बारामती में राजकीय सम्मान के साथ किया गया अजित पवार का अंतिम संस्कार।

कोलंबिया में यात्री विमान हादसे का शिकार, 15 लोगों की गई जान

बोगोटा, एजेंसी

- विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य थे सवार

उत्तर-पूर्वी कोलंबिया में बुधवार को एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से जिसमें सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में कोलंबियाई सांसद डियोजेनेस क्विंटरो अमाया और एक अन्य नेता कार्लोस साल्सेडो भी शामिल हैं यह दुर्घटना तब हुई जब कोलंबियाई एयरलाइन साटेना द्वारा संचालित विमान बीचक्राफ्ट 1900 वेनेजुएला की सीमा के पास स्थित कुकुटा से ओकांया जा रहा था।

साटेना ने एक्स पर जारी एक बयान में कहा, साटेना एयरलाइन को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि कुकुटा से ओकांया के लिए उड़ान भरने वाला बीचक्राफ्ट विमान, भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया है। विमान में 13 यात्री और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। इसमें एक कोलंबियाई सांसद और एक चुनावी प्रत्याशी शामिल थे। कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने पुष्टि की है कि इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। विमान का मलबा एक दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में मिला है, और घने जंगल के कारण खोज एवं बचाव कार्यों में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

थाईलैड में विमान क्रैश, दो की मौत

बैंकाक। थाईलैंड के उत्तरी शहर चियांग माई में एक प्रशिक्षण विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से गुरुवार को वायुसेना के दो पायलटों की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता एयर मार्शल जैक्रिट थम्माविचाई ने बताया कि एटी-6टीएच वूल्वरिन हल्का हमलावर और टोही विमान चियांग माई हवाई अड्डे से लगभग 60 किमी दूर चोम थोंग जिले में एक सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दो सीट वाले विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों की जांच की जा रही है।

देश के अर्थतंत्र का रोडमैप

केंद्रीय बजट

बजट शब्द की उत्पत्ति फ्रांसीसी शब्द बोगेट से हुई है, जिसका अर्थ है चमड़े का थैला। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 के तहत इसे वार्षिक वित्तीय विवरण कहा जाता है। सरल शब्दों में, यह सरकार की आगामी वित्तीय वर्ष (1 अप्रैल से 31 मार्च) के लिए अनुमानित कमाई (राजस्व) और खर्च (व्यय) का लेखा-जोखा है। बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि सरकार की प्राथमिकताओं का दर्पण है। यह बताता है कि सरकार देश के किन क्षेत्रों जैसे कृषि, रक्षा, शिक्षा या स्वास्थ्य को बढ़ावा देना चाहती है और इसके लिए धन कहां से आएगा। 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना लगातार नौवां बजट पेश करने जा रही हैं, जो भारतीय संसदीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान है। आइए जानते हैं बजट कैसे बनता है, कौन बनाता है और आय-व्यय का अर्थशास्त्र..।

कहां से आता है धन

- प्रत्यक्ष कर : इसमें इनकम टैक्स और कॉर्पोरेट टैक्स से मिलने वाली आय शामिल होती है।
- अप्रत्यक्ष कर : इसमें सबसे बड़ा हिस्सा जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) और सीमा शुल्क का होता है।
- गैर-कर राजस्व : पीएसयू (जैसे रेलवे, सेल) से मिला मुनाफा, आरबीआई से प्राप्त डिविडेंड और ब्याज।
- ऋण : जब खर्च कमाई से ज्यादा हो जाता है, तो सरकार कर्ज लेती है, जिसे राजकोषीय घाटा कहते हैं।

कैसे तैयार होता है बजट

- प्रारंभिक अनुमान (सितंबर-अक्टूबर) : वित्त मंत्रालय सभी मंत्रालयों और विभागों को सर्कुलर भेजकर उनके खर्चों का अनुमान मांगता है।
- बैठकें और चर्चा (नवंबर-जनवरी) : मंत्रालयों और विभिन्न हितधारकों (उद्योग जगत, किसान, अर्थशास्त्री) के साथ चर्चा की जाती है कि किसे कितना फंड चाहिए और टैक्स में क्या बदलाव होने चाहिए।
- हलवा सेरेमनी : बजट दस्तावेज की छपाई शुरू होने से पहले वित्त मंत्रालय में हलवा सेरेमनी होती है। इसके बाद बजट से जुड़े अधिकारी और कर्मचारी बाहरी दुनिया से कटकर 'नार्थ ब्लॉक' के बेसमेंट में तब तक रहते हैं जब तक बजट पेश न हो जाए।
- संसद में प्रस्तुति : 1 फरवरी को वित्त मंत्री लोकसभा में बजट भाषण देती हैं और बजट दस्तावेज पेश करती हैं।

कौन-कौन विभाग शामिल

- वित्त मंत्रालय : बजट का मुख्य जिम्मा वित्त मंत्रालय का होता है, जिसके अंतर्गत कई विभाग सक्रिय रहते हैं।
- आर्थिक मामलों का विभाग : आर्थिक मामलों का विभाग (डीईए) बजट बनाने वाला नोडल विभाग है।
- व्यय विभाग : यह खर्चों की निगरानी करता है।
- राजस्व विभाग : यह टैक्स, कमाई का हिसाब रखता है।
- नीति आयोग और आरबीआई : ये संस्थाएं आर्थिक परामर्श और डेटा प्रदान करती हैं।

विशेषताएं

- 2019 में निर्मला सीतारमण ने बजट को लाल कपड़े में लिपटे बही-खाता में लाना शुरू किया। 2021 से यह डिजिटल हो गया। मुख्य रूप से राजस्व बजट और पूंजीगत बजट पेश किए जाते हैं। वर्तमान बजटों में विकसित भारत और सबका साथ, सबका विकास की थीम पर जोर दिया जा रहा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीनी नागरिक को अमेरिका में शरण

वाशिंगटन। अपने देश में मानवाधिकार हनन को उजागर करने वाले एक चीनी नागरिक को बुधवार को एक अमेरिकी आव्रजन न्यायाधीश ने अमेरिका में शरण की इजाजत दे दी। प्रवासियों के खिलाफ आव्रजन की कार्रवाई के दौरान हिरासत में लिए गए चीनी नागरिक ने आशंका जताई थी कि अगर उन्हें उनके देश वापस भेजा गया तो उन्हें चीन में यातनाएं झेलनी पड़ सकती हैं। चीनी नागरिक 38 वर्षीय गुआन हेंग ने 2021 में अवैध रूप से अमेरिका पहुंचने के बाद शरण के लिए आवेदन किया था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से जारी व्यापक निर्वासन अभियान के तहत अगस्त में आव्रजन प्रवर्तन अभियान में पकड़े जाने के बाद से गुआन हेंग हिरासत में हैं।

संग्रहालय से चोरी के मामले में एक गिरफ्तार

लंदन। दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक संग्रहालय में भारत से लाई गईं कई कलाकृतियों की चोरी के मामले की जांच के तहत गुरुवार को 41 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। एवन और समरसेट पुलिस ने बताया कि पिछले साल सितंबर में ब्रिस्टल संग्रहालय के ब्रिटिश साम्राज्य और राष्ट्रमंडल संग्रह से 600 से अधिक उच्च मूल्य की वस्तुएं चोरी होने के बाद उन्हें ठिकाने लगाने के संदेह में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि उसने पिछले महीने लोगों से सहयोग की अपील करते हुए चार श्वेत पुरुष संदिग्धों के सीसीटीवी फुटेज जारी किए थे।

नेपाल के पूर्व पीएम माधव अस्पताल में

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को हृदय संबंधी समस्या के कारण काठमांडू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के एक सूत्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनसीपी के उप-समन्वयक एवं पांच मार्च को होने वाले संसदीय चुनाव के लिए रौतहट-एक निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार माधव कुमार (72) को बुधवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं हैं।

डेल्सी बने वेनेजुएला के कमांडर इन चीफ

काराकास। वेनेजुएला की सेना ने एक सैन्य समारोह के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज के प्रति निष्ठा की शपथ ली और उन्हें औपचारिक रूप से कमांडर-इन-चीफ के रूप में मान्यता दी। समारोह में गृह, न्याय और शांति मंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने राष्ट्र के सभी सुरक्षा बलों द्वारा सहमति प्राप्त एक संयुक्त बयान पढ़ा।

भविष्य की ऊर्जा को लेकर दुनिया की नजरें भारत पर टिकीं : कैमेरा

रेजाक बेनिसेफ ने कहा, भारत विश्व की सबसे तेज उभरती अर्थव्यवस्था वाला देश

अनिल त्रिगुणायत, गोवा

अमृत विचार : जैसे जिंदगी के लिए जल अपरिहार्य है, वैसे ही मानव जीवन हेतु भविष्य की ऊर्जा भी अनिवार्य। ऊर्जा के बिना किसी भी देश का विकास अकल्पनीय। आज पूरी दुनिया तेल के खेल में यूं ही नहीं फंसी है। पारंपरिक ऊर्जा के स्रोत घट रहे हैं। ऐसे में समूचा विश्व नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोतों की ओर ताक रहा है। भविष्य की ऊर्जा को लेकर विश्व आज भारत पर टकटकी लगाए हुए है। उक्त बातें गुरुवार को ऊर्जा विशेषज्ञों ने यहां एक विशेष गोष्ठी में कहीं।

गोवा के बेतूल गांव स्थित ओएनजीसी परिसर में भारत ऊर्जा सम्मेलन के तीसरे दिन वैश्विक ऊर्जा की दिशा-दशा विषय पर परिचर्चा में अंतर्राष्ट्रीय रिन्यूएबल ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक फ्रांसेस्को ला कैमेरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर भारत पर आज दुनिया की नज़र टिकी हुई है। करीब 140 करोड़ आबादी वाला देश अपारंपरिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ चला है। ओपेक के ऊर्जा विशेषज्ञ डा. अब्दे रेज़ाक बेनिसेफ ने कहा कि तीव्र गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था और ऊर्जा क्षेत्र में भारत से दुनिया को काफी उम्मीद है। शंघाई सहयोग संगठन के उप महासचिव टीआर मिथुन ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के अलावा ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कदम दुनिया के लिए भी प्रेरणादायक है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा फोरम के महासचिव जस्सीम अल शिरावी ने कहा कि आने वाले दिनों में पारंपरिक ऊर्जा मांग/आपूर्ति में सामंजस्य नहीं बैठा पाएगी। क्योंकि विश्व की जनसंख्या लगातार बढ़ रही। ऐसे में अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत। परिचर्चा में यूएई ऊर्जा मंत्री अहमद अल काबी, नीदरलैंड के जलवायु नीति मंत्री डा.माइकल हिजद्रा, डेनमार्क के राजदूत रास्मस एबल्डगार्ड क्रिसटेनसेन तथा अमेरिकी ऊर्जा विभाग के सहायक सचिव काईले हॉस्टविट समेत अन्य ऊर्जा विशेषज्ञ भी रहे।

हरित हाइड्रोजन भविष्य का ऊर्जा विकल्प

विश्व में हरित हाइड्रोजन को गंभीरतापूर्वक बढ़ावा दिया जा रहा है। हाइड्रोजन उत्पादन में चीन का स्थान पहला है। चीन वैश्विक क्षमता के 50 प्रतिशत के साथ हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है, इसका सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। सऊदी अरब दुनिया की सबसे बड़ी हाइड्रोजन परियोजना का निर्माण कर रहा है। वहीं, भारत में आंध्र प्रदेश को हरित हाइड्रोजन का हब बनाया जा रहा है। हरियाणा के हिसार में देश का पहला आफ ग्रिड हरित हाइड्रोजन संयंत्र कार्य भी कर रहा। यूपी के गोरखपुर में देश का दूसरा हरित हाइड्रोजन संयंत्र लगाने का उपक्रम जारी है। जान लें, हरित हाइड्रोजन का उत्पादन इलेक्ट्रोलिसीस की प्रक्रिया द्वारा किया जाता है।

ऊर्जा क्षेत्र में भारत उभरता बाजार : पुरी

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत एक बड़ा उभरता बाजार है। अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर यहां काफी कुछ किया जा रहा है। खाड़ी के देशों के अलावा एशिया पेसिफिक के देशों में भी भारत ने तेजी से पहुंच बनाई है। गुरुवार को प्रेसवार्ता में पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि विश्व की दिग्गज ऊर्जा कंपनियों ने ऊर्जा क्षेत्र में भारत में निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। जिनमें टोटल एनर्जी, बीपी, विटोल हुंडई, एचडी केएसओई, अकेर, लिजा टेक, इंटरनेशनल एनर्जी फोरम, एक्सलेरेट, वुड मैकेंजी, ट्राफीगुरा, स्टैटसोली, प्राज, रिन्यू व एमओएल के अलावा वेदांता, अदानी, रिलायंस, बिरला, थापर, गैलेंट आदि शामिल हैं।

ग्रीनलैंड पर नाटो और अमेरिका में कोई समझौता नहीं

पेरिस। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) और अमेरिका के बीच ग्रीनलैंड मुद्दे पर कोई समझौता हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच में दावा किया था कि उन्होंने ग्रीनलैंड पर नाटो के साथ एक समझौता किया है। जब फ्रांस-2 टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार में फ्रेडरिकसेन से इस संबंध में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि यह कोई समझौता नहीं है। फ्रेडरिकसेन ने कहा कि असल में एक राज्य संप्रभु होता है। उसकी सीमाओं का सम्मान किया जाना चाहिए और दूसरे लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर ग्रीनलैंड में सैन्य साधनों का इस्तेमाल किया जाता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यह उन सभी चीज़ों के खिलाफ होगा जो हम दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से बना रहे हैं। फ्रेडरिकसेन बुधवार को ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन के साथ फ्रांस पहुंचीं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रेस वार्ता में कहा कि ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ता तनाव पूरे यूरोप के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है।

रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ करेंगे चीन-ब्रिटेन

- स्टार्मर-शी जिनपिंग मुलाकात में संबंधों के सुधार पर जोर

बीजिंग, एजेंसी

ब्रिटेन और चीन के नेताओं ने बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीतिक साझेदारी का आह्वान किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हाल में उठाए गए कई कदमों को लेकर उत्पन्न परिस्थितियों के बीच बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की गुरुवार को मुलाकात हुई। हालांकि शी और स्टार्मर ने सार्वजनिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम नहीं लिया।

स्टार्मर ने जिनपिंग से कहा कि मेरे हिसाब से, ऐसे समय में जब दुनिया मुश्किल दौर से गुजर रही है, तब जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करना ही सही मार्ग है, जिसके जरिए हमें अपने रिश्तों को आगे बढ़ाना चाहिए। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात तय समय से दोगुने समय 80 मिनट तक हुई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब कई वर्षों के तनाव के बाद दोनों देश अपने रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, खासकर ब्रिटेन में चीन की जासूसी गतिविधियों, यूक्रेन युद्ध में रूस के लिए चीन के समर्थन, और हांगकांग में स्वतंत्रता पर पाबंदियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। जिनपिंग ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में चीन-ब्रिटेन के संबंध खास अच्छे नहीं रहे। तेजी से बदलते अंतर्राष्ट्रीय हालात में दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए चीन व ब्रिटेन को सहयोग मजबूत करने की जरूरत है।

बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए : जिनपिंग

शी जिनपिंग ने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि बड़ी ताकतों को अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए, वरना दुनिया फिर जंगलराज जैसी स्थिति में चली जाएगी। बैठक के बाद स्टार्मर ने कहा कि दोनों ने 'स्कॉच व्हिस्की' पर चीन द्वारा शुल्क कम करना और ब्रिटिश यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा शुरू करने समेत कई मुद्दों पर वाकई अच्छी प्रगति की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों के संबंध अच्छे दौर में है और मजबूत हैं।

निष्पक्ष चुनाव के बिना बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ेगी

ढाका। भारत में निर्वासन में रह रहीं बांग्लादेश की अपदस्थ नेता शेख हसीना ने उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर किए जाने के बाद देश में होने जा रहे आगामी चुनाव की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि निष्पक्ष और समावेशी चुनाव के बिना देश में अस्थिरता बढ़ेगी। उनके इस बयान से आम चुनाव से पहले तनाव और बढ़ सकता है। शेख हसीना ने पिछले सप्ताह कहा कि यदि समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए, तो बांग्लादेश को लंबे समय तक अस्थिरता झेलनी पड़ेगी। हसीना को 2024 के छात्र आंदोलन को कुचलने के जुर्म में मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। उस कार्रवाई में सैकड़ों की जान चली गई थी और उनका शासन भी खत्म हो गया।

गाजा का संघर्ष सुलझाने में यूएस के प्रयास सराहनीय

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

- संयुक्त राष्ट्र में बोले भारत के राजदूत पर्वतनेनी हरीश

भारत ने गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष को खत्म करने के लिए अमेरिका (यूएस) के प्रयासों की सराहना की, साथ ही इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भी ध्यान आकृष्ट किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने बुधवार को ये टिप्पणी की।

हरीश ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में अपने संबोधन में कहा कि गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 के कार्यान्वयन के संबंध में हाल में हुई प्रगति पर भारत ने गौर किया है। भारत इस अवसर पर इस दीर्घकालिक मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के प्रयासों के प्रति आभार भी व्यक्त करता है। पिछले साल नवंबर में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2803 में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 29 सितंबर की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का समर्थन किया गया था, जिसमें कहा गया है कि गाजा एक आतंकवाद-मुक्त क्षेत्र होगा जो अपने पड़ोसियों के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करेगा और गाजा के लोगों के लाभ के लिए इसका पुनर्विकास किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका में सड़क हादसा, 11 लोगों की गई जान

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी क्वाजुलु नताल प्रांत में मिनीबस टैक्सी और ट्रक की टक्कर से 11 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना दक्षिण अफ्रीका में एक अन्य घटना में एक मिनीबस टैक्सी और एक ट्रक की हुई सीधी भिड़ंत में 14 स्कूली बच्चों के मारे जाने के ठीक एक सप्ताह बाद हुई है।

प्रांतीय परिवहन विभाग के अधिकारी सिबोनीसो डुमा ने बताया कि गुरुवार को यह दुर्घटना पूर्वी क्वाजुलु-नताल प्रांत में हुई। हादसे में एक स्कूली छात्र सहित 11 लोगों की मौत हो गई। निजी पैरामेडिक सेवा एएलएस पैरामेडिक्स के प्रवक्ता गैरिथ जैमीसन ने बताया कि हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें मिनी बस का चालक भी शामिल है।

ईयू ने लगाए ईरान के छह संगठनों और 15 अधिकारियों पर प्रतिबंध

ब्रसेल्स, एजेंसी

- रिवोल्यूशनरी गार्ड को घोषित किया आतंकवादी संगठन

यूरोपीय संघ ने तेहरान में देशव्यापी प्रदर्शनों पर हुई हिंसक कार्रवाई के सिलसिले में अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के शीर्ष कमांडरों और अधिकारियों सहित 15 ईरानी अधिकारियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

ईरान में ऑनलाइन सामग्री की निगरानी के लिए जिम्मेदार निकायों सहित छह ईरानी संगठनों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सत्ताईस देशों के इस समूह का यह निर्णय हिंसा पर पश्चिमी देशों की नवीनतम प्रतिक्रिया है, जिसमें कार्यकर्ताओं का कहना है कि 6,300 से अधिक लोग मारे गए हैं। इन उपायों से ऐसे समय ईरान पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव और बढ़ गया है, जब उसे अमेरिका द्वारा संभावित सैन्य हमले के खतरे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकी सेना ने यूएसएस अब्राहम लिंकन और कई निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों को पश्चिम एशिया में तैनात कर दिया है, जिनका इस्तेमाल समुद्र से हमले करने के लिए किया जा सकता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के मारे जाने और संभावित मौत की सजा की आशंकाओं के जवाब में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सैन्य कार्रवाई की धमकी देने के बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि वह ईरान के खिलाफ बल प्रयोग करेंगे या नहीं।

ईरान ने अपनी सेना में शामिल किए एक हजार लड़ाकू ड्रोन

तेहरान। ईरान ने अपनी सैन्य इकाइयों में देश में बने एक हजार लड़ाकू ड्रोन शामिल किए हैं। सेना प्रमुख अमीर हातेमी के आदेश पर थल सेना, नौसेना और वायु सेना को ये लड़ाकू ड्रोन दिए गए हैं। इन ड्रोनों को सेना के विशेषज्ञों और रक्षा मंत्रालय ने मिलकर विकसित किया गया है। ये ज़मीन, समुद्र और हवा में तय या चलते-फिरते लक्ष्यों पर हमला करने, घुसपैठ, विनाश, जासूसी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध करने में सक्षम हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 11.09 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

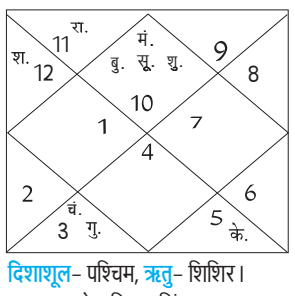

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- आर्द्रा 31 जनवरी 03.27 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज अपनी मानसिक स्थिति को हर परिस्थिति में सकारात्मक रखें। घरेलू वातावरण अच्छा रहेगा। आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग करने से बचें।

वृष — आज विदेश यात्रा को लेकर परेशानी हो सकती है। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। धन उधार देने से बचें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेकर जल्दबाजी न करें। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

मिथुन — आज पारिवारिक कार्यक्रमों में आप अत्यधिक व्यस्त हो सकते हैं। घर के सदस्यों की सुरक्षा की कुछ चिंता हो सकती है। विरोधी भी आपकी प्रशंसा करेंगे। आपके व्यवहार से सहकर्मी प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कर्क — आज व्यर्थ भागदौड़ करने से बचें। कानूनी अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है। मन में अज्ञात भय का भाव रहेगा। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित हो सकती है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। आलस्य के कारण कुछ काम रुक सकते हैं।

सिंह — आज का दिन आपके लिए अत्यधिक अनुकूल रहने वाला है। आपको रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। इष्ट मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहेगी। भौतिक सुख-सुविधाओं का आनंद लेंगे।

कन्या — आज सरकारी कार्यों में विलंब हो सकता है। आप कई लोगों को उचित सलाह देंगे, जिससे उन्हें लाभ होगा। लोग आपकी बातों से सहमत रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों की चिंता रहेगी।

तुला — आज आप कुछ नया सीखने का प्रयास कर सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यवसाय में सहयोगियों के व्यवहार से आप व्यथित हो सकते हैं। जीवनसाथी का अनादर न करें। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको सम्मान मिल सकता है।

वृश्चिक — आज का दिन शांतिपूर्वक बिताएं। दूसरों के मामलों में ज्ञान देने से बचें। विवादित मामलों में फंस सकते हैं। पति-पत्नी के आपसी संबंध प्रभावित होने की संभावना है। महिलाओं को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

धनु — आज नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। व्यवसाय में आय बढ़ने से मन हर्षित रहेगा। आपको पुराने अनुभव काफी काम आएंगे। भाई-बहनों के साथ संबंध बेहतरीन रहेंगे। परिवार के प्रति भावुक रहेंगे।

मकर — आज आप अत्यंत ऊर्जावान महसूस करेंगे। बच्चों की गलतियों को अनदेखा न करें। विरोधी आपके सामने समस्याएं खड़ी करने का प्रयास करेंगे। घर और कार्यक्षेत्र में कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकते हैं। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी आ सकती है।

कुंभ — आज गुप्त तरीके से किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक समस्याओं का निराकरण होगा। सेहत को लेकर आपको थोड़ी कठिनाई होगी। आपकी कोई बहुप्रतीक्षित इच्छा पूरी हो सकती है। आय के साथ खर्च भी बढ़ने की संभावना है।

मीन — आज गलत कार्यों और संगति से दूर रहें। स्वार्थ की भावना के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। धन खर्च करने के बजाय आपको बचत करनी चाहिए। प्रभावशाली लोगों को अपयश का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-46

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

3			4		8			
5			6				7	1
		9		2		6		
			8		6			5
	3	4				2	9	
1			9		2			
2		3		1		8		
6	7				4			3
			3		5			2

सुडोकू - 45 का हल

5	4	2	9	6	7	8	1	3
8	9	1	5	3	4	6	2	7
6	3	7	1	8	2	9	5	4
3	6	5	2	1	9	7	4	8
1	8	4	7	5	3	2	9	6
2	7	9	8	4	6	1	3	5
7	1	3	6	9	5	4	8	2
4	2	8	3	7	1	5	6	9
9	5	6	4	2	8	3	7	1

यह सब मेरी कड़ी मेहनत का नतीजा है। लगातार मैच खेलने और ऐसी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने से मेरी मानसिकता बेहतर हो रही है। इसलिए मैं यहां समझने लग गया हूं कि आगे क्या होगा और गेंदबाज क्या सोच कर मेरे लिए गेंदबाजी करेगा।
–शिवम दुबे

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 30 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मेरी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना और विकेट लेना है : सैंटनर

विशाखापत्तनम। न्यूजीलैंड के कप्तान और बाएं हाथ के स्पिनर मिचेल सैंटनर ने कहा कि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उनकी भूमिका रक्षात्मक गेंदबाजी करना, दबाव बनाना और विकेट लेना है तथा भारत के खिलाफ यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में इस रणनीति का शानदार परिणाम देखना संतोषजनक रहा। सैंटनर ने इस मैच में 26 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने संजू सैमसन को बोल्ड करके उनकी परेशानियां बढ़ा दी और फिर हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह के विकेट भी लिए। न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीता। सैंटनर ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा मुझे लगता है कि मेरा काम थोड़ा रक्षात्मक होकर गेंदबाजी करना और इस तरह से विकेट लेना है।

निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं : उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को स्पष्ट किया कि पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ कई महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न मामले में निचली अदालत की कार्यवाही पर कोई रोक नहीं है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा ने यह बयान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख की एफआईआर और उनके खिलाफ दर्ज आरोपों को रद्द करने की याचिका पर सुनवाई के लिए 21 अप्रैल की तारीख तय करते हुए दिया। याचिकाकर्ता के वकील द्वारा स्थगन का अनुरोध किए जाने पर न्यायाधीश ने याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी और अगली सुनवाई की तारीख पर निचली अदालत के रिकॉर्ड मंगवाए।

एरिगैसी की एक और हार, गुकेश ने एर्दोगमस को हराया

विक ऑन जी (नीदरलैंड्स)। भारत के शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी महत्वपूर्ण क्षणों में जर्मनी के विन्सेंट कीमर के कौशल का मुकाबला नहीं कर सके और उन्हें टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में एक और हार का सामना करना पड़ा। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हालांकि युवा खिलाड़ी यागिज़ कान एर्दोगमस के खिलाफ जीत हासिल करके प्रतियोगिता में वापसी की। काले मोहरों से खेलते हुए गुकेश ने बाजी जीती। उनके अब संभावित 10 में से पांच अंक हो गए हैं।

जश्न मनातीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिलाड़ी।

आरसीबी ने फाइनल में पक्की की जगह

वडोदरा, एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

- यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराया

ग्रेस हैरिस (दो विकेट/ 75 रन) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान स्मृति मंधाना (नाबाद 54) की अर्धशतकीय पारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 18वें मुकाबले में यूपी वॉरियर्स को आठ विकेट से हराकर टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं।

144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए ग्रेस हैरिस और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 108 रन जोड़े। 10वें ओवर में शिखा पांडे ने ग्रेस हैरिस को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। ग्रेस हैरिस ने 37 गेंदों में 13 चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 75 रनों की तूफानी पारी खेली। जीत के करीब 13वें ओवर में जॉर्जिया वॉल (16) के रूप में आरसीबी का दूसरा विकेट गिरा। आरसीबी ने 13.1 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से अपने नाम कर लिया।स्मृति मंधाना ने 27 गेंदों मे आठ चौके और दो छक्के लगाते हुए नाबाद 54 रनों की पारी खेली। इससे पहले आज यहां दीप्ति शर्मा (55) और कप्तान मेग लानिंग (41) की 74 रनों की शानदार साझेदारी के दम पर यूपी वॉरियर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 143 का स्कोर बनाया।

नडीन डी क्लर्क।

प्लेऑफ का टिकट कटाने उतरेंगी गुजरात और मुंबई की टीमें

वडोदरा। मौजूदा चैंपियन और दो बार की विजेता मुंबई इंडियंस की टीम शुक्रवार को जब गुजरात जायंट्स से भिड़ेगी तो दोनों प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेंगी। गुजरात जायंट्स इस मैच में जीत दर्ज करके लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह पक्की करना चाहेगा। गुजरात जायंट्स फिलहाल आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और उसका नेट रन रेट -0.271 है। वह मुंबई इंडियंस (छह अंक, नेट रन रेट +0.146) और दिल्ली कैपिटल्स (छह अंक, नेट रन रेट -0.164) से दो अंक आगे है।

महिला ताज के लिए भिड़ेंगी सबालेंका और रिबाकिना

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं एरिना

मेलबर्न, एजेंसी

दो बार की चैम्पियन शीर्ष वरीयता प्राप्त एरिना सबालेंका ने एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार चौथी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना एलेना रिबाकिना से होगा जिनके खिलाफ वह 2023 फाइनल खेली थी। रिबाकिना ने छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 6-3, 7-6 से हराया। सबालेंका ओपन युग में इवोन्ने गूलागोंग और मार्तिना हिंगिस के बाद लगातार चौथी बार आस्ट्रेलियाई ओपन एकल फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी महिला खिलाड़ी है ।

सबालेंका की पिछले 27 मैचों में से 26वीं जीत थी, जिससे वह पांचवें ग्रैंड स्लैम टाइटल के करीब पहुंच गईं। 27 साल की सबालेंका की इन चार सालों में एकमात्र हार पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से तीन सेट में चौंकाने वाली हार थी, जिससे उनका लगातार तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन टाइटल जीतने का सपना टूट गया। सबालेंका का ताज फिर से जीतने का मौका पूर्व विंबलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना के खिलाफ होगा, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को हराया।

सबालेंका, जिन्होंने टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गंवाया है, ने कहा काम अभी खत्म नहीं हुआ है। स्वितोलिना, जो अपना चौथा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेल रही थीं, एक बड़ी अंडरडॉग के तौर पर उतरीं, लेकिन साल की अच्छी शुरुआत के बाद कॉन्फिडेंस के साथ उन्होंने आखिरी आठ में नंबर 3 कोको गॉफ को हराकर नई ऊंचाइयों को छुआ। लेकिन सबालेंका के जबरदस्त ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने उनका कोई चांस नहीं था, शायद उनका सबसे अच्छा बैकहैंड क्रॉसकोर्ट बुलेट था जिसने 41 मिनट का पहला सेट जीत लिया। मुश्किलों के बावजूद, स्वितोलिना ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि सबालेंका ने अपनी ज़बरदस्त हिटिंग फिर से शुरू की और एक ज़बरदस्त फोरहैंड विनर ने उन्हें लगातार चौथे फ़ाइनल में जगह दिलाई। इस बीच रायबाकिना ने पेगुला को हराकर 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल का रीमैच तय किया।

एरिना सबालेंका।

एलेना रिबाकिना।

2023 में सबालेंका के खिलाफ मुकाबला शानदार था। उस समय उसने बेहतर खेला और खिताब जीता। उम्मीद है कि इस बार मैं बेहतर खेल सकूंगी।
–एलेना रिबाकिना

इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ। जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं।

जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता। उन्होंने कहा मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था।

शॉट लगाते उत्तर प्रदेश के ध्रुव जुरेल। एजेंसी

जुरेल शतक से चूके यूपी ने बनाए 237 रन

नागपुर, एजेंसी

भारत के अंतरराष्ट्रीय स्टार ध्रुव जुरेल शतक से चार रन से चूक गए और उनकी टीम विदर्भ के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के आखिरी लीग मैच में 237 रन पर आउट हो गई। विदर्भ के लिये बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने छह विकेट चटकाये। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर विदर्भ ने बिना किसी नुकसान के 33 रन बना लिये थे। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली उत्तर प्रदेश टीम के छह विकेट एक समय 109 रन पर गिर गए थे । इसके बाद जुरेल और शिवम मावी (47) ने सातवें विकेट के लिये 92 रन की साझेदारी की। जुरेल ने अपनी पारी में 11 चौके लगाए। विदर्भ के लिये दुबे ने 19 . 5 ओवर में 63 रन देकर छह विकेट लिए।

ग्रुप ए के एक अन्य मैच में सलेम में सुकीर्त पांडे के 222 गेंद में नाबाद 73 रन और निनाद राठवा के 112 गेंद में 66 रन की मदद से बड़ौदा ने तमिलनाडु के खिलाफ पांच विकेट पर 247 रन बनाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिये 85 रन की साझेदारी की । सुकीर्त ने अतीत सेठ (नाबाद 45) के साथ 90 रन जोड़े। सोविमा में एक अन्य मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज चेतन बिष्ट के नाबाद 160 रन की मदद से नगालैंड ने आंध्र के खिलाफ छह विकेट पर 322 रन बनाये । बिष्ट ने अपनी पारी में 23 चौके और एक छक्का लगाया और डेगा निश्छल (74) के साथ पांचवें विकेट के लिये 167 रन जोड़े। जमशेदपुर में ओडिशा ने झारखंड के खिलाफ छह विकेट पर 242 रन बनाए।

मुंबई ने दिल्ली को 221 रनों पर समेटा

मुंबई। सनत सांगवान के शानदार शतक के बावजूद दिल्ली की टीम मुंबई के खिलाफ रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले के पहले दिन बृहस्पतिवार को यहां अपनी पहली पारी में 221 रन पर सिमट गई। मुंबई के लिए मोहित अवस्थी ने 62 रन पर पांच विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। मुंबई ने दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 13 रन बना लिये थे। सांगवान ने 118 रन की पारी के साथ एक छोर संभाले रखा लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। उन्होंने मौजूदा सत्र अपनी तीसरी शतकीय पारी के दौरान 218 गेंद में 11 चौके और दो छक्के जड़े। इस 25 साल के बल्लेबाज ने वैभव कांडपाल (32) के साथ दूसरे विकेट के लिए 100 रन की साझेदारी की जिससे दिन की शुरुआत में दिल्ली की टीम मजबूत स्थिति में थी।

मुझे नहीं लगता कि बल्लेबाजों ने मेरी गेंदों को अच्छी तरह से समझ लिया : राशिद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में अगले महीने से होने वाले टी20 विश्व कप तैयारियों में लगी अफगानिस्तान टीम के कप्तान राशिद खान के बल्लेबाजों द्वारा उनकी गेंदों को अच्छी तरह से परखे जाने की अवधारणा को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए सफलता की कुंजी नये प्रयोग से ज्यादा सटीक गेंदबाजी करना है। पिछले एक दशक में टी20 क्रिकेट में लेग स्पिनरों की भूमिका को नया आयाम देने वाले राशिद को गुजरात टाइटंस के लिए पिछले दो आईपीएल सत्र में अपेक्षाकृत कम सफलता मिली। इसके बाद उनकी गेंदबाजी को बल्लेबाजों के द्वारा समझ लेने को लेकर चर्चा शुरू हुई। राशिद ने रेड बुल के सहयोग से ''पीटीआई-वीडियो'' से बातचीत में कहा मुझे नहीं लगता कि मुझे अपनी विविधता या लाइन-लेंथ बदलने की जरूरत है। राशिद आईपीएल के 2023 सत्र में 17 मैचों में 27 विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। उन्होंने हालांकि इसके बाद 2024 में 12 मैचों में 10 और 2025 में 15 मैचों में सिर्फ नौ विकेट लिये। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट नौ रन प्रति ओवर से ऊपर चला गया। राशिद ने कहा कि टी20 क्रिकेट में मामूली गलती करने का बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। इस प्रारूप में लगातार सटीक गेंदबाजी करना ही सबसे अहम चीज है। कभी-कभी मेरी लाइन थोड़ी चूक जाती है, जिसमें मैं पहले काफी अच्छा था। चिंता की कोई बात नहीं है। जब भी मेरी लाइन-लेंथ सही नहीं रहती तब मेरे खिलाफ रन बनते हैं। राशिद ने कहा कि गेंदबाजों की पढ़े जाने की बात को अक्सर गलत तरीके से समझा जाता है। कोई गेंदबाज मिस्ट्री (अबूझ) से सफल नहीं होता, उसे सटीकता से सफलता मिलती है। सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप-डी में नेपाल, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और यूएई के साथ है। उन्होंने कहा कई गेंदबाज ऐसे हैं जिनके बारे में सबको पता होता है कि वे क्या करेंगे, फिर भी बल्लेबाज आउट हो जाते हैं। राशिद ने मिचेल स्टार्क का उदाहरण देते हुए कहा यह सबको पता होता है कि मिचेल स्टार्क नई गेंद से आमतौर पर इन-स्विंगर डालते हैं, फिर भी वह विकेट लेते हैं।

टी-20 विश्व कप

8 दिन शेष

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप के बहिष्कार की संभावना कम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी टी20 विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने का कार्यक्रम तय कर दिया है जिससे टूर्नामेंट या 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले अहम मुकाबले के बहिष्कार की किसी भी संभावना पर लगभग विराम लग गया है। बोर्ड से जुड़े सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीसीबी ने विश्व कप टीम के दो फरवरी की सुबह कोलंबो रवाना होने के लिए पहले ही यात्रा की सभी तैयारियां कर ली हैं।

मनप्रीत भारतीय हॉकी टीम की सूची से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय हॉकी के सबसे जाने-माने खिलाड़ियों में से एक और मध्यपंक्ति के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह का नाम आगामी एफआईएच प्रो लीग सत्र से पहले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए चुने गए 33 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को संभावित खिलाड़ियों की सूची घोषित की। प्रो लीग का सत्र अगले महीने राउरकेला में शुरू होगा।

कोच फुल्टोन ने कहा हॉकी इंडिया लीग के बाद हमें लगा कि टीम में बदलाव करने का यह सही समय है। हमने कुछ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया है ताकि काम का बोझ संतुलित रहे, साथ ही उन खिलाड़ियों को भी मौका दिया है जिन्होंने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। राउरकेला और होबार्ट में प्रो लीग के चरण चयन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

संभावित टीम

गोलकीपर : पवन, सूरज करकेरा, मोहित शशिकुमार, प्रिंसदीप सिंह। **डिफेंडर :** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, पूवन्ना चंदूरा बॉबी, यशदीप सिवाच, नीलम संजीप ज़ेस, अमनदीप लाकड़ा। **मिडफील्डर :** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, हार्दिक सिंह, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, विवेक सागर प्रसाद, विष्णु कांत सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांता शर्मा, रोसन कुजूर। **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, मनदीप सिंह, अरजीत सिंह हुंदल, अंगद बीर सिंह, उत्तम सिंह, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन, मनिंदर सिंह।

साक्षात्कार भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने कहा-परिवार के बलिदान नहीं गए बेकार

बारंबार अनदेखी के बाद पद्मश्री ने सारे मलाल मिटाए

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम में आने के बाद भी दस साल तक बेरोजगार रही, खेलरत्न के लिए बारंबार अनदेखी हुई लेकिन भारतीय हॉकी की दीवार कही जाने वाली सविता पूनिया ने हिम्मत नहीं हारी और अब पद्मश्री मिलने के बाद उन्हें खुशी है कि परिवार के बलिदान बेकार नहीं गए ।

तीन सौ से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला हॉकी गोलकीपर सविता ने कहा मेरे परिवार ने मेरा संघर्ष देखा है और मेरी सफलता भी देखी है तो उनकी ख्वाहिश थी कि मुझे सम्मान मिलते भी देखे। पद्मश्री के लिये चुने जाने पर अब मेरा पूरा सफर फ्लैशबैक में घूम रहा है कि कहां से शुरू किया और कहां उतार चढाव आए। उन्होंने बताया कि 2003 में सातवीं कक्षा में पढ़ने के दौरान गांव के सरकारी स्कूल के शिक्षक के सुझाव पर पहली बार उनके पापा महेंद्र सिंह पूनिया सिरसा ट्रायल के लिये ले गए थे जहां उनका हॉकी में चयन हुआ।

सविता ने कहा मेरी मम्मी को गठिया बाव बीमारी थी और वह पूरी तरह से बिस्तर पर थी। मैं रसोई संभालती थी और नौकरी के साथ उनका पूरा काम पापा ही करते थे। ऐसे हालात में उन्होंने मुझे हॉकी खेलने के लिये भेजा। उस समय समझ नहीं आया लेकिन आज याद करती हूं तो उनके बलिदान समझ में आते हैं। वह भी ऐसे समय में जब लड़के और लड़कियों में इतना भेदभाव होता था। अपनी मां की हालत की वजह से सविता का मन हॉस्टल में नहीं लगा और उसने हॉकी छोड़ने का मन बना लिया लेकिन तत्कालीन कोच सुंदर सिंह खरब ने उन्हें गोलकीपर बनाने का सुझाव दिया लेकिन कहा कि गोलकीपिंग किट की व्यवस्था करनी होगी क्योंकि उनके पास दो ही किट का बजट था जो वे दे चुके थे। उस समय मेरे पापा ने 18000 रुपये में गोलकीपिंग किट खरीदी जो उनकी दो महीने की तनख्वाह थी। मैं उस दिन बहुत रोई क्योंकि मुझे पता था कि उन पैसों की क्या कीमत थी। मैंने उस दिन सोचा कि अब अपने माता-पिता के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना है। मैं पापा को रिटर्न गिफ्ट देना चाहती थी। इसके बाद गोलकीपिंग ट्रेनिंग शुरू की और 2008 में पहली बार भारतीय टीम में चुनी गई जिसने उनके दादाजी को अलग तरह से प्रेरित किया। सिरसा से भारतीय टीम में आने वाली मैं पहली लड़की थी। अखबार में छपा था कि रणजीत सिंह पूनिया की पोती भारतीय टीम में चुनी गई। दादाजी पढ़े लिखे नहीं थे लेकिन उन्होंने 67 साल की उम्र पढ़ना सीखा ताकि वह खबर खुद पढ सकें।

10 वर्ष तक रहीं बेरोजगार, टूटने लगी थी हिम्मत

सविता ने कहा मैं 2008 में टीम में आई और 2018 तक बेरोजगार थी। वाकई हालात बहुत खराब थे चूंकि खेल में चोट का डर रहता है, उपकरण महंगे आते हैं। मुझे आज भी याद है जब मैं टीम के साथ पहली बार विदेश जा रही थी तब हवाई अड्डे पर पापा ने 5000 रुपये दिये और भाई ने कोने में ले जाकर दो हजार रुपये दिए जो वह अपने दोस्त से उधार लाया था। वह मेरे लिए दो लाख रुपये से कम नहीं थे। फिर 2018 में अर्जुन पुरस्कार मिला तो मेरी मां का पहला सवाल था कि क्या अब नौकरी मिल जाएगी। रिश्तेदार पूछते थे कि इतने साल से भारतीय टीम में है और अभी तक नौकरी नहीं मिली तो खेलने का क्या फायदा। पर परिवार का साथ मेरी प्रेरणा बना और मैने ठान लिया था कि कुछ बड़ा करना है।

खेलरत्न मिलने की थी काफी उम्मीदें

पद्मश्री से पहले सविता को खेलरत्न पुरस्कार मिलने की काफी उम्मीदें थी पर इतनी उपलब्धियों के बावजूद इस बार भी सूची में नाम नहीं आने से उनका दिल टूट गया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से मैने तीन बार खेलरत्न के लिये आवेदन किया लेकिन मिला नहीं। मैं पुरस्कारों को लेकर उतना नहीं सोचती लेकिन जब मेरे समान उपलब्धियों पर दूसरों को मिलता है तो लगता है कि मुझे भी अपने परिवार को यह खुशी देनी है। इस साल बहुत उम्मीद थी पर जब नाम नहीं आया तो दिल टूट गया। मैं 300 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली महिला गोलकीपर बनी थी और लगातार तीन बार एफआईएच की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुनी गई। अब पद्मश्री मिलने के बाद दोनों परिवारों में खुशी का माहौल है। माता पिता को अर्जुन पुरस्कार समारोह में राष्ट्रपति भवन ले जाने वाली सविता अब ससुराल पक्ष को खुशी देना चाहती है।